

RNI No. GUJHIN/2010/35230

# महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 59 । पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 25 अक्टूबर 2026(रविवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/


## झांसी में डॉक्टर के घर से 15 लाख रुपये की चोरी,



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**झांसी।** उत्तर प्रदेश के झांसी में एक डॉक्टर के घर से करीब 15 लाख रुपये चोरी करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि घर में काम करने वाले नौकर ने अपनी मां के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी की रकम से अर्टिगा कार, बाइक और ऑटो खरीदने की बात भी सामने आई है। नौकर कथित तौर पर दराज को कैंची से खोलकर उसमें रखी तिजोरी की चाबी निकालता था और फिर तिजोरी से नकदी चुरा लेता था। डॉक्टर ने शुक्रवार को उसे एक लाख रुपये चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया, लेकिन वह मौका पाकर फरार हो गया। डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने शनिवार को आरोपी नौकर को गिरफ्तार कर लिया। मामले में उसकी मां समेत तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटना नवाबाद थाना क्षेत्र की है। नई बस्ती की सुधा विहार कॉलोनी निवासी ज्योति अड़जरिया करीब तीन साल से उनके घर में झाड़ू-पोंछा करने का काम कर रही थी।

## गांधीनगर से पूरे राज्य में राजनीतिक भूचाल

# गांधीनगर के खोराज में ठाकोर समुदाय से 150 करोड़ रुपये की ज़मीन हड़पने की बड़ी साज़िश! रेंज IG वीरेंद्र यादव पर 11 करोड़ रुपये वसूलने का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

**गांधीनगर/अहमदाबाद।** राज्य की राजधानी गांधीनगर के खोराज में ठाकोर समुदाय के एक गरीब किसान परिवार से 150 करोड़ रुपये की कीमती ज़मीन हड़पने के मामले में खाकी, BJP के नेतृत्व वाले प्रशासन, लैंड माफिया और दलालों की मिलीभगत का बड़ा खुलासा हुआ है। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वर्किंग प्रेसिडेंट और MLA जिग्नेश मेवाणी, पूर्व प्रदेश प्रेसिडेंट जगदीश ठाकोर और मशहूर वकील आनंद याग्निक ने मिलकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की और राज्य के टॉप पुलिस अधिकारियों पर तीखे आरोप लगाए, जिससे गांधीनगर से दिल्ली तक राजनीतिक हंगामा मच गया। रेंज IG वीरेंद्र यादव ने 11 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी! क्या बेईमान PI को 70 लाख दिए गए? प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीड़ित रवि ठाकोर के कबूलनामे का वीडियो स्टेटमेंट और डॉक्यूमेंट्री सबूत पेश करते हुए जिग्नेश मेवाणी ने चौंकाने वाला दावा किया है कि गांधीनगर रेंज के IG वीरेंद्र यादव ने उन्हें अपने ऑफिस बुलाया और 150 करोड़ रुपये की ज़मीन में 10' हिस्सेदारी के तौर पर 11 करोड़ रुपये की कथित फिरौती मांगी। IG ने धमकी दी थी कि जब तक यह रकम नहीं मिल जाती, कोई काम आगे नहीं बढ़ेगा। IG के कहने के बाद रवि ठाकोर ने अडालज पुलिस स्टेशन के PI को 70 लाख रुपये दिए, और यह भी दावा है कि पैसे से जुड़े डॉक्यूमेंट्री सबूत मौजूद हैं। महिला को घेरकर झूठी शिकायत करने के लिए मजबूर किया गया और वीडियो बनाया गया। जब बाकी रकम देना बंद हो गया, तो पुलिस और कलोल के ज़मीन दलालों ने पिछले डेढ़-दो महीने से पीड़ित परिवार पर अमानवीय जुल्म करना शुरू कर दिया। आरोप के मुताबिक, अडालज पुलिस स्टेशन में PI के चैंबर में महिला पुलिस ऑफिसर की गैरमौजूदगी में काजलबेन ठाकोर को घेर लिया गया, धमकाया गया और उनके पति पोपटजी ठाकोर के कथित किडनैपिंग की पूरी तरह से झूठी शिकायत दर्ज कराने के लिए मजबूर किया गया। इतना ही नहीं, उन्होंने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर का नाम भी फंसाने के लिए मजबूर किया और एक वीडियो भी बनाया। हालांकि, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ही काजलबेन ठाकोर ने खुलासा किया कि ये सभी शिकायतें और वीडियो उन्हें धमकाकर उनकी मर्जी के खिलाफ बनाए गए थे। इस समय, उनके पति पोपटजी ठाकोर वीडियो कॉल में शामिल हुए और साफ किया कि उन्हें किडनैप नहीं किया गया था, बल्कि जमीन बचाने और पुलिस के अत्याचार से बचने के लिए एहतियात के तौर पर वे रिश्तेदारों के साथ वहीं रुके हैं। परिवार को रात में किडनैप किया गया, रिश्तेदारों को सोमनाथ-द्वारका से छिपाकर रखा गया भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों ने इस मामले को दबाने के लिए एक भयानक सीन बनाया। LCB पुलिस ने परिवार के दूसरे सदस्यों को रात में उनके घर से किडनैप कर लिया। इसके अलावा, बहुत गंभीर आरोप लगाए गए हैं कि सोमनाथ और द्वारका में दर्शन के लिए गए रिश्तेदारों को भी पकड़ लिया गया और गैर-कानूनी तरीके से छिपाकर रखा गया। नेताओं की रेकी? वकील के ऑफिस के नीचे फिर से काले शीशे वाली संदिग्ध गाड़ियां! प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होने के मुश्किल से एक घंटे बाद, जिग्नेश मेवाणी और जगदीश ठाकोर के नक्शेकदम पर चलते हुए, वकील आनंद याग्निक के ऑफिस के नीचे ड्राइव-इन सिनेमा के पास काले शीशे वाली बिना नंबर प्लेट वाली करीब 4 संदिग्ध गाड़ियां घूमती देखी गईं। इस मामले में जिग्नेश मेवाणी ने तुरंत अहमदाबाद के ए-डिवीजन पुलिस स्टेशन में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस कमिश्नर और ट्रैफिक DCP चिराग पटेल को भी फोन करके सुरक्षा मांगी है। मुख्यमंत्री से समय मांगा लेकिन नहीं मिला 26 तारीख को गांधीनगर पुलिस भवन के घेराव का ऐलान कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगदीश ठाकोर ने गुस्सा जाहिर करते हुए कहा, 'हमने इस पीड़ित किसान परिवार को न्याय दिलाने के लिए माननीय मुख्यमंत्री से समय मांगा था लेकिन समय नहीं दिया गया।' BJP के कुछ जिम्मेदार नेताओं को भी इस परिवार के साथ हुए अन्याय की जानकारी है, लेकिन सरकार के बड़े नेता इस मामले में दखल दे रहे हैं और भ्रष्ट अधिकारियों को बचा रहे हैं।




कांग्रेस पार्टी की मुख्य मांगें

1. तुरंत सस्पेंशन और FIR गांधीनगर रेंज के IG वीरेंद्र यादव, अडालज PI और ज़िम्मेदार स्टाफ़ पर क्रिमिनल सेक्शन के तहत केस दर्ज किया जाए और उन्हें तुरंत सस्पेंड करके नौकरी से निकाल दिया जाए।

2. **हाई-लेवल जांच:** पूरे स्कैम और लैंड माफिया-पुलिस मिलीभगत की बिना किसी भेदभाव के और सख्त हाई-लेवल जांच हो।

3. **ज़मीन का हक:** ठाकोर कम्युनिटी के इस गरीब परिवार को उनकी 150 करोड़ रुपये की असली ज़मीन का इंसाफ़ मिले।

बड़ा आंदोलन पूरे राज्य में BJP के इशारे पर हो रहे पुलिसिया जुल्म, तानाशाही और झूठे केस के विरोध में और IG वीरेंद्र यादव के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए 26 अक्टूबर, 2026 को सुबह 10:30 बजे गांधीनगर पुलिस भवन तक एक बड़ा मार्च निकालने और पिटीशन देने का ऑफिशियल ऐलान किया गया है।

## भिलाई स्टील प्लांट के निजीकरण की चर्चा पर सियासी घमासान, विजय बघेल ने भूपेश को बताया अडानी का पीए-पीआरओ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भिलाई।** छत्तीसगढ़ के भिलाई स्टील प्लांट (बीएसपी) के निजीकरण और अडानी समूह द्वारा इसे खरीदे जाने की चर्चाओं को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और भाजपा सांसद विजय बघेल के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। विजय बघेल ने तंज कसते हुए भूपेश बघेल को अडानी का पीए या पीआरओ बता दिया। इसके जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री ने सांसद की मानसिक स्थिति पर सवाल उठाए और उन्हें इलाज कराने की सलाह दे दी। विवाद की शुरुआत उस समय हुई, जब भूपेश बघेल ने आशंका जताई कि अडानी समूह के भिलाई स्टील प्लांट दौरे की आड़ में सरकारी इस्पात संयंत्र को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है। उनके इस बयान के बाद भाजपा नेताओं ने आरोपों को भ्रामक बताया और इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने का आरोप लगाया। मामला बढ़ने पर बीएसपी प्रबंधन और इस्पात मंत्रालय ने भी प्लांट को बेचे जाने की खबरों का खंडन किया।



## अमेरिका में गैंगस्टर हिमांशु भाऊ गिरफ्तार, लास वेगास में बनाया था ठिकाना

# दिल्ली-हरियाणा समेत कई राज्यों में हत्या, रंगदारी और हथियार तस्करी के 30 से ज्यादा मामलों में वांछित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** भारत में कई गंभीर आपराधिक मामलों में वांछित गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में गिरफ्तार किए जाने की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई ने उसे लास वेगास में पकड़ा। हिमांशु भाऊ पर दिल्ली, हरियाणा और अन्य राज्यों में हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी वसूली और हथियारों की तस्करी जैसे 30 से अधिक गंभीर मामले दर्ज होने की जानकारी दी गई है। उसके खिलाफ वर्ष 2023 में इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया था। हरियाणा पुलिस ने उस पर ढाई लाख रुपये और दिल्ली पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। इसी कार्रवाई के दौरान एक अन्य भगोड़े नीरज फरीदपुरिया को भी पकड़े जाने की जानकारी सामने आई है। बताया गया है कि वह इसी साल जमानत पर रिहा होने के बाद अपने टखने में लगा निगरानी ट्रैकर हटाकर गिरफ्तारी से बच रहा था। दोनों की गिरफ्तारी से जुड़ी विस्तृत परिस्थितियों को लेकर संबंधित एजेंसियों की कार्रवाई पर नजर है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली और हरियाणा पुलिस की कई टीमें लंबे समय से अमेरिका में हिमांशु भाऊ की तलाश कर रही थीं। राष्ट्रीय जांच एजेंसी से जुड़े एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि तकनीकी निगरानी और मुखबिरों से मिली सूचनाओं के आधार पर



लास वेगास में उसके संभावित ठिकाने का पता लगाया गया। इसके बाद अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ उसकी लोकेशन साझा की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी एजेंसियों ने गुरुवार शाम उसे गिरफ्तार कर लिया। हिमांशु भाऊ पर हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में आपराधिक गतिविधियां संचालित करने के आरोप हैं।

## 25 अक्टूबर की रात तक बदला रहेगा मौसम, तापमान में 2 से 3 डिग्री गिरावट के आसार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**हरियाणा।** प्रदेश के कई हिस्सों में शनिवार को बारिश और ओलावृष्टि हुई। हिसार में बारिश हुई, जबकि सिरसा के रानियां, फतेहाबाद के रतिया और झज्जर के कई गांवों में ओले गिरे। हांसी में बूंदाबांदी दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केंद्र चंडीगढ़ ने सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जींद, कैथल, करनाल, कुरुक्षेत्र, पानीपत और सोनीपत में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से 25 अक्टूबर की रात तक प्रदेश में बादलों की आवाजाही बनी रह सकती है।



## पठानकोट में शादी के 47 दिन बाद नवविवाहिता ने की आत्महत्या, पति-ननद पर मामला दर्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पठानकोट।** पंजाब के पठानकोट में 25 वर्षीय नवविवाहिता सीमा ने 22 अक्टूबर की सुबह फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी शादी 5 सितंबर को जम्मू के बख्शी नगर निवासी अमित कुमार से हुई थी। मृतका के भाई अश्विनी कुमार ने पति और ननद पर दहेज के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। अश्विनी के अनुसार, परिवार ने बहन की शादी के लिए तीन लाख रुपये का कर्ज लिया था। आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ही सीमा को कम दहेज लाने के ताने दिए जाने लगे और मायके से पैसे लाने का दबाव बनाया गया। परिजनों के मुताबिक, 7 अक्टूबर को ससुराल में विवाद के बाद सीमा मायके लौट आई थी। परिवार ने दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी।



## प्रेम प्रसंग से जुड़ा पहलू सामने आने की चर्चा, आत्महत्या की आशंका के बीच पुलिस जुटा रही सबूत; मौत की वजह का पता लगाने में जुटी जांच टीम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** कृष्णा नगर स्थित सर्वोदय बाल बालिका विद्यालय में शनिवार दोपहर 12वीं कक्षा की करीब 18 वर्षीय छात्रा का जला हुआ शव मिलने से सनसनी फैल गई। छात्रा का शव स्कूल परिसर में गार्ड रूम के पीछे मिला। घटनास्थल के पास उसका स्कूल बैग भी बरामद हुआ, जिसमें से तीन पत्र मिले हैं। पुलिस को शुरुआती जांच में आत्महत्या की आशंका है, हालांकि घटना की वास्तविक वजह और आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार दोपहर स्कूल में आग लगने की सूचना आपातकालीन कॉल के जरिए मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं। स्कूल परिसर में जांच के दौरान गार्ड रूम के पीछे छात्रा का शव जली हुई हालत में मिला। आसपास की तलाशी के दौरान छात्रा का बैग बरामद हुआ, जिसमें तीन पत्र मिले। पुलिस इन पत्रों को जांच का अहम हिस्सा मानते हुए उनकी सामग्री और घटना से संभावित संबंध की पड़ताल कर रही है। ससस पेट्रोल डालकर आग लगाने की




आशंका, कारणों की जांच जारी प्रारंभिक जानकारी में आशंका जताई जा रही है कि छात्रा ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाई हो सकती है।

## लखनऊ में करोड़पति कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड की आरोपी श्रद्धा दुबे के शनिवार को दो और वीडियो सामने आए हैं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** करोड़पति कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड की आरोपी श्रद्धा दुबे के दो और वीडियो सामने आए हैं। एक वीडियो में वह पार्टी से अकेले लौटती दिख रही है, जबकि दूसरे में शिवा का हाथ पकड़कर सीढ़ियों से उतरती नजर आ रही है। इस दौरान उसकी बहन रश्मि भी साथ है। पहला वीडियो 20 मई सुबह 5:19 बजे का बताया जा रहा है, जिसमें श्रद्धा वेस्टर्न ड्रेस में दिखाई दे रही है। दूसरा वीडियो 4 अगस्त का है। शिवा की मौत के बाद से श्रद्धा से जुड़े कई वीडियो सामने आ चुके हैं। अदालत ने गुरुवार को श्रद्धा, उसकी बहन और ड्राइवर समेत आरोपियों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इससे पहले हजरतगंज थाने में श्रद्धा से करीब साढ़े छह घंटे पूछताछ की गई थी।



## जगाधरी में मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने स्कूटी को कुचला, भाई-बहन की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जगाधरी।** हरियाणा के यमुनानगर जिले के जगाधरी में शनिवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में भाई-बहन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी मां और ढाई साल का छोटा भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। परिवार स्कूटी पर सवार होकर चाचा के निकाह की खरीदारी करने बाजार जा रहा था। इसी दौरान सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल के सामने मिट्टी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आने से यह हादसा हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें ट्रैक्टर-ट्रॉली स्कूटी को घसीटते हुए दिखाई दे रही है। हादसे में जान गंवाने वाले बच्चों की पहचान सुघ गांव निवासी महक (16) और अरहम (6) के रूप में हुई है। घायलों में उनकी मां मुर्सिबा और ढाई वर्षीय भाई आहान शामिल हैं। दोनों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद आहान की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने उसे उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, बूड़िया थाना क्षेत्र के सुघ गांव निवासी मोहम्मद काला लकड़ी मंडी में आढ़ती हैं। उनके छोटे भाई कामिल का निकाह 4 नवंबर को होना है। घर में निकाह की तैयारियां चल रही थीं। इसी सिलसिले में शनिवार को काला की पत्नी मुर्सिबा अपनी बेटी महक और दोनों बेटों अरहम व आहान के साथ खरीदारी करने निकली थीं।



## बिहार का रहने वाला आरोपी करीब 10 साल से मुंबई में रह रहा था

# मुंबई में जैश-ए-मोहम्मद से कथित संबंधों के आरोप में 33 वर्षीय युवक गिरफ्तार, मोबाइल से मिलीं भड़काऊ पोस्ट और मसूद अजहर की ऑडियो क्लिप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** मुंबई आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने माहिम इलाके से 33 वर्षीय मोहम्मद हसन अबू सरमद अख्तर को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े होने का आरोप है। बिहार का रहने वाला आरोपी मुंबई में रैपिडो चालक के रूप में काम करता था। जांच एजेंसी के मुताबिक, उसके मोबाइल फोन की जांच के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ पोस्ट और जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर की ऑडियो क्लिप मिली हैं। एटीएस अब उसके सोशल मीडिया खातों, टेलीग्राम समूह से जुड़ी गतिविधियों और संभावित संपर्कों की जांच कर रही है। एटीएस अधिकारियों के अनुसार, आरोपी की सोशल मीडिया गतिविधियों और एक टेलीग्राम समूह से जुड़े सुरागों के आधार पर जांच शुरू हुई। पुलिस का आरोप है कि वह सोशल मीडिया पर जैश-ए-मोहम्मद को बढ़ावा देने वाली सामग्री साझा करता था। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी की गतिविधियां किस हद तक सीमित थीं और क्या वह किसी अन्य व्यक्ति या नेटवर्क के संपर्क में था। उसके मोबाइल फोन में मिली सामग्री की भी जांच की जा रही है। ंच के दौरान एटीएस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों से कोई संपर्क थे या नहीं। फिलहाल, इस संबंध में किसी संपर्क की पुष्टि सामने नहीं आई है। मामले की जांच मुंबई एटीएस की कालाचौकी इकाई कर रही है। एजेंसी आरोपी के डिजिटल उपकरणों और ऑनलाइन गतिविधियों से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, आरोपी मूल रूप से बिहार का रहने वाला है और करीब 10 साल से मुंबई में रह रहा था। वह माहिम इलाके में बाबा फलूदा के पास इत्र बेचने का काम करता था। इसके साथ ही वह रैपिडो चालक के रूप में भी काम करता था। पुलिस अब उसके निवास, कामकाज और ऑनलाइन गतिविधियों से जुड़े पहलुओं की



जांच कर रही है। मुंबई एटीएस की कालाचौकी इकाई ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 196(1) के तहत मामला दर्ज किया है। यह धारा धर्म, भाषा और अन्य आधारों पर विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य बढ़ाने तथा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने से संबंधित अपराधों पर लागू होती है। शुक्रवार को अदालत ने आरोपी को पुलिस हिरासत में भेज दिया। एटीएस अब मोबाइल फोन से प्राप्त सामग्री, सोशल मीडिया पोस्ट और टेलीग्राम समूह से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। मामले में आगे की स्थिति जांच के निष्कर्षों और सामने आने वाले साक्ष्यों पर निर्भर करेगी।

## झारखंड में चुनावी तैयारियों को लेकर भाजपा सक्रिय, रांची में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में जुटे वरिष्ठ नेता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**रांची।** झारखंड में आगामी चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक गतिविधियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रांची के हवेली बैंक्विट हॉल में पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन शामिल हुए। उनके साथ प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। बैठक को झारखंड में पार्टी की आगामी चुनावी तैयारियों और संगठन को सक्रिय करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसमें प्रदेश स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा की जा रही है। राष्ट्रीय अध्यक्ष की मौजूदगी से बैठक को विशेष महत्व मिला है। भाजपा ने आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए प्रदेश में अपनी गतिविधियां बढ़ाई हैं। प्रदेश कार्यसमिति की इस बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं की भागीदारी संगठन की तैयारियों के लिहाज से अहम मानी जा रही है।



## मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 500 करोड़ रुपये से ज़्यादा के हेल्थ प्रोजेक्ट्स का ई-उद्घाटन और शिलान्यास किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** राज्य के दूर-दराज के लोगों को सबसे अच्छी, क्वालिटी और सेंसिटिव हेल्थ सर्विस देने के पक्के इरादे के साथ, गुजरात सरकार ने हेल्थ सेक्टर में एक और ऐतिहासिक कामयाबी हासिल की है। अहमदाबाद में हुए एक बड़े प्रोग्राम में, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने पूरे राज्य के लिए 500 करोड़ रुपये से ज़्यादा के डेवलपमेंट कामों की बड़ी सौगात दी। जिसमें 185 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 255 हेल्थ फैसिलिटीज़ का उद्घाटन और 347 करोड़ रुपये की लागत से बने 45 नए प्रोजेक्ट्स का ई-उद्घाटन किया गया। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में 'होलिस्टिक हेल्थ केयर' का एक नया दौरः मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल इस मौके पर मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी के नेतृत्व में रोकथाम, स्वास्थ्य संवर्धन और सस्ते इलाज की तिकड़ी से हेल्थ सेक्टर में बहुत बड़ा बदलाव आया है। गुजरात ने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः' की दिव्य भावना को साकार करने के लिए हेल्थ सेक्टर में मज़बूत कदम उठाए हैं। पहले और आज के बीच का अंतर दिखाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार गंभीर बीमारियों के कारण कर्ज में डूब जाते थे। आज आयुष्मान भारत योजना के तहत 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देकर नागरिकों को आर्थिक सुरक्षा दी गई है। राज्य में अब तक 2.87 करोड़ से ज़्यादा नागरिकों को आयुष्मान कार्ड देकर कवर किया जा चुका है। मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति के आंकड़े देते हुए उन्होंने कहा कि साल 2001-02 में राज्य में सिर्फ़ 8 मेडिकल कॉलेज थे, जो आज बढ़कर 43 हो गए हैं। जबकि MBBS सीटों की संख्या 1,375 से बढ़कर 7,525 हो गई है। भविष्य की योजनाः वसई और कामरेज में 3000 करोड़ रुपये की लागत से नई मेडिसिटी भविष्य के रोडमैप के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकोट में ' ने काम करना शुरू कर दिया है और जामनगर में दुनिया का पहला 'ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन' बन रहा है।



## सनातन संस्था का गुजराती आर्टिकल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**कोजागरी।** असो सुद पूर्णिमा का पवित्र मौका सनातन परंपरा में बहुत खास जगह रखता है। क्योंकि यह शरद ऋतु में आता है, इसलिए इसे 'शरद पूर्णिमा', नए अनाज की पूजा के कारण 'नवान्न पूर्णिमा' और रात में जागरण के महत्व के कारण कोजागरी पूर्णिमा' कहा जाता है। श्रीमद् भागवत के अनुसार, इसी पवित्र तिथि पर भगवान कृष्ण ने व्रजमंडल में दिव्य रसोत्सव मनाया था मान्यता के अनुसार, असो पूर्णिमा की आधी रात को देवी लक्ष्मी चांद से धरती पर उतरती हैं और पूछती हैं–'को जागर्ति?' यानी 'कौन जाग रहा है। जो इंसान जागते और सावधान रहकर भगवान की पूजा करता है, देवी लक्ष्मी उसे धन, धान्य और खुशहाली से खुश करती हैं। इस दिन ब्रह्मांड में आदि शक्ति की इच्छा शक्ति के वाइब्रेशन एक्टिव रहते हैं, जिससे मन और शरीर की शुद्धि होती है और काम करने की शक्ति मिलती है। इस रात ऐरावत पर सवार इंद्रदेव और देवी लक्ष्मी की खास पूजा की जाती है। लक्ष्मीजी खुशी देने वाली देवी हैं और इंद्रदेव ठंडक देने वाली देवी हैं। पूजा में पौआ और नारियल पानी का प्रसाद खास तौर पर चढ़ाया जाता है। चूंकि पौआ आनंद और नारियल पानी ठंडक का कारण होते हैं, इसलिए ये माहौल की पॉजिटिव एनर्जी को अपनी ओर खींचते हैं। श्रीमद् भगवद् गीता (10:21) में श्री कृष्ण ने चांद के गुणों के कारण खुद को 'नक्षत्रों में चांद' कहा है। इस रात साफ चांदनी में चंद्र देव को गाढ़ा दूध चढ़ाया जाता है। दूध में चाँद का प्रतिबिंब देखने से चाँद के तत्व और किरणों से अमृत मिलता है। ज्योतिष के अनुसार, इस रात चाँद अश्विनी नक्षत्र में रहता है, जिसके स्वामी देवताओं के वैद्य 'अश्विनीकुमार' हैं, जिससे चाँद की किरणें लाइलाज बीमारियों को ठीक करने में मदद करती हैं। पूरी रात जागरण किया जाता है और सुबह पारण के साथ व्रत पूरा होता है।



## डभोई सहयोग सब्ज़ी मार्केट की ऐतिहासिक झील बनी 'नर्क': महामारी की कगार पर डभोई शहर

महानगर मेट्रो ब्यूर

**डभोई।** ऐतिहासिक शहर डभोई के बीचों-बीच बसा और हज़ारों लोगों की आवाजाही से गुलज़ार 'सहयोग सब्ज़ी मार्केट' और उसके पीछे ऐतिहासिक झील आज नगर पालिका की बड़ी लापरवाही और लापरवाही का उदाहरण बन गया है। कभी शहर की खूबसूरती मानी जाने वाली यह झील आज गंदगी, बदबू और गंदगी का अड्डा बन गई है। पूरा लेक एरिया और मार्केट कचरे के ढेर से भरा होने की वजह से, पूरा एरिया बदबू से भरा हुआ है, जिससे लोकल शहर के लोगों और व्यापारियों का जीना मुश्किल हो गया है। डभोई शहर और आस-पास के ग्रामीण इलाकों से हर दिन हजारों महिलाएं और नागरिक सब्जियां और घर का सामान खरीदने के लिए इस कोऑपरेटिव सब्जी मार्केट में आते हैं। लेकिन, लेक और मार्केट के आसपास फैली गंदगी की वजह से लोगों को मुंह पर रूमाल रखकर असहनीय बदबू से गुजरने को मजबूर होना पड़ता है। लोकल हालात इतने खराब और गंभीर हो गए हैं कि लोगों में प्रशासन के खिलाफ बहुत गुस्सा है जो आंखें मूंदे हुए है। मार्केट एरिया से हर दिन निकलने वाले बेकार प्लास्टिक बैग, खाली प्लास्टिक की बोतलें और सड़ी हुई सब्जियों का कचरा सीधे इस ऐतिहासिक झील में फेंका जा रहा है। झील में कचरा सड़ने की वजह से पानी पूरी तरह काला हो गया है और उससे तेज बदबू फैल रही है। इस ज़हरीले और गंदे पानी की वजह से इलाके में मच्छरों और मक्खियों का प्रकोप बहुत ज़्यादा बढ़ गया है। अगर समय रहते इस गंदगी को नहीं हटाया गया, तो पूरे डभोई शहर में भयानक महामारी फैलने की पूरी संभावना है।एक तरफ़ डभोई नगर पालिका और प्रशासन 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत करोड़ों रुपये अंधाधुंध खर्च दिखाकर बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ़ शहर के बीचों-बीच यह बुरी हालत प्रशासन के सभी खोखले दावों की पोल खोल रही है। स्थानीय नागरिकों में इस बात की काफ़ी चर्चा है कि 'नगर पालिका का सफ़ाई अभियान फ़ोटो सेशन, पब्लिक बैनर और कागज़ों पर लिखे आंकड़ों तक ही सीमित रह गया है। ज़मीनी हकीकत यह है कि जनता को गंदगी और महामारी के मुँह में धकेला जा रहा है। व्यापारियों और स्थानीय लोगों में भारी गुस्साः प्रशासन कब जागेगा? झील की खराब हालत और व्यापार पर पड़ रहे बुरे असर को लेकर लोकल व्यापारियों और आस-पास के लोगों में बहुत गुस्सा है। लोगों का सीधा आरोप है कि बार-बार कहने के बाद भी, निर्भर हो चुका नगर निगम प्रशासन कान में उंगली डाले बैठा है। अब डभोई के लोग बस एक ही सवाल पूछ रहे हैः 'क्या नगर निगम प्रशासन किसी बड़ी महामारी के फैलने और लोगों की जान खतरे में डालने का इंतज़ार कर रहा है? कुंभकर्ण की नींद सो रहा यह प्रशासन कब जागेगा और इस ऐतिहासिक झील और बाज़ार को गंदगी से साफ़ करके लोगों को राहत देगा? '



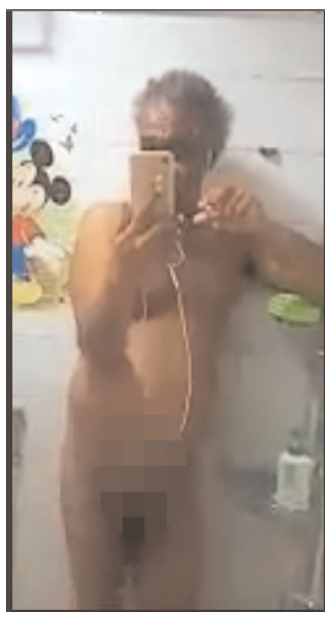
### साधु या कुसाधु?

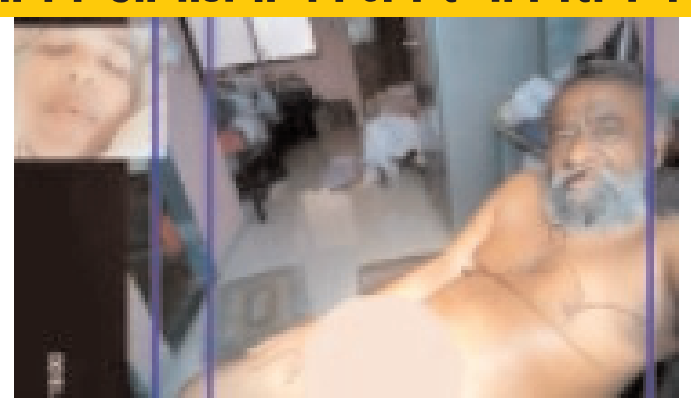
# जैन मुनि सागरचंद्र सागर पर गंभीर आरोपों से मचा बवाल

## जैन मुनि सागरचंद्र सागर के कारनामों पर 'महानगर मेट्रो' का सीधा सवालः मीडिया के सामने आएं और जवाब दें, वरना साधु वेश त्यागें

### उज्जैन के तीर्थधाम में धार्मिक आयोजनों को लेकर भी विरोध की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन





**अहमदाबाद/उज्जैन।** अहिंसा, सत्य और कठोर साधना के लिए पूरे विश्व में पहचाने जाने वाले जैन समाज की पवित्रता को धूमिल करने का एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। कथित जैन मुनि सागरचंद्र सागर पर लगे संगीन आरोपों और उनकी अनैतिक गतिविधियों को लेकर समाज के प्रबुद्ध और जागरूक वर्ग में भारी आक्रोश व्याप्त है। मीडिया में लगातार उजागर हो रही तस्वीरों, ऑडियो और अनैतिक संबंधों की चर्चाओं के बावजूद कथित मुनि का मौन रहना कई बड़े सवाल खड़े कर रहा है। 'महानगर मेट्रो न्यूज़' धर्म की मर्यादा और समाज के हितों की रक्षा के लिए इस पूरे मामले की सच्चाई सामने ला रहा है।

#### अनंत अनैतिक संबंध और मासूम साध्वियों के शोषण के गंभीर आरोप

प्राप्त जानकारी और सूत्रों के हवाले से सामने आई रिपोर्टों के अनुसार, सागरचंद्र सागर पर दान में मिले पैसों के दम पर अय्याशी करने, मासूम साध्वियों को प्रलोभन देकर और दबाव बनाकर अनैतिक संबंध बनाने के गंभीर आरोप लगे हैं। एक पीड़ित महिला ने नाम न छापने की शर्त पर खुलासा किया है कि सागरचंद्र सागर ने उसे एक महंगा स्मार्टफोन और एक पर्सनल नंबर दिया था, जिस पर रोजाना घंटों बातचीत होती थी। इसके अलावा, संस्थाओं में आगे बढ़ाने और वित्तीय मदद का लालच देकर कई जिंदगियों के साथ खिलवाड़ करने के आरोप भी सामने आए हैं।

#### रंगदारी, गुंडों का खौफ और मीडिया का इस्तेमाल?

यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि सागरचंद्र सागर ने अपने खिलाफ उठने वाली हर आवाज को दबाने के लिए गुंडों और भाड़े के लोगों का एक नेटवर्क बना रखा है। जो भी व्यक्ति उनके कृत्य या अनैतिक आचरण पर सवाल उठाता है, उसे धमकाया जाता है। इसी डर की वजह से कई लोग खुलकर सामने आने से कतरा रहे हैं। दूसरी ओर, उनके मीडिया समन्वयक अभय चोपड़ा की भूमिका पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि अभय चोपड़ा सोशल मीडिया पर पोस्टर बनाकर और भ्रामक जानकारी फैलाकर सागरचंद्र सागर के काले कारनामों पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों का दावा है कि इस बचाव कार्य के लिए भारी-भरकम राशि दी जा रही है।

#### 'महानगर मेट्रो न्यूज़' का जैन समाज से आह्वान और खुला चैलेंज

1. समाज से करें पूर्ण बहिष्कारः धर्म, साधना और जैन परंपराओं की शुद्धता बनाए रखने के लिए ऐसे अनैतिक आचरण वाले कल्पित साधुओं का पूरी तरह से सामाजिक बहिष्कार किया जाए।

2. पुलिस प्रशासन में करें कानूनी शिकायतः जिन भी साध्वियों, महिलाओं या श्रद्धालुओं के साथ गलत कृत्य हुए हैं, वे बिना किसी डर के सामने आएं और पुलिस में एफआईआर दर्ज करवाएं।

3. कार्यक्रमों का विरोधः उज्जैन सहित किसी भी स्थान पर होने वाले इनके प्रवचन, उपधान तप या धार्मिक आयोजनों का विरोध कर अपनी असहमति दर्ज कराएं।

4. 'महानगर मेट्रो न्यूज़' की सीधी चुनौतीः यदि वायरल तस्वीरें, आरोप और मीडिया रिपोर्ट झूठी हैं, तो सागरचंद्र सागर खुद मीडिया के सामने आकर दूध का दूध और पानी का पानी क्यों नहीं करते?

'महानगर मेट्रो न्यूज़' सागरचंद्र सागर को खुले तौर पर चुनौती देता है कि वे मीडिया के सामने आएं और जनता व समाज के सभी सवालों के साफ-साफ जवाब दें। यदि साधुता के नियमों और मर्यादाओं का पालन नहीं हो सकता, तो साधु वेश त्यागकर एक आम नागरिक की तरह जीवन जीना चाहिए, ताकि किसी अन्य निर्दोष की जिंदगी बर्बाद न हो।

#### उज्जैन के श्री शत्रुंजय आदिनाथ तीर्थधाम से बहिष्कार की मांग

**मध्य प्रदेश के उज्जैन (महिदपुर) स्थित श्री शत्रुंजय आदिनाथ तीर्थधाम जैसे पवित्र स्थल पर आयोजित होने वाले उपधान तप और प्रवचनों में ऐसे विवादित व्यक्ति की मौजूदगी को लेकर श्रद्धालुओं में बेहद नाराजगी है। जैन समाज के प्रबुद्ध नागरिकों की मांग है कि जैन धर्म की इस पवित्र भूमि पर किसी भी कुसाधु के कदम न पड़ने दिए जाएं और उनका समाज से पूर्ण बहिष्कार किया जाए**

## अहमदाबाद इंटरनेशनल बुक फेस्टिवल-2026 का ग्रैंड इनॉगरेशन!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद.** बुक लवर्स के लिए जिस पल का बेसब्री से इंतज़ार था, वह आखिरकार आ ही गया। अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और नेशनल बुक ट्रस्ट , भारत सरकार की मिली-जुली पहल 'अहमदाबाद इंटरनेशनल बुक फेस्टिवल-2026' का इनॉगरेशन साबरमती रिवरफ्रंट इवेंट सेंटर में बहुत ही शानदार और शानदार तरीके से हुआ। बुक फेस्टिवल का इनॉगरेशन गुजरात के माननीय चीफ मिनिस्टर श्री भूपेंद्र पटेल ने किया। इस ग्रैंड इनॉगरेशन सेरेमनी में राज्य के बड़े मिनिस्टर, मेयर, बड़े अधिकारी, मशहूर लेखक, देश-विदेश के लेखक और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद थे। ज्ञान, संस्कृति और साहित्य की एक अद्भुत तिकड़ी इस मौके पर किताबों के महत्व के बारे में बात करते हुए, मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि किताबें इंसानियत की सबसे अच्छी दोस्त हैं और वे व्यक्ति और समाज में सच्चे विचार पैदा करती हैं। यह बुक फेस्टिवल प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी के 'वांचे गुजरात' और 'ज्ञान आधारित समाज' के सपने को साकार करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि आज के डिजिटल युग में भी युवाओं का किताबों के प्रति प्रेम बनाए रखने के लिए ऐसे आयोजन बहुत ज़रूरी हैं बड़ा प्लेटफॉर्मः साबरमती रिवरफ्रंट पर हुए इस फेस्टिवल में देश भर के जाने-माने पब्लिशर्स और बुक स्टॉल्स ने हज़ारों किताबें दिखाने और बेचने के लिए रखी हैं। साहित्यिक सभाएं और संवादः



फेस्टिवल के दौरान देश के जाने-माने लेखकों, कवियों और विचारकों के साथ आमने-सामने चर्चा, किताबों का विमोचन और साहित्यिक सेमिनार खास तौर पर आयोजित किए गए हैं। बच्चों के लिए खास ज़ोन नई पीढ़ी और बच्चों में पढ़ने की आदत डालने के लिए एक खास 'चिल्ड्रन कॉर्नर' और रंगीन कहानियों की दुनिया बनाई गई है।

## डभोई पंथक में मौत का आंकड़ाः लापरवाह डंपर और ड्राइवरों की वजह से एक और नौजवान की जान चली गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**डभोई.** डभोई पंथक और आस-पास के इलाकों में सड़क हादसे अब रोज़ की बात हो गई है, जिसमें मासूम नागरिक अपनी कीमती जानें गंवा रहे हैं। हाल ही में एक गंभीर हादसे में गंभीर रूप से घायल 25 साल के नौजवान आदिल शेख की अस्पताल में इलाज के दौरान दुखद मौत हो गई। इस नौजवान की अचानक मौत से परिवार में दुख की लहर दौड़ गई है और पूरे इलाके में लोगों में गुस्सा देखा जा रहा है। लापरवाह डंपर और ड्राइवर बन रहे हैं 'यमदूत' मिली जानकारी के मुताबिक, डभोई और आस-पास की सड़कों पर भारी गाड़ियां, डंपर ड्राइवर और लापरवाह बाइक और कार ड्राइवर अपनी गाड़ियां तेज़ रफ़्तार से चला रहे हैं। ट्रैफिक नियमों को नज़रअंदाज़ करके सड़कों पर आतंक मचाकर ये ड्राइवर आम लोगों के लिए 'यमदूत' साबित हो रहे हैं। ट्रैफिक कंट्रोल न होने की वजह से हादसों का सिलसिला थम नहीं रहा है, जिसकी वजह से हंसते-खेलते युवा अकाल मौत के मुंह में जा रहे हैं। इस मामले में, ट्रैफिक पुलिस डिपार्टमेंट कीपरफॉर्मेंस के खिलाफ स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों में ज़बरदस्त गुस्सा है। लोग सीधे सवाल पूछ रहे हैं कि क्या डभोई पुलिस और ट्रैफिक डिपार्टमेंट सिर्फ़ कागज़ों पर नियम बनाते हैं सड़क पर लापरवाही से दौड़ रहे डंपर और ओवरस्पीडिंग गाड़ियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में लाचारी क्यों है? क्या पुलिस किसी बड़े हादसे या और जानें जाने का इंतज़ार कर रही है? ट्रैफिक पुलिस के कमज़ोर, इनएक्टिव और कागज़ों पर आधारित काम की वजह से आज डभोई की सड़कें खूनी होती जा रही हैं और बेगुनाह लोग अपनी जान गंवा रहे हैं।

#### बड़ा सवालः लापरवाह ड्राइवरों पर कब रोक लगेगी?

आदिल शेख नाम के 25 साल के युवक की मौत के बाद पूरे शहर में बस एक ही चर्चा हो रही है कि जब लोग शिकार हो रहे हैं, तो क्या ट्रैफिक पुलिस कभी जागेगी? लापरवाह और गैर-ज़िम्मेदार कार और डंपर ड्राइवरों की मनमानी पर कब रोक लगेगी? अब देखना यह है कि सोई हुई ट्रैफिक पुलिस अपनी कुंभकर्णी नींद से कब जागेगी और ऐसे लापरवाह ड्राइवरों पर सख्ती करके डभोई के लोगों को सुरक्षित माहौल देगी?

## शिनोर चौकड़ी से नांदोड़ी बगोल तक कचरे के पहाड़ हटाने के बजाय बोर्ड और बैनर लगाकर लोगों की आंखों में धूल झोंक रहा नगर निगम प्रशासन

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**डभोई.** ऐतिहासिक दरभावती शहर डभोई में विकास के बड़े-बड़े वादे किए जा रहे हैं, लेकिन हकीकत इतनी शर्मनाक है कि शहर गंदगी के ढेर के नीचे दबा हुआ है। 31 अक्टूबर को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (एकता नगर) जाने के लिए इसी सड़क से गुजरने वाले हैं। प्रधानमंत्री के इस VVIP आने से पहले डभोई के भ्रष्ट और आश्रित प्रशासन की पोल खुल गई है। प्रधानमंत्री का काफ़िला गुज़रे तो गंदगी न दिखे, इसके लिए पक्के तौर पर गंदगी हटाने के बजाय, करोड़ों रुपये खर्च करके शिनोर चौकड़ी से नांदोड़ी बगोल तक सड़क पर 'सफ़ाई के बड़े-बड़े बोर्ड और पेंटिंग' लगा दी गई हैं! कुछ समय पहले, जब राज्य के मुख्यमंत्री खुद इसी सड़क से गुज़रे थे, तो सड़क पर गंदगी और कचरे का साम्राज्य देखकर, उन्होंने सबके सामने अधिकारियों को अच्छे से देखा और उनसे तुरंत सख्त कार्रवाई करने को कहा था। लेकिन, डभोई के अधिकारियों की चमड़ी इतनी मोटी है कि मुख्यमंत्री की डांट का भी उन पर कोई असर नहीं होता। अब, जब देश के प्रधानमंत्री खुद इस रास्ते से निकलने वाले हैं, तो अधिकारी अपनी सालों की नाकामी और लापरवाही को छिपाने के लिए सिर झुकाकर बस दिखावा कर रहे हैं। गंदगी हटाने के बजाय, वे बस 'पर्दे' लगा रहे हैं! गंदगी हटाने के बजाय, क्या 'स्वच्छता ही सेवा' और 'स्वच्छता अभियान' के आकर्षक बोर्ड लगाने से पीछे का कूड़ा गायब हो जाएगा? क्या सिर्फ सामने बोर्ड लगाने से कूड़े की बदबू और मच्छरों का उपद्रव बंद हो जाएगा? जनता में सबसे बड़ा गुस्सा इस बात का है कि सरकारी खजाने से जनता के कमाए लाखों-करोड़ों रुपये सिर्फ 'मैनेजमेंट' और दिखावे के लिए पानी की तरह बर्बाद किए जा रहे हैं। जिसके बाद करोड़ों रुपये की लागत से लगाए गए इन बोर्ड से धूल झाड़ दी जाएगी और डभोई की दुर्दशा फिर से 'जैसी है वैसी' हो जाएगी.

## अहमदाबाद में 26 करोड़ की हेरोइन-MD के साथ इंटरस्टेट गैंग पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद.** सूरत और अहमदाबाद क्राइम ब्रांच की जॉइंट टीम ने गुजरात को बर्बाद करने की कोशिश कर रहे इंटरनेशनल और इंटरस्टेट ड्रग माफिया के नापाक ठिकानों पर अब तक की सबसे खतरनाक रेड की है। अहमदाबाद-वडोदरा एक्सप्रेसवे पर रामोल पुलिस स्टेशन के तहत CTM टोल प्लाजा से गुजर रही एक संदिग्ध झङ्क कार से करीब 25 से ?26 करोड़ की हेरोइन और MD ड्रग्स जब्त की गई हैं। इस खुलासे के बाद सिक्योरिटी एजेंसियों में हड़कंप मच गया है और सेंट्रल एजेंसियों ने भी अहमदाबाद में डेरा डाल दिया है। 4.53 द्यद् हेरोइन (अनुमानित कीमत लगभग 22.65 करोड़) कुल 7 द्यद् से ज़्यादा बहुत नुकसानदायक मात्रा ज़ब्त की गई है। ये ड्रग्स गुजरात के अलग-अलग शहरों, खासकर राजकोट में एक बदनाम आदमी 'असलम' को डिलीवर किए जाने थे। इस रैकेट में पकड़े गए मुख्य आरोपियों में से एक टिफेल नोखेज (उम्र 44, निवासी नई दिल्ली) है, जो कोई आम क्रिमिनल नहीं बल्कि इंटरनेशनल ड्रग्स सेटअप का एक सीरियस प्लेयर है। जांच में पता चला है कि यह टिफेल 2014 में अमृतसर में 100 ग्राम हेरोइन और 2019 में आधा... 300 किलोग्राम हेरोइन की स्मगलिंग या पायलटिंग जैसे बहुत गंभीर अपराधों में पकड़ा गया है! इन अपराधियों की लापरवाही साबित करती है कि देश भर में फैला यह नेटवर्क कितना खतरनाक है। शुरुआती पूछताछ में पता चला है कि इन ड्रग्स का सोर्स अफगानिस्तान के कंधार इलाके से जुड़ा है। यह सामान अफगानिस्तान से हैंडलर भेजते हैं और पंजाब बॉर्डर पर ड्रोन के ज़रिए बॉर्डर पार भारत में स्मगल करते हैं। इस सिंडिकेट के तार राजस्थान (भवई मंडी का शकील मोहम्मद), मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश तक फैले हुए हैं। आरोपी पुलिस की निगरानी से बचने के लिए 'ज़ंगी' जैसे एन्क्रिप्टेड ऐप का इस्तेमाल करके संपर्क में रहते थे और गाड़ियों में खास छिपे हुए डिब्बे बनाकर ज़हर की स्मगलिंग करते थे। सेंट्रल एजेंसियों की एंट्री और लोकल लेवल पर हलचल मामला सिर्फ़ गुजरात तक ही सीमित नहीं है।

## क्या कर्ज़ चुकाने के लिए लोगों की जेब खाली हो जाएगी Jio IPO का डार्क मैथ समझें!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद.** देश की सबसे बड़ी टेलीकॉम और डिजिटल कंपनी Jio Platforms का मेगा IPO इस समय चर्चा का विषय बना हुआ है। कंपनी की वैल्यू 10.3 लाख करोड़ आंकी गई है और यह पूरी तरह से एक फ्रेश इश्यू (27 करोड़ शेयर) है, जिसमें कोई ऑफर-फॉर-सेल नहीं है। लेकिन, इन चमकदार आंकड़ों के पीछे छिपा असली इकोनॉमिक मैथ लोगों के होश उड़ाने के लिए काफी है। इन्वेस्ट करने से पहले यह कड़वा सच जानना ज़रूरी है। पैसा कहां जाएगा डेवलपमेंट में या पुराने कर्ज़ चुकाने में? ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस डॉक्यूमेंट्स में साफ लिखा है कि इस IPO से जुटाई गई बड़ी रकम में से 27,500 करोड़ सीधे सब्सिडियरी रिलायंस जियो इंफोकॉम के कर्ज़ों के प्रीपेमेंट या रीपेमेंट में लगाए जाएंगे! सवाल सीधा और बताने वाला है: एक ऐसा IPO जिसमें 91' फंड सिर्फ पुराने कर्ज़ को चुकाने में इस्तेमाल किया जाना है, उसे 'ग्रोथ IPO या 'डेवलपमेंट का तोहफा' कैसे कहा जा सकता है? अगर यह आम जनता और इन्वेस्टर्स के कंधों पर सीधे कर्ज़ का बोझ डालने की चाल नहीं है, तो और क्या है? 31 मार्च, 2026 तक, जियो प्लेटफॉर्म्स का कुल कर्ज़ लगभग 70,781 करोड़ है। हालांकि, कंपनी ने FY26 में 1,46,885 करोड़ का बड़ा रेवेन्यू और 30,049 करोड़ का नेट प्रॉफ़िट दिखाया है (51.9' के मज़बूत EBITDA मार्जिन के साथ) और इसके पास 52.44 करोड़ का बड़ा कस्टमर बेस भी है। लेकिन सच तो यह है कि कंपनी प्रॉफ़िट में होने के बावजूद, कर्ज़ पहाड़ जितना ऊंचा है। 27,500 करोड़ चुकाने के बाद भी, कंपनी पर 43,000 करोड़ से ज़्यादा का कर्ज़ होगा! तो सवाल यह है कि क्या यह एक IPO काफ़ी होगा, या इस बचे हुए कर्ज़ को चुकाने के लिए उसे भविष्य में फिर से ऐसे ही फंड जुटाने होंगे?

## फर्जी परचेज़ ऑर्डर के आधार पर 47 लाख रुपये से ज़्यादा की ठगी करने वाले मां-बेटे जेल गए!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और इकोनॉमिक ऑफेंस प्रिवेंशन विंग ने अहमदाबाद शहर में ट्रेडर्स को ठगने वाले बदनाम गैंग और ठगों पर आंखें मूंद ली हैं। पुलिस ने एक मां-बेटे की जोड़ी को गिरफ्तार किया है जो नवरंगपुरा स्टेडियम रोड पर मशहूर आभूषण कॉम्प्लेक्स में ऑफिस चला रहे थे और फर्जी परचेज़ ऑर्डर के आधार पर ट्रेडर्स से लाखों रुपये की ठगी कर रहे थे।



फर्जी फार्मा कंपनियों के नाम पर फर्जी परचेज़ ऑर्डर बनाकर सोला रोड इलाके के एक व्यापारी से 47,37,364/- रुपये (सैंतालीस लाख सैंतीस हज़ार तीन सौ चौसठ रुपये) की ठगी की गई। EOW टीम ने रोनक प्रमोदभाई भावसार और उसकी मां जागृतिबेन प्रमोदभाई भावसार को गिरफ्तार करके उन्हें कानून का राज बताया। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पुलिस की कार्रवाई का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। पुलिस बुक में दर्ज डिटेल्स के मुताबिक, सोला रोड पर भुयंगदेव चौराहे के पास 'उत्सव एलिगेंस' में रहने वाले दहिरेनकुमार चिनूभाई गांधी (उम्र 51) की पत्नी 'शार्प डिज़ाइन' नाम से डिज़ाइनिंग और प्रिंटिंग का बिज़नेस संभालती हैं। आरोपी रौनक भावसार, जो अगस्त-2024 से अक्टूबर-2024 तक चांदलोडिया (सुकुन रेजीडेंसी) में रहता था, इस कपल के कॉन्टैक्ट में आया।

## केरल राजभवन में नया विवादः गवर्नर ने पद संभालते ही नॉन-वेज पर बैन लगाया

महानगर मेट्रो ब्यूर

**तिरुवनंतपुरम/अहमदाबाद।** दक्षिणी राज्य केरल से एक पॉलिटिकल और सोशल विवाद सामने आया है, जिसने पूरे देश का ध्यान खींचा है। केरल के गवर्नर का पद संभालते ही एक ऐसा आदेश दिया गया है, जिससे राज्य में काफी गरमागरमी मची हुई है। गवर्नर ने राजभवन के अंदर नॉन-वेजिटेरियन खाने पर बैन लगाने का आदेश जारी किया है, जिससे अब कांग्रेस समेत विपक्ष भी सामने आ गया है और सरकार और गवर्नर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। केरल के तटीय इलाकों और लोकल कल्चर में नॉन-वेजिटेरियन खाना खाने वाले लोगों की संख्या बहुत ज़्यादा है। ऐसे में राजभवन द्वारा नॉन-वेजिटेरियन खाने पर बैन लगाने से पॉलिटिकल पार्टियां नाराज़ हैं। कांग्रेस पार्टी और विपक्षी नेताओं ने हमला किया है और सवाल किया है: 'अब क्या केरल के लोग तय करेंगे कि वे क्या खाएंगे और क्या नहीं, यह राजभवन करेगा या कोई नेता? यह व्यक्तिगत आज़ादी और खाने के अधिकार पर सीधा हमला है! विपक्ष का कहना है कि किसी भी राज्य की कल्चरल और खाने की विरासत को नज़रअंदाज़ करके ऐसे मनमाने फ़ैसले थोपना डेमोक्रेसी की भावना के ख़िलाफ़ है। सोशल स्टैटिस्टिक्स और रिपोर्ट्स के मुताबिक, केरल राज्य में लगभग 99' लोग नॉन-वेजिटेरियन खाना खाते हैं। वहां के खाने के कल्चर और ट्रेडिशन में मछली और मीट मुख्य डाइट का हिस्सा हैं। ऐसे में, सरकारी बिल्डिंग्स में नॉन-वेजिटेरियन खाने पर बैन लगाने के फ़ैसले से लोकल नागरिकों और युवाओं में भी काफ़ी गुस्सा है। सोशल मीडिया पर लोग सवाल पूछ रहे हैं कि पद संभालते ही जनता की पसंद पर रोक लगाने का यह कैसा समझ से बाहर का आदेश है? यह घटना सिर्फ केरल तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि अब इसने नेशनल पॉलिटिक्स में भी बहस छेड़ दी है। पूरी संभावना है कि कल्चरल फ्रीडम के खिलाफ कथित दखल के इस मुद्दे को लेकर आने वाले दिनों में पॉलिटिकल घमासान और तेज होगा। अब देखना यह है कि बढ़ते विरोध और विवाद के बीच राजभवन इस मामले पर सफाई देता है या अपना फैसला बदलता है!

## 45 हज़ार दो और 2.5 लाख ले जाओ! सूरत में 'पेपर-वीर' ठग ने कैसे एक मासूम नागरिक को ठगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सूरत।** दुनिया में ऐसे भी 'महान' लोग हैं जो बिना मेहनत किए रातों-रात अंबानी या अडानी बनना चाहते हैं! और जब ऐसा शॉर्टकट अपनाने का लालच आता है, तो ठगों के गैंग ऐसे लोगों को ढूंढकर अपना शिकार बनाते हैं। सूरत के उधना इलाके में हुई यह घटना साबित करती है कि लालच का फल कितना बुरा हो सकता है! सूरत के उधना साउथ ज़ोन के पास यूनियन बैंक से एक भाई अपनी मेहनत की कमाई 45,000 रुपये कैश लेकर निकला। उसने ये पैसे अपनी एक्टिवा की डिक्की में रखे और गाड़ी स्टार्ट करने ही वाला था, तभी एक असली 'दयालु' और 'दयालु' ठग उसके पास आया! 'भाई, मेरी जेब में 2.5 लाख रुपये हैं, लेकिन बैंक वाला ले नहीं रहा... तुम मुझे 45 हज़ार रुपये दो या 2.5 लाख रुपये रखो, मैं तुम्हें दस हज़ार रुपये और दूँगा! ' तो, आगे क्या हुआ? हमारे भाई की आँखों में 2.5 लाख और 10 हज़ार रुपये का मुनाफ़ा देखकर, डबलू पलट गया! उसने अपनी मेहनत के 45,000 रुपये ठग को दे दिए। बदले में, ठग ने उसे एक प्लास्टिक की गड्डी दी जो बड़े करीने से रूमाल में बंधी थी और उसे चक्कर आने पर मजबूर कर दिया। जब भाई ने जोश में आकर गड्डी खोलकर देखा... तो अंदर से नोट निकलने की जगह सिर्फ़ 'रद्दी कागज़ों की तहें' निकलीं! भाई के वहीं होश उड़ गए और उसे चक्कर आने लगा! घटना की गंभीरता को देखते हुए, उधना पुलिस स्टेशन की सर्विलांस टीम तुरंत एक्शन में आ गई। आस-पास के CCTV फुटेज और ह्यूमन सोर्स (खास मुखबिर) के आधार पर पुलिस ने हर तरफ नज़र रखी। आखिरकार, इस पूरे फ्रॉड को अंजाम देने वाले मुख्य 'पेपर बंडल मास्टर' अजीतसिंह उर्फ ठाकुर उर्फ बब्बू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।






# अहमदाबाद के पॉश इलाकों में धड़ल्ले से चल रहे गैर-कानूनी PG और हॉस्टल के खिलाफ गाजी कोर्ट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** अहमदाबाद शहर में रेसिडेंशियल सोसाइटियों और शांत इलाकों की कीमत पर धड़ल्ले से चल रहे गैर-कानूनी कमर्शियल यूनिट और PG (पेइंग गेस्ट) के बड़े पैमाने पर होने पर अब न्याय के मंदिर ने भी नज़रें फेर ली हैं। अहमदाबाद के ओगंज इलाके में मौजूद मशहूर 'गार्डन सिटी बंगलो' में बिना रहने की इजाज़त के धड़ल्ले से चल रहे 20 से ज़्यादा गैर-कानूनी PG, हॉस्टल और गैर-कानूनी मल्टी-स्टोरी स्ट्रक्चर के खिलाफ स्थानीय निवासियों ने गुजरात हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया। इस मामले में AMC और अधिकारियों की लापरवाही पर हाई कोर्ट ने नाराज़गी जताई है।



### पूरी मक्खनबाज़ी और विवाद क्या है?

मिली जानकारी के मुताबिक, ओगंज में मौजूद 'गार्डन सिटी बंगलो' जैसे शांत रिहायशी इलाके में बिना किसी कानूनी इजाज़त के बड़ी संख्या में गैर-कानूनी PG और हॉस्टल फल-फूल रहे हैं। फायर सेफ्टी का उल्लंघन ये मल्टी-स्टोरी स्ट्रक्चर और PG न तो किसी फायर सेफ्टी नियम का पालन करते हैं और न ही इनके पास प्रशासन की तरफ से जारी B (बिल्डिंग यूज़) की इजाज़त है। रहने वालों की ज़िंदगी नर्क जैसीः इन यूनिट्स के बेतरतीब ढंग से चलने की वजह से सोसायटी में हमेशा गाड़ियों की आवाजाही, अशांति और डर का माहौल बना रहता है। स्थानीय लोगों की आम ज़िंदगी हराम हो गई है। स्थानीय लोगों की तरफ से दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए गुजरात हाई कोर्ट ने अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन राज्य सरकार और दूसरे संबंधित पक्षों को फटकार लगाई है। कोर्ट ने साफ शब्दों में सवाल उठाए हैं कि रेजिडेंशियल ज़ोन में इतने बड़े पैमाने पर गैर-कानूनी धंधे और हॉस्टल कैसे फल-फूल रहे हैं? हाईकोर्ट ने इस गंभीर मामले पर ध्यान दिया है और राज्य सरकार, AMC और संबंधित जिम्मेदार पार्टियों को नोटिस जारी कर सख्त जवाब मांगा है। कोर्ट के इस सख्त रुख से AMC के भ्रष्ट और अंधे अधिकारियों में खलबली मच गई है। जनता के सवाल क्या सिस्टम किसी बड़ी आपदा का इंतजार कर रहा है? अहमदाबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन सूरत आग जैसी आपदाओं से भी कोई सबक सीखने को तैयार नहीं है। पूरे शहर में रेजिडेंशियल सोसाइटियों में बने गैर-कानूनी PG और हॉस्टल आम नागरिकों के लिए 'टाइम बम' जैसे साबित हो रहे हैं। अब देखना यह है कि हाई कोर्ट के सख्त नोटिस के बाद AMC सिस्टम कब अपनी नींद से जागेगा और इन गैर-कानूनी ढांचों पर बुलडोजर चलाकर कानूनी कार्रवाई करेगा?

# चैतर वसावा मामले में आम आदमी पार्टी ने सरकार पर निशाना साधाः गोपाल इटालिया ने सरकार पर पलटवार किया!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद/गांधीनगर।** गुजरात की राजनीति में डेडियापाड़ा से लोकप्रिय और आक्रामक आम आदमी पार्टी MLA चैतर वसावा से जुड़े मुद्दों पर राजनीतिक गर्मी चरम पर पहुँच गई है। विपक्षी पार्टी आम आदमी पार्टी आक्रामक मूड में दिख रही है और पार्टी के नेता सरकार के खिलाफ़ उतर आए हैं। इस बीच, AAP अध्यक्ष/नेता गोपाल इटालिया के बयानों ने राजनीति में बड़ी बहस छेड़ दी है। गोपाल इटालिया ने क्या कहा? सरकार पर कड़ा हमला चैतर वसावा मामले पर सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए गोपाल इटालिया ने कहा कि राज्य में जिस तरह से लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचला जा रहा है और जनप्रतिनिधियों को निशाना बनाया जा रहा है, वह बेहद चिंताजनक है। गोपाल इटालिया ने साफ आरोप लगाया किः चैतर वसावा ने हमेशा वंचितों, शोषितों और आदिवासियों के हक की लड़ाई लड़ी है, लेकिन सरकार उनकी लोकप्रियता से डरकर उन्हें झूठे मामलों में फंसा रही है और दबाने की कोशिश कर रही है। न्यायपालिका और कानून के गलत इस्तेमाल का आरोपः विपक्षी नेताओं और लोगों की आवाज दबाने के लिए सरकारी प्रशासनिक मशीनरी और एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है, जिसे गुजरात की जनता कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। इटालिया ने चेतावनी दी कि सरकार कितनी भी कोशिश कर ले, जनता और युवा अब सब कुछ समझ चुके हैं। समय आने पर बैलेट बॉक्स के जरिए सही जवाब दिया जाएगा। पॉलिटिकल फ्रंट पर बढ़ता तनाव चैतर वसावा के मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी ने राज्य भर में विरोध प्रदर्शन और आदिवासी न्याय यात्रा जैसे प्रोग्राम के ज़रिए माहौल गरमा दिया है। एक तरफ जहां रूलिंग पार्टी BJP इस मामले में लीगल एक्शन की बात कर रही है, वहीं दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी ने इसे पॉलिटिकल बदले की भावना बताते हुए जनता के बीच जाने का फैसला किया है।

# मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल में लंबे इलाज के बाद सीनियर नेता परसोत्तम सोलंकी भावनगर लौटे

## एक महीने तक हॉस्पिटल में इलाज के बाद भावनगर में शानदार आगमन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भावनगर/अहमदाबाद।** गुजरात की पॉलिटिकल दुनिया के पॉपुलर और सीनियर BJP नेता और मंत्री परसोत्तम सोलंकी लंबी बीमारी और मुंबई के एक मशहूर हॉस्पिटल में इलाज के बाद आखिरकार अपने होमटाउन भावनगर लौट आए हैं। मुंबई के लीलावती हॉस्पिटल में करीब एक महीने तक इंटेंसिव इलाज और हेल्थ बेनिफिट्स लेने के बाद वे 23 अक्टूबर की रात को भावनगर पहुंचे। भावनगर पहुंचते ही उन्होंने अपने घर पर बड़ी संख्या में मौजूद सपोर्टर्स, वर्कर्स और शुभचिंतकों से मुलाकात की। 'सिंह को सिंह ही रहने दो... ': परसोत्तम सोलंकी का जोश और एटीट्यूड वैसा ही है लंबे इलाज और सेहत से जुड़ी मुश्किलों के बावजूद, परसोत्तम सोलंकी का जोश बिल्कुल कम नहीं हुआ है,



जैसा कि उनकी बातों से साबित होता है। वहां मौजूद सपोर्टर्स को संबोधित करते हुए और अपनी सेहत को लेकर लग रही अटकलों पर विराम लगाते हुए, उन्होंने साफ कहा 'किसी को भी मेरी सेहत की चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। सिंह को सिंह ही रहने दो... मैं आज भी वही हूं, और जो परसोत्तम सोलंकी 30 साल पहले था, आज भी वही परसोत्तम सोलंकी हूं! उनकी यह जोशीली बात सुनकर वहां मौजूद सपोर्टर्स में जोश और खुशी की लहर दौड़ गई। पॉपुलर लीडर के मुंह से ये बातें सुनकर वर्कर्स ने खुशी से उनका स्वागत किया। जैसे ही परसोत्तम सोलंकी के ठीक होकर भावनगर लौटने की खबर जंगल में आग की तरह फैली, उनकी सेहत में सुधार की खबरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। कोली समुदाय समेत पूरे गुजरात की राजनीति में अहम स्थान रखने वाले इस नेता की वापसी से उनके प्रशंसकों में राहत और खुशी का माहौल है।

# कागड़ापीठ पुलिस की बड़ी कामयाबीः फैक्ट्री के बाहर से लेडीज़ की कुर्तियां चुराने वाला आरोपी कुछ ही घंटों में चोरी के माल के साथ पकड़ा गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** अहमदाबाद शहर के कागड़ापीठ थाना इलाके में हुई चोरी की घटना में पुलिस ने तुरंत और सराहनीय कार्रवाई करते हुए कुछ ही घंटों में आरोपी को पूरे चोरी के माल के साथ पकड़ने में बड़ी कामयाबी हासिल की। पुलिस की इस तुरंत कार्रवाई से अपराधियों में दहशत फैल गई है। मिली जानकारी के अनुसार, कागड़ापीठ इलाके में एक स्टीम प्रेस फैक्ट्री के बाहर काफी मात्रा में लेडीज़ के कपड़े की कुर्तियां रखी हुई थीं। सुबह-सुबह मौके का फायदा उठाकर आरोपी ने इन कुर्तियों को चुराकर वारदात को अंजाम दिया। फैक्ट्री मालिक ने जब इस चोरी के बारे में कागड़ापीठ पुलिस स्टेशन में शिकायत की, तो पुलिस ने BNS (इंडियन पीनल कोड) की धारा-303 के तहत मामला दर्ज किया और आगे की कानूनी जांच की। आरोपी को सर्विलांस स्क्वॉड की सूचना के आधार पर पकड़ा गया जुर्म की गंभीरता को देखते हुए, बड़े पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर और कागड़ापीठ पुलिस स्टेशन के पुलिस इंस्पेक्टर श्री एस. ए. गोहिल और सेकंड पुलिस इंस्पेक्टर श्री एस. एस. सोलंकी के सीधे मार्गदर्शन में, सर्विलांस स्क्वॉड के PSI, जे. आर. बलात और उनकी टीम इलाके में कड़ी गश्त पर थी। इसी बीच, कागड़ापीठ पुलिस के मिलनसार और चौकस पुलिस कांस्टेबल चिरागभाई अमृतभाई और गोपालभाई देवाभाई को खास और मिली-जुली सूचना मिली। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत छापा मारा और चोरी के आरोपी को पकड़ लिया। आरोपी गिरफ्तार, सामान जब्त पुलिस ने आरोपी से सख्ती से



पूछताछ की है और उससे चोरी की गई सभी लेडीज़ कुर्तियों का कपड़ा (पूरा सामान) जब्त कर लिया है। जुर्म सुलझाने के बाद, कागड़ापीठ पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई की है।कागड़ापीठ पुलिस की इस तेज़ और तुरंत कार्रवाई के बाद, स्थानीय व्यापारियों और उद्योगपतियों में पुलिस पर भरोसा और मज़बूत हुआ है।

# सूरत में पुलिस की बर्बरताः कानून के रखवाले ही भक्षक बन गए हैं!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सूरत।** गुजरात में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिम्मेदार खाकी वर्दी पहने कुछ बेकाबू पुलिसवाले अब खुलेआम गुंडागर्दी पर उतर आए हैं। सूरत जिले के कामरेज पुलिस स्टेशन इलाके से एक बेहद शर्मनाक, चौंकाने वाली और शर्मनाक घटना सामने आई है। जिस पुलिस स्टेशन में आम लोग इंसाफ मांगने जाते हैं, उसी थाने में अब एक वकील और उसके भाई को ऊपर के कमरे में खाकी वर्दी वालों ने बेरहमी से पीटा है! इस अमानवीय अत्याचार से पूरे कानूनी समुदाय और सूरत में भारी हलचल मच गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, एक वकील कामरेज इलाके में एक झगड़े और केस में शामिल पार्टियों को न्याय दिलाने के लिए एक्टिव हो गया था। लेकिन भ्रष्ट सिस्टम और पुलिस की मिलीभगत देखिए, कानून सिखाने वाले वकील पर केस वापस लेने और समझौता करने का बहुत ज़्यादा दबाव डाला गया। जब वकील ने इन गैर-कानूनी और ज़बरदस्ती वाली शर्तों को मानने से इनकार कर दिया, तो कामरेज पुलिस स्टेशन के ज़िम्मेदार अधिकारियों का ईगो हर्ट हो गया। आरोप है कि वकील और उसके भाई को PSI चावड़ा, ASI शक्तिसिंह और एक कांस्टेबल ने टारगेट किया। उसे पुलिस स्टेशन के जनरल रूम से घसीटकर ऊपर के कमरे में ले जाया गया और वहाँ दरवाज़े बंद करके पुलिस बेल्ट से बेरहमी से पीटा गया! पुलिस की इस बेरहमी से की गई पिटाई में वकील के हाथ में गंभीर चोटें आईं। खून से लथपथ और डरी हुई हालत में वकील को इलाज के लिए हॉस्पिटल ले जाना पड़ा। अगर एक वकील, जो




जस्टिस सिस्टम का एक अहम पिलर है, उसे पुलिस स्टेशन के अंदर इस तरह की क्रिमिनल और जानलेवा पिटाई का सामना करना पड़ता है, तो आम और बेकसूर लोगों का क्या होगा, यह सोचना भी डरावना है! जैसे ही यह घटना सामने आई, सूरत के वकीलों में भारी गुस्सा फैल गया है और यह पूरे गुजरात में चर्चा का विषय बन गया है।

## राज्य के पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स के लिए फाइनेंस डिपार्टमेंट का बड़ा फैसला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर।** गुजरात सरकार के फाइनेंस डिपार्टमेंट ने राज्य के रिटायर्ड कर्मचारियों, एडल्ट पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स के हित में एक बहुत ही अहम और स्वागत योग्य फैसला लिया है। फाइनेंस डिपार्टमेंट ने पेंशनर्स को मिलने वाले फायदों, पेंशन पेमेंट प्रोसेस और राज्य सरकार द्वारा एडमिनिस्ट्रेटिव आसानी के बारे में साफ गाइडलाइंस और एक प्रपोजल/सर्कुलर जारी किया है। सरकार के इस फैसले से हजारों पेंशनर्स और उनके करीबी डिपेंडेंट फैमिली पेंशनर्स को एडमिनिस्ट्रेटिव देरी से बचाया जा सकेगा और पूरे राज्य में उनके अधिकारों और हितों की रक्षा होगी।

### फाइनेंस डिपार्टमेंट के फैसले के मुख्य पॉइंट्स क्या हैं?

फाइनेंस डिपार्टमेंट द्वारा लिए गए इस अहम फैसले के तहत, इन महत्वपूर्ण पॉइंट्स पर जोर दिया गया हैः पेमेंट में आसानीः ट्रेजरी और पेंशन पेमेंट ऑफिस को प्रोसेस में तेजी लाने का आदेश दिया गया है, ताकि पेंशनर्स और फैमिली पेंशनर्स को समय पर उनकी पेंशन मिल सके। लाइफ सर्टिफिकेट और नियमों को आसान बनानाः इस प्रोसेस को आसान बनाया गया है ताकि एडल्ट पेंशनर्स और विधवा/डिपेंडेंट फैमिली पेंशनर्स को ज़रूरी पेपरवर्क और डिजिटल प्रोसेस से परेशान न होना पड़े। फाइनेंशियल बेनिफिट्स का समय पर सेटलमेंटः पेंशन से जुड़े ड्यूज़, ग्रेच्युटी या एरियर के पेमेंट में देरी को खत्म करने के लिए एडमिनिस्ट्रेशन को सख्त निर्देश दिए गए हैं। रिटायर्ड कर्मचारियों और सोसाइटियों में खुशी की लहर राज्य सरकार के फाइनेंस डिपार्टमेंट के इस अहम कदम से राज्य भर की पेंशनर सोसाइटियां और रिटायर्ड कर्मचारी खुश हैं। यह फैसला रिटायर्ड लाइफ जी रहे सीनियर सिटिजन्स के लिए फाइनेंशियली और मेंटली बड़ी राहत साबित होगा। सरकार का यह सराहनीय फैसला साबित करता है कि राज्य सरकार अपने पुराने कर्मचारियों और उनके परिवारों की भलाई के लिए लगातार सेंसिटिव और कमिटेड है।

## एक आदमी को गैर-कानूनी हथियारों और 16 ज़िंदा कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**राजकोट।** राजकोट सिटी प्रिवेंशन ऑफ़ क्राइम ब्रांच पुलिस ने राजकोट शहर में गैर-कानूनी हथियारों की तस्करी और रखने के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करके कामयाबी हासिल की है। PCB पुलिस की एक टीम ने जामनगर रोड पर माधापार GIDC इलाके में रेड करके एक आदमी को गैर-कानूनी हथियारों के साथ गिरफ्तार किया।



### अस्तबल में हथियार छिपाए गए थेः PCB पुलिस की कार्रवाई

मिली जानकारी के मुताबिक, राजकोट PCB पुलिस को मिली खास और गोपनीय जानकारी के आधार पर माधापार GIDC इलाके के एक अस्तबल में रेड की गई। इस रेड के दौरान पुलिस ने एक लोकल आदमी विजयभाई बोरिचा को 1 देसी पिस्तौल (तमंचो) और 16 ज़िंदा कारतूस (लाइव कार्ट्रिज) के साथ रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने आरोपी के पास से एक गैर-कानूनी पिस्तौल और 16 ज़िंदा कारतूस के साथ कुल 51,600 रुपये कैश ज़ब्त किए हैं। आरोपी का क्रिमिनल इतिहास पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपी विजय बोरिचा पहले भी क्रिमिनल एक्टिविटी में शामिल रहा है और उसके खिलाफ पहले भी क्राइम रजिस्टर्ड हैं। PCB पुलिस इन सभी दिशाओं में कानूनी जांच कर रही है ताकि पता लगाया जा सके कि उसे यह हथियार कहां से मिला, इतनी बड़ी संख्या में ज़िंदा कारतूस खरीदने के पीछे उसका मकसद क्या था और क्या वह किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की योजना बना रहा था। राजकोट शहर PCB पुलिस की इस सख्त कार्रवाई से गैर-कानूनी हथियार रखने वाले और क्रिमिनल सोच रखने वाले लोगों में भारी हलचल मच गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेजने की तैयारी शुरू कर दी है।

## ज्वैलर्स, आंगड़िया और डायमंड ट्रेडर्स के लिए 10 नियमों की सख्त गाइडलाइंस जारी



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सूरत।** डायमंड और टेक्सटाइल हब सूरत शहर में दिवाली का त्योहार आते ही स्मगलर और क्रिमिनल एक्टिव हो जाते हैं। ट्रेडर्स, आंगड़िया फर्म और ज्वैलर्स सुरक्षित रहें और कोई अनहोनी न हो, यह पक्का करने के लिए सूरत पुलिस ने एक बड़ा सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया है। सूरत पुलिस ने ज्वैलर्स, आंगड़िया फर्म, बैंक और डायमंड इंडस्ट्री के ट्रेडर्स के लिए 10 ज़रूरी सिक्योरिटी उपायों पर गाइडलाइंस जारी की हैं और उनसे उन्हें सख्ती से लागू करने की अपील की है। पुलिस गाइडलाइंस की खास बातें CCTV कैमरे 24 घंटे चालू रहेंगे सभी दुकानों, फर्मों और फैक्ट्रियों को 24 घंटे CCTV कैमरे चालू रखने और ऐसे कैमरे लगाने का आदेश दिया गया है जो बिना किसी 'ब्लाइंड स्पॉट' के पूरी जगह को कवर करें। इसके साथ ही, सुरक्षा कारणों से कैमरों का 'क्लाउड बैकअप' रखना भी ज़रूरी कर दिया गया है। स्टाफ और ग्राहकों का वेरिफिकेशनः फर्म में काम करने वाले कर्मचारियों, आने वाले ग्राहकों और आंगड़िया स्टाफ के ID प्रूफ और गाड़ी के वेरिफिकेशन के बाद ही एंट्री देने के निर्देश दिए गए हैं। कैश और ज्वेलरी संभालने में सावधानी व्यापारियों से कहा गया है कि वे अकेले बड़ी रकम या कीमती ज्वेलरी न भेजें और रास्ते की जानकारी या रास्ता पूरी तरह सीक्रेट रखें। पुरानी ज्वेलरी के लिए KYC ज़रूरीः सोने-चांदी के व्यापारियों के लिए सबसे बड़ा नियम बनाते हुए पुलिस ने कहा है कि किसी भी ग्राहक से पुरानी ज्वेलरी खरीदते समय चड्ढ्ढष्ट करना, आधार कार्ड या सबूत देखना और वेरिफिकेशन के बाद ही फाइनल बिल बनाना ज़रूरी है। 5. इमरजेंसी हेल्पलाइन 112ः अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति या हरकत दिखे, तो व्यापारियों से कहा गया है कि वे बिना कोई रिस्क लिए तुरंत पुलिस इमरजेंसी हेल्पलाइन 112 (112) पर संपर्क करें। सूरत पुलिस के इन सख्त आदेशों से अपराधियों और लुटेरों में दहशत फैल गई है, वहीं सूरत के व्यापारी समुदाय द्वारा इस कदम का स्वागत किया जा रहा है।

## जोधपुर में मौसम का बदला मिजाज, सुबह-शाम ठंडक और दोपहर में गर्मी का असर बरकरार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जोधपुर।** शहर में मौसम का मिजाज धीरे-धीरे बदलने लगा है। पिछले कुछ दिनों से न्यूनतम तापमान में गिरावट के कारण सुबह और शाम के समय हल्की ठंडक महसूस होने लगी है। हालांकि, दिन के समय तेज धूप और गर्मी का असर अभी भी बना हुआ है। ऐसे में शहर में सुबह-शाम और दोपहर के मौसम में अंतर साफ नजर आने लगा है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की



गई, जबकि न्यूनतम तापमान में पिछले दिन के मुकाबले बढ़ोतरी हुई। मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में तापमान में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। 29 अक्टूबर तक मौसम साफ रहने का अनुमान है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक रहा। वहीं, न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 4.3 डिग्री अधिक है। दिन के तापमान में गिरावट के बावजूद पारा सामान्य से ऊपर बना हुआ है। इसके चलते दोपहर के समय गर्मी से पूरी तरह राहत नहीं मिल रही है। दूसरी ओर, सुबह और शाम के समय तापमान में होने वाले बदलाव के कारण मौसम में हल्की ठंडक का अहसास बढ़ने लगा है। शहर में बीते कुछ दिनों के तापमान पर नजर डालें तो अधिकतम और न्यूनतम तापमान में लगातार बदलाव देखने को मिला है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 37.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि न्यूनतम तापमान 20.3 डिग्री रहा। शुक्रवार को अधिकतम तापमान में 0.9 डिग्री की गिरावट आई, लेकिन न्यूनतम तापमान बढ़कर 22.4 डिग्री पर पहुंच गया। इस तरह एक दिन में न्यूनतम तापमान में 2.1 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इससे पहले बुधवार को अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21.8 डिग्री सेल्सियस रहा था।

## जेएनवीयू में पेंशन के लिए 24वें दिन भी धरना, दीपावली से पहले दो माह की पेंशन जारी करने की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जोधपुर।** जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू) में बकाया पेंशन के भुगतान की मांग को लेकर पेंशनर्स का धरना-प्रदर्शन शनिवार को 24वें दिन भी जारी रहा। दीपावली से पहले पेंशन जारी करने की मांग को लेकर प्रदर्शनकारी विश्वविद्यालय पहुंचे, लेकिन मुख्य द्वार पर पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पुलिस ने पेंशनर्स को गेट पर ही प्रदर्शन करने के लिए



कहा, लेकिन वे अंदर जाकर अपनी मांग रखने पर अड़े रहे। बाद में पुलिस ने उन्हें विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश करने दिया। इसके बाद पेंशनर्स कुलगुरु कार्यालय के बाहर पहुंचे और नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उनकी मांग थी कि दीपावली से पहले कम से कम दो माह की पेंशन जारी की जाए, ताकि उन्हें त्योहार के दौरान आर्थिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। प्रदर्शन के दौरान कुलगुरु पवन कुमार शर्मा और वित्तीय सलाहकार भी पेंशनर्स के बीच पहुंचे। दोनों पक्षों के बीच बकाया पेंशन के भुगतान को लेकर बातचीत हुई। पेंशनर्स ने स्पष्ट किया कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन दीपावली से पहले दो माह की पेंशन जारी कर देता है, तो वे अपना धरना-प्रदर्शन स्थगित कर देंगे। उनका कहना है कि लंबे समय से पेंशन नहीं मिलने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पेंशनर्स ने विश्वविद्यालय प्रशासन के सामने टीचर वेलफेयर फंड से राशि निकालकर पेंशन का भुगतान करने का विकल्प भी रखा।इस मांग पर कुलगुरु पवन कुमार शर्मा ने फंड की स्थिति की जांच करवाने का आश्वासन दिया। हालांकि, बातचीत के बाद भी पेंशनर्स ने आंदोलन समाप्त नहीं किया। उन्होंने कहा कि जब तक पेंशन की राशि उनके खातों में नहीं आ जाती, तब तक धरना जारी रहेगा। पेंशनर्स के अनुसार, विश्वविद्यालय में पिछले छह माह की पेंशन बकाया है, जिसकी कुल राशि 50 करोड़ रुपए से अधिक बताई जा रही है। इसी बकाया भुगतान को लेकर पेंशनर्स लगातार आंदोलन कर रहे हैं और विश्वविद्यालय प्रशासन से जल्द समाधान निकालने की मांग कर रहे हैं। कुलगुरु पवन कुमार शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय में पेंशन भुगतान की समस्या समय-समय पर सामने आती रही है।

## जालोर में 1.96 करोड़ के घाट निर्माण पर उठे सवाल, घटिया सामग्री लगाने के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूर

**जालोर।** शहर के सुन्देलाव तालाब की पाल पर अमृत योजना 2.0 के तहत करीब 1.96 करोड़ रुपए की लागत से कराए जा रहे घाट निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। वार्ड-38 की पार्षद बसंती देवी ने निर्माण में घटिया सामग्री के इस्तेमाल और निर्धारित मापदंडों की अनदेखी करने के आरोप लगाए हैं। पार्षद ने मामले की गंभीरता से जांच कराने, जांच पूरी होने तक निर्माण कार्य रुकवाने और संबंधित ठेकेदार का भुगतान रोकने की मांग की है। वहीं, सभापति बंशीलाल माली ने भी शिकायत मिलने की पुष्टि करते हुए मामले की जांच कराने की बात कही है। निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर पार्षद बसंती देवी के पति ओमप्रकाश और मौके पर पहुंचे लोगों ने स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान ईंटों को हटाकर देखने पर उनके नीचे बजरी और सूखा सीमेंट दिखाई देने का दावा किया गया। आरोप है कि सीमेंट की मात्रा कम होने के कारण ईंटों से बनाई गई सीढ़ियां कमजोर हो रही हैं और हाथ लगाने पर बिखरने लगती हैं। इससे निर्माण कार्य में इस्तेमाल की जा रही सामग्री की गुणवत्ता पर सवाल खड़े किए गए हैं। मौके पर एक अन्य स्थान पर प्लास्टर की स्थिति को लेकर भी आपत्ति जताई गई। आरोप लगाया गया कि प्लास्टर हाथ से उखड़ रहा था और उसके नीचे बजरी दिखाई दे रही थी। इन परिस्थितियों के आधार पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता की तकनीकी जांच कराने की मांग की गई है। हालांकि, सामग्री की वास्तविक गुणवत्ता और निर्माण में निर्धारित मानकों का पालन हुआ है या नहीं, इसका खुलासा तकनीकी जांच के बाद ही हो सकेगा। सुन्देलाव तालाब की पाल पर स्थित जागनाथ महादेव मंदिर के अध्यक्ष कमलेश गहलो ने भी निर्माण कार्य में अनियमितताओं के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि घाट की पीचिंग में कुछ स्थानों पर लोहे के सरिए लगाए गए हैं, जबकि कई जगह सरिए नहीं डाले गए। उन्होंने निर्माण में बजरी का अधिक और सीमेंट का कम इस्तेमाल किए जाने का आरोप भी लगाया। कमलेश सोलंकी के अनुसार, इस मामले में सभापति और आयुक्त को भी शिकायत दी गई थी। निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर उठ रही आपत्तियों के बीच अब संबंधित अधिकारियों की जांच और कार्रवाई पर नजर है। पार्षद बसंती देवी ने मांग की है कि निर्माण कार्य की जांच एक्सईएन और सक्षम तकनीकी अधिकारियों से कराई जाए।



# राजकीय स्कूल से शुरू हुआ संचलन प्रमुख बाजारों और मार्गों से होकर अंबेडकर सर्किल पहुंचा, नगर मंडल अध्यक्ष, पालिकाध्यक्ष और पार्षद भी हुए शामिल

## माउंट आबू में स्वयंसेवकों ने निकाला पथ संचलन, अनुशासित कदमताल से दिया एकजुटता का संदेश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**माउंट आबू।** शहर में गुरुवार को स्वयंसेवकों की ओर से पथ संचलन निकाला गया। राजकीय स्कूल से शुरू हुए इस संचलन में सैकड़ों स्वयंसेवकों ने भाग लिया। स्वयंसेवक निर्धारित मार्ग पर अनुशासित कतारों में कदमताल करते हुए शहर के प्रमुख बाजारों और मार्गों से गुजरे। संचलन के दौरान स्वयंसेवकों की सामूहिक कदमताल और अनुशासित व्यवस्था आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में नगर मंडल अध्यक्ष अक्षय चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य और कई पार्षद भी शामिल हुए।

### राजकीय स्कूल से रवाना हुआ संचलन

पथ संचलन की शुरुआत राजकीय स्कूल परिसर से हुई। यहां से स्वयंसेवक अनुशासित कतारों में आगे बढ़े। संचलन मुख्य बाजार, पोस्ट ऑफिस और सब्जी मंडी से होकर गुजरा। इसके बाद चाचा म्यूजियम सर्कल होते हुए अंबेडकर सर्किल पहुंचा, जहां संचलन का समापन हुआ। पूरे मार्ग में स्वयंसेवक एक साथ कदमताल करते हुए आगे बढ़ते रहे। शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते संचलन के दौरान अनुशासित पंक्तियां और सामूहिक गतिविधि विशेष रूप से दिखाई दी।

### कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों की रही भागीदारी

पथ संचलन में नगर मंडल अध्यक्ष अक्षय चौहान और नगर पालिका अध्यक्ष सुनील आचार्य सहित पार्षदों ने भाग लिया। आयोजन के दौरान स्वयंसेवक निर्धारित मार्ग और कार्यक्रम की व्यवस्था के अनुरूप आगे बढ़े। शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों से गुजरते हुए संचलन अंबेडकर सर्किल पर पहुंचा, जहां कार्यक्रम का समापन किया गया।

### पुलिस की निगरानी में शांतिपूर्ण संपन्न हुआ संचलन

पथ संचलन के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। माउंट आबू के डीवाईएसपी जितेंद्र सिंह और सीआई दलपत सिंह राठौड़ पुलिस जाब्ते के साथ तैनात रहे। पुलिस की निगरानी में संचलन निर्धारित मार्ग से होकर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान



सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मी मार्ग पर मौजूद रहे। शहर के प्रमुख बाजारों और मार्गों से होकर निकले इस पथ संचलन का समापन अंबेडकर सर्किल पर हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों की भागीदारी रही और पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन तथा व्यवस्थित कदमताल देखने को मिली।

## चांदराई, जालोर, उम्मेदाबाद, जीवाणा और पोसाना में होंगे कार्यक्रम, 25 अक्टूबर को भीनमाल और रानीवाड़ा क्षेत्र में भी करेंगे सभाएं

### जालोर में आज कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाएं करेंगे वैभव गहलोत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जालोर।** पंचायतीराज चुनाव-2026 में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र के प्रत्याशी वैभव गहलोत शनिवार को आहोर और भीनमाल क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इन सभाओं के माध्यम से कांग्रेस प्रत्याशियों के पक्ष में माहौल बनाने और चुनाव प्रचार को गति देने की तैयारी है। कार्यक्रम के अनुसार, वैभव गहलोत अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर जनसभाओं को संबोधित करेंगे। उनके साथ कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और पार्टी पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। कांग्रेस जिला प्रवक्ता योगेंद्रसिंह कुंपावत ने बताया कि वैभव गहलोत शनिवार सुबह 11 बजे



चांदराई में जनसभा करेंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे जालोर स्थित राजीव गांधी भवन में कार्यक्रम होगा। दोपहर 3 बजे उम्मेदाबाद, शाम 5 बजे जीवाणा और शाम 6 बजे पोसाना में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इन कार्यक्रमों में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पार्टी पदाधिकारियों की भागीदारी रहेगी। नसभाओं में कांग्रेस जिलाध्यक्ष रमिला मेघवाल, पूर्व मंत्री पुखराज पाराशर, आहोर कांग्रेस प्रत्याशी सरोज चौधरी, पीसीसी सदस्य सवाराम पटेल, ऊंमसिंह राठौड़, पूर्व जिलाध्यक्ष भंवरलाल मेघवाल और नैनसिंह राजपुरोहित सहित पार्टी के प्रमुख पदाधिकारी भी संबोधित करेंगे। पार्टी नेताओं की ओर से पंचायतीराज चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में अपनी बात रखी जाएगी। जिला प्रवक्ता योगेंद्रसिंह कुंपावत ने बताया कि वैभव गहलोत 25 अक्टूबर को भीनमाल और रानीवाड़ा क्षेत्रों में भी जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए पंचायतीराज चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार किया जाएगा। चुनावी कार्यक्रमों को लेकर पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं।

## पाली जिले की 157 ग्राम पंचायतों में मतदान शुरू, सोजत में सबसे ज्यादा वोटिंग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पाली।** पंचायत चुनाव के पहले चरण के तहत पाली जिले की बगड़ी नगर, मारवाड़ जंक्शन, सोजत, सुमेरपुर और रानी पंचायत समितियों की 157 ग्राम पंचायतों में सरपंच और 1513 ग्राम पंचायतों में पंच चुनने के लिए मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ। मतदान को लेकर सुबह से ही कई बूथों पर मतदाताओं की भीड़ देखने को मिली। वहीं, कुछ मतदान केंद्रों पर



मतदाताओं की संख्या कम नजर आई। चुनाव के लिए कुल 642 मतदान बूथ बनाए गए हैं। सुबह 10 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार सोजत पंचायत समिति क्षेत्र में सबसे ज्यादा 21.20 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि रानी में सबसे कम 13.67 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। सुबह 10 बजे तक पंचायत समिति क्षेत्रवार मतदान की स्थिति इस प्रकार रही। बगड़ी नगर में 19.22 प्रतिशत, मारवाड़ जंक्शन में 14.75 प्रतिशत, रानी में 13.67 प्रतिशत, सोजत में 21.20 प्रतिशत और सुमेरपुर में 16.47 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। सोजत पंचायत समिति क्षेत्र के देवासियों की ढाणी और हरिपुर में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया। बताया गया कि पंचायत समिति वार्ड बदले जाने के विरोध में ग्रामीणों ने यह कदम उठाया। इस तरह पहले चरण के मतदान के दौरान जिले के कुछ क्षेत्रों में उत्साह के साथ वोटिंग हुई, तो वहीं वार्ड परिवर्तन के विरोध में दो स्थानों पर मतदान का बहिष्कार भी सामने आया।

## जयपुर एयरपोर्ट पर 25 अक्टूबर से बदलेगा फ्लाइट शेड्यूल, बैंकॉक की उड़ान 17 नवंबर से होगी शुरू

### अंतरराष्ट्रीय उड़ानें 68 से बढ़कर 110 प्रति सप्ताह होने की तैयारी, दुबई के लिए भी बढ़ेंगे विकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** जयपुर एयरपोर्ट पर 25 अक्टूबर से विंटर शेड्यूल लागू होगा। नए शेड्यूल में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के समय में बदलाव किया गया है। फिलहाल जयपुर से अंतरराष्ट्रीय रूट पर सप्ताह में करीब 68 उड़ानें संचालित हो रही हैं, जिनकी संख्या बढ़ाकर 110 प्रति सप्ताह करने की तैयारी है। इससे रोजाना औसतन करीब 8 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का संचालन होगा। नए शेड्यूल में दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहरों के लिए उड़ानों के विकल्प बढ़ेंगे। जोधपुर के लिए भी सीधी उड़ान शुरू होने की संभावना है। हालांकि, कुछ नई उड़ानों के लिए यात्रियों को नवंबर तक इंतजार करना पड़ सकता है।

### 17 नवंबर से शुरू होगी जयपुर-बैंकॉक फ्लाइट

जयपुर से बैंकॉक के लिए बंद पड़ी सीधी उड़ान 17 नवंबर से फिर शुरू होगी। यह फ्लाइट सप्ताह में चार दिन संचालित होगी। इससे बैंकॉक जाने वाले यात्रियों को सीधी हवाई यात्रा की सुविधा मिलेगी। अंतरराष्ट्रीय




कनेक्टिविटी के लिहाज से नवंबर अहम रहने वाला है। दुबई जाने वाली दोनों उड़ानों के समय में भी 25 अक्टूबर से बदलाव होगा। दुबई के लिए एक और फ्लाइट उपलब्ध होने की जानकारी है। वहीं, मस्कट के लिए भी विंटर शेड्यूल में रोजाना कनेक्टिविटी की योजना है।

### जयपुर से प्रमुख उड़ानों का समय

नए शेड्यूल के अनुसार, इंडिगो की जयपुर-कोलकाता फ्लाइट सुबह 5:25 बजे, नवी मुंबई फ्लाइट सुबह 7:10 बजे और जोधपुर फ्लाइट सुबह 7:40 बजे रवाना होगी। एयर इंडिया की जयपुर-दिल्ली फ्लाइट सुबह 7:30 बजे और दूसरी फ्लाइट दोपहर 12:45 बजे उड़ान भरेगी। इंडिगो की दिल्ली फ्लाइट दोपहर 3:15 बजे रवाना होगी। लखनऊ के लिए इंडिगो की फ्लाइट शाम 4:10 बजे, बेंगलुरु के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट रात 8:35 बजे और मुंबई के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट रात 10:15 बजे रवाना होगी। विंटर शेड्यूल लागू होने के साथ यात्रियों को उड़ानों के नए समय का ध्यान रखना होगा। यात्रा से पहले संबंधित एयरलाइन से फ्लाइट का समय और स्थिति जांचना जरूरी होगा।

## जयपुर में पत्नी के केस से परेशान युवक ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** जामडोली थाना क्षेत्र में एक युवक के आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की पहचान जामडोली निवासी लेखराज मीणा (25) के रूप में हुई है। वह एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। पुलिस के अनुसार, पत्नी की ओर से ससुराल पक्ष के खिलाफ मामला दर्ज करवाए जाने के बाद से वह परेशान चल रहा था। पुलिस ने पोस्टमार्टम



करवाने के बाद शनिवार दोपहर शव परिजनों को सौंप दिया। मामले में मर्ग दर्ज कर जांच की जा रही है। जामडोली थाना प्रभारी रतन सिंह ने बताया कि शुक्रवार शाम करीब 7 बजे लेखराज पहली मंजिल पर स्थित अपने कमरे में गया था। करीब आधे घंटे बाद परिजन उसे बुलाने पहुंचे तो वह कमरे में फंदे से लटका मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर जामडोली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक साक्ष्य जुटाने के बाद शव को नीचे उतरवाया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया गया। पुलिस के मुताबिक, लेखराज की शादी वर्ष 2022 में हुई थी। बाद में उसकी पत्नी उसे छोड़कर अपने मायके चली गई थी। करीब एक साल पहले पत्नी ने ससुराल पक्ष के खिलाफ महिला थाना ईस्ट में मामला दर्ज करवाया था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इस मामले को लेकर लेखराज परेशान चल रहा था। पुलिस ने सुसाइड नोट मिलने की बात से इनकार किया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

## जयपुर की 212 ग्राम पंचायतों में मतदान जारी, दोपहर 1 बजे तक 43.84 प्रतिशत वोटिंग

### 212 सरपंच पदों के लिए 1,525 प्रत्याशी मैदान में, मतदान खत्म होने के बाद शुरू होगी मतगणना

महानगर मेट्रो ब्यूर

**जयपुर।** पंचायत चुनाव के पहले चरण के तहत शनिवार को जयपुर जिले की 212 ग्राम पंचायतों में सरपंच और वार्ड पंच पदों के लिए मतदान शुरू हुआ। सुबह 7 बजे से शुरू हुई वोटिंग में दोपहर 1 बजे तक 43.84 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके थे। मतदान शाम 6 बजे तक चलेगा। इसके बाद पंचायत मुख्यालयों पर ही मतगणना शुरू की जाएगी और देर रात तक चुनाव परिणाम घोषित किए जाने की संभावना है। जिले की गोविंदगढ़, चौमूं, किशनगढ़-रेनवाल, जोबनेर, झोटवाड़ा, सांभरलेक, दूदू और मौजमाबाद पंचायत समितियों के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायतों में चुनाव कराए जा रहे हैं। मतदान को लेकर इन क्षेत्रों में सरपंच और वार्ड पंच पदों के प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद मतगणना के जरिए प्रत्याशियों के चुनावी भविष्य का फैसला होगा। जयपुर जिले की 212 ग्राम पंचायतों में सरपंच पदों के लिए कुल 1,525 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान

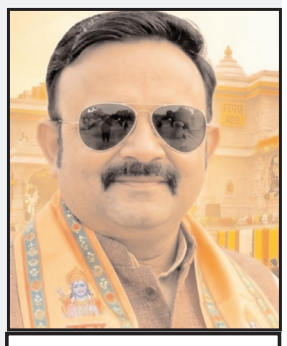


इन पदों के लिए 2,119 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए थे। जांच के दौरान 11 उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों में कमियां पाए जाने पर उन्हें निरस्त कर दिया गया। वहीं, 583 उम्मीदवारों ने स्वेच्छा से अपने नाम वापस ले लिए। इसके बाद चुनाव मैदान में बचे उम्मीदवारों के बीच मुकाबला हो रहा है। चौमूं में सबसे ज्यादा उम्मीदवार जिला निर्वाचन शाखा की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, चौमूं पंचायत समिति की 34 ग्राम पंचायतों में सरपंच पद के लिए सबसे अधिक 301 प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा जोबनेर की 28 ग्राम पंचायतों में 232, गोविंदगढ़ की 27 ग्राम पंचायतों में 210, मौजमाबाद की 27 ग्राम पंचायतों में 185 और किशनगढ़-रेनवाल की 26 ग्राम पंचायतों में 184 उम्मीदवार मैदान में हैं।इसी तरह सांभर की 26 ग्राम पंचायतों में 157, दूदू की 25 ग्राम पंचायतों में 136 और झोटवाड़ा की 19 ग्राम पंचायतों में 120 प्रत्याशी सरपंच पद के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। इन आंकड़ों के अनुसार चौमूं में सरपंच पद के लिए सबसे अधिक उम्मीदवार हैं, जबकि झोटवाड़ा में प्रत्याशियों की संख्या सबसे कम है। इन 212 ग्राम पंचायतों में कुल 7 लाख 43 हजार 640 मतदाता पंजीकृत हैं। इससे पहले ये मतदाता 22 अक्टूबर को पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य पदों के लिए मतदान कर चुके हैं। अब ग्राम पंचायत स्तर पर सरपंच और वार्ड पंच पदों के चुनाव के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के चयन की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। शनिवार को मतदान शाम 6 बजे तक चलेगा। इसके बाद संबंधित पंचायत मुख्यालयों पर मतगणना शुरू की जाएगी। चुनाव परिणाम देर रात तक घोषित किए जाने की संभावना है।

## सम्पादकीय

### दुनिया भर में राइट-विंग पावर के खिलाफ GenZ की बगावत और 'साइक्लोन' का नया दौर

दशकों बाद, आज दुनिया भर में बदलाव की तेज़ हवा चल रही है। एक समय था जब दावा किया जाता था कि दुनिया मॉडर्निटी, लिबरलिज़्म, सेक्युलरिज़्म और रैशनल सोच की ओर बढ़ रही है। लेकिन जैसे-जैसे 21वीं सदी आगे बढ़ी, उम्मीद के मुताबिक प्रोग्रेसिव बनने के बजाय, दुनिया के कई देशों में पावर के नारे लगाने वाली राइट-विंग ताकतों ने लिबरल और सोचने वाले क्लास को बहुत ज़्यादा गुस्से, निराशा और फ्रस्ट्रेशन से भर दिया। 21वीं सदी, ज़्यादा मॉडर्न बनने के बजाय, अचानक ज़्यादा ट्रेडिशनल और रिग्रेसिव बनकर उभरी।



**पवन माकन**
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

लेकिन, यह क़ुदरत और इतिहास का नियम है कि हर अंधेरे के बाद एक सूरज ज़रूर निकलता है। आज का युवा, खासकर 'GenZ' पीढ़ी, पूरी दुनिया में सत्ता की कुर्सियों पर बैठे इन राइट-विंग ईगो और ताकतों को चुनौती देने के लिए मैदान में उतर चुकी है। इस क्रांति की आवाज़ अब भारत समेत दुनिया के हर कोने में गूंज रही है।

'विदेशी फंडिंग' और 'साज़िश' का शोरः सिस्टम की लाचारी या बेतुके तर्क?

जब भी युवा या जनता सरकार के खिलाफ सवाल उठाते हैं या बदलाव की मांग को लेकर सड़कों पर उतरते हैं, तो अधिकारी और सरकारें हमेशा एक ही घिसा-पिटा हथियार इस्तेमाल करती हैं– 'यह कुछ विदेशी ताकतों की इस देश को अस्थिर करने की साज़िश है!' या 'विपक्ष यह सब विदेशी फंडिंग के दम पर कर रहा है। '

लेकिन, असल में, ये तर्क पूरी तरह से बेतुके और बेबुनियाद हैं। क्या अर्जेंटीना से लेकर यूरोप और भारत से लेकर लैटिन अमेरिका तक लाखों युवा अचानक किसी के कहने पर बिक गए हैं? नहीं, कभी नहीं! पूरी दुनिया के युवा अब बदलाव चाहते हैं और यह सच्चाई पूरी दुनिया में चल रहे युवा आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों से साफ समझी जा सकती है। लोगों की नाराज़गी को 'साज़िश' कहकर छिपाया नहीं जा सकता।

इतिहास का चक्रः '2047 तक कोई नहीं हिलेगा' बस सत्ता की फुसफुसाहट है

जिन्होंने अपनी ज़िंदगी में राजनीति के ये उतार-चढ़ाव देखे हैं, वे अच्छी तरह समझते हैं कि सत्ता के सिंहासन कभी पक्के नहीं होते। ऐसे 'बदलाव का चक्र' इतिहास में कई बार हुए हैं। आज जो नेता या पार्टियां यह मानती हैं कि 'अगर आया तो...' या '2047 तक हमारी अपनी दरार टूट जाएगी ', वे सारे दावे सत्ता के नशे में चूर नेताओं की हवा और अपनी कायरता छिपाने की फुसफुसाहट से ज़्यादा कुछ नहीं हैं।

जब बदलाव की आंधी चलती है, तो बड़े से बड़े साम्राज्य और किले भी रेत के घरों की तरह ढह जाते हैं। दक्षिणपंथियों और सत्ता के नशे में चूर लोगों का समय अब ??खत्म हो गया है। दुनिया भर में सड़कों पर उतरे छात्र और युवा

आज सिर्फ़ भारत में ही नहीं, बल्कि अर्जेंटीना, ब्राज़ील, चिली, जर्मनी, फ्रांस, स्पेन और अल्बानिया जैसे देशों में भी छात्र और युवा अपने भविष्य को बचाने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। रोज़गार, महंगाई, नागरिक स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक मूल्यों की कीमत पर चलने वाली सरकार के ख़िलाफ़ लड़ाई की यह आवाज़ आने वाले समय के बड़े राजनीतिक भूकंप का बैकग्राउंड है।

भले ही सत्ता में बैठे शासक आँखें मूंद लें, युवाओं का यह जुनून और बदलाव की चाहत नहीं रुकेगी।

उन्हें और ताकत मिले! (हम युवाओं के इस संघर्ष का समर्थन करते हैं!)

क्योंकि, समय बदलता है, इतिहास बदलता है और आखिर में जीत हमेशा लोगों और सच्चाई की होती है।

## पढ़ा-लिखा युवा नौकरी के विज्ञापन के सामने परेशान खड़ा है




## आज का राशिफल

### (रविवार)25 अक्टूबर 2026

**मेष**: आज रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा और कार्यक्षेत्र में उत्साह बना रहेगा

**वृषभ**: दिन सकारात्मक रह सकता है। किसी पुराने परिचित से मदद मिलेगी और नई योजनाओं पर काम शुरू कर सकते हैं

**मिथुन**: आर्थिक मामलों में सोच-समझकर फैसले लें। नौकरी और कारोबार में मेहनत का अच्छा परिणाम मिल सकता है

**कर्क**: जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। बातचीत में संयम रखें और आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें

**सिंह**: नए अवसर मिलने की संभावना है। मित्रों का सहयोग मिलेगा और महत्वपूर्ण काम में सफलता मिल सकती है

**कन्या**: भाग्य का साथ मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिलेंगे और परिवार में खुशी का माहौल रहेगा

**तुला**: परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। पुराने काम पूरे होंगे और मन प्रसन्न रहेगा।

**वृश्चिक**: मेहनत और अनुशासन से काम पूरे होंगे। अनावश्यक खर्चों से बचें और सेहत का ध्यान रखें

**धनु**: कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना हो सकती है। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे, लेकिन जल्दबाजी से बचें

**मकर**: नए विचारों से लाभ मिल सकता है। मित्रों का सहयोग मिलेगा और रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा।

**कुंभ**: आज कामकाज में व्यस्तता रह सकती है। धैर्य से फैसले लें और परिवार के साथ समय बिताने का प्रयास करें।

**मीन**: दिन सामान्य से अच्छा रह सकता है। परिवार का साथ मिलेगा और धन संबंधी मामलों में सोच-समझकर निर्णय लें

# सुखबीर बादल ने भाजपा के साथ गठबंधन के दिए संकेत

चंडीगढ़ पंजाब की राजनीति में भाजपा और शिरोमणि अकाली दल (बादल) के बीच दोबारा गठबंधन की संभावनाओं को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 2027 के विधानसभा चुनाव में पंजाब में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार बनने के दावे के बाद अब अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल ने भी गठबंधन के विकल्प खुले होने की बात कही है। उनके बयान को दोनों दलों के बीच राजनीतिक नजदीकी बढ़ने के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

सुखबीर बादल ने कहा कि शिरोमणि अकाली दल एक क्षेत्रीय पार्टी है और उसके लिए पंजाब सबसे पहले है। पार्टी सत्ता में आए या नहीं, वह पंजाबियों के हितों और अधिकारों की लड़ाई लड़ती रहेगी। उन्होंने कहा कि अकाली दल ने गठबंधन के सभी विकल्प खुले रखे हैं। जो भी राजनीतिक दल उसकी विचारधारा और कार्यक्रमों से सहमत होगा, उसके साथ गठजोड़ की संभावना पर विचार किया जा सकता है। सुखबीर बादल ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को पंजाब का सबसे बड़ा दुश्मन बताते हुए दोनों दलों पर निशाना साधा। उनके इस बयान से पंजाब में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक चर्चाओं को नया आधार मिला है। हालांकि, उन्होंने भाजपा के साथ किसी औपचारिक गठबंधन की घोषणा नहीं की है, लेकिन सभी विकल्प खुले रखने की बात से दोनों दलों के फिर साथ आने की अटकलें तेज हो गई हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 22 अक्टूबर को दिल्ली में यमुना पुनरुद्धार योजनाओं के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए दावा किया था कि 2027 के पंजाब विधानसभा चुनाव के बाद एनडीए की सरकार बनेगी। पंजाब दौरे के दो दिन बाद आए उनके इस बयान को राज्य की राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना गया। इसके बाद भाजपा और अकाली दल के बीच संभावित गठबंधन को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। शाह ने आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया था कि वह पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को स्वतंत्र रूप से काम नहीं करने दे रहे हैं। उन्होंने कहा था कि केजरीवाल पंजाब में डेरा जमाए हुए हैं और राज्य सरकार के कामकाज को प्रभावित कर रहे हैं। शाह ने दावा किया कि अगले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को बड़ा राजनीतिक नुकसान होगा। गृह मंत्री ने पंजाब से नशे के कारोबार को खत्म करने का संकल्प दोहराते हुए कहा था कि वर्ष 2029 तक राज्य से नशे का व्यापार समाप्त कर दिया जाएगा। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर बहानेबाजी की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता के सामने केवल वादे करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि परिणाम देना जरूरी है। शाह के इस बयान के बाद पंजाब में भाजपा की चुनावी रणनीति और अकाली दल के साथ संभावित तालमेल को लेकर अटकलें शुरू हो गई थीं। सुखबीर बादल के ताजा बयान ने इन चर्चाओं को और तेज कर दिया है।

इसी राजनीतिक घटनाक्रम के बीच शिरोमणि अकाली दल का एक प्रतिनिधिमंडल पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से मिलने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में नशे से जुड़े मामलों और परविंदर झोटा प्रकरण का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत मान को पद से हटाने की मांग की। अकाली दल लगातार पंजाब में नशे की समस्या को लेकर आम आदमी पार्टी सरकार को घेर रहा है। राज्यपाल से मुलाकात के जरिए पार्टी ने सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए और मामले में कार्रवाई की मांग की। दूसरी ओर, अमित शाह के बयान पर मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी निशाना साधा। इस तरह पंजाब में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी, भाजपा और अकाली दल के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज होती दिखाई दे रही है। भाजपा और शिरोमणि अकाली दल का गठबंधन पंजाब की राजनीति में लंबे समय तक महत्वपूर्ण रहा। दोनों दलों के बीच करीब 24 साल पुराना राजनीतिक संबंध वर्ष 2020 में केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों को लेकर टूट गया था। उस समय पंजाब के किसानों ने इन कानूनों का व्यापक विरोध किया था और किसान आंदोलन राष्ट्रीय राजनीति का बड़ा मुद्दा बन गया था। अकाली दल का ग्रामीण पंजाब और किसानों के बीच मजबूत जनाधार रहा है। ऐसे में कृषि कानूनों को लेकर किसानों की नाराजगी बढ़ने के बाद पार्टी के लिए भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए में बने रहना मुश्किल हो गया था। किसानों के विरोध के बीच अकाली दल की वरिष्ठ नेता हरसिमरत कौर बादल ने सितंबर 2020 में केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। वह उस समय केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री थीं।

# मोदी बोले–विकसित भारत और चिन्मय मिशन का लक्ष्य एक, सामाजिक बुराइयों के खिलाफ एकजुट हो देश

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के भारत मंडपम में 'चिन्मय अमृत महोत्सव' का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने समाज में बढ़ती चुनौतियों और सामाजिक बुराइयों से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता बताई। उन्होंने समाज को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होने, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प से प्रत्येक नागरिक को जोड़ने की अपील की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते दशकों में समय के साथ परिस्थितियां बदली हैं और देश के सामने नई चुनौतियां आई हैं। इन चुनौतियों के साथ नई सामाजिक बुराइयां भी पैदा हुई हैं। अब इन समस्याओं का समाधान निकालने की जिम्मेदारी पूरे समाज की है। उन्होंने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लोगों को जागरूक करना होगा और हर व्यक्ति को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना होगा।

विकसित भारत और चिन्मय मिशन का लक्ष्य एक

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्ष 2047 में भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा। इसी वर्ष चिन्मय मिशन भी अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे करेगा। उन्होंने इस समानता का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत का संकल्प और चिन्मय मिशन की यात्रा एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। दोनों का लक्ष्य समाज को बेहतर दिशा देना और राष्ट्र निर्माण में योगदान करना है।

उन्होंने विश्वास जताया कि चिन्मय मिशन से जुड़े लोग विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी जरूरी है। लोगों को अपनी क्षमताओं पर भरोसा करना होगा और सामूहिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ना होगा।

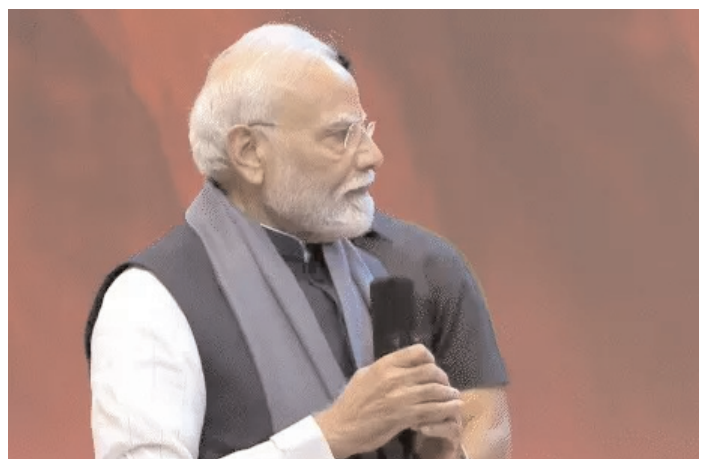
देश में हो रहा सांस्कृतिक पुनर्जागरण

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण दिखाई दे रहा है। अयोध्या का राम मंदिर, उज्जैन का महाकाल धाम और केदारनाथ-बद्रीनाथ जैसे धार्मिक स्थल इस बदलाव के उदाहरण हैं। उन्होंने कहा कि देश अपनी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिक परंपराओं को फिर से मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

मोदी ने भारत से विदेश ले जाई गई प्राचीन मूर्तियों की वापसी का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एक समय देश की अनेक मूर्तियां चोरी कर विदेशों में ले जाई गईं और उन्हें बेच दिया गया। उस समय उनकी वापसी के लिए प्रभावी प्रयास नहीं हो पाते थे। प्रधानमंत्री के अनुसार, पिछले 12 वर्षों में ऐसी 600 मूर्तियां भारत वापस लाई गई हैं।

उन्होंने कहा कि भारत अब उस दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसका सपना देश के ऋषियों और राष्ट्रभक्तों ने देखा था। उनकी विचार शक्ति और आदर्श आज भी देश की ताकत हैं। प्रधानमंत्री ने सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने और उससे नई पीढ़ी को जोड़ने के महत्व पर जोर दिया।

स्वामी चिन्मयानंद के होलोबॉट से की बातचीत



कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने स्वामी चिन्मयानंद के होलोबॉट से भी बातचीत की। होलोबॉट ऐसी तकनीक है, जिसके माध्यम से किसी व्यक्ति की वास्तविक दिखने वाली त्रिआयामी होलोग्राफिक डिजिटल छवि प्रस्तुत की जाती है। इस तकनीक के जरिए किसी व्यक्ति की डिजिटल मौजूदगी का अनुभव कराया जा सकता है।

चिन्मय अमृत महोत्सव के मंच से प्रधानमंत्री ने सामाजिक एकता, आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक चेतना और विकसित भारत के लक्ष्य को लेकर अपना संदेश दिया। उन्होंने कहा कि देश के सामने मौजूद नई चुनौतियों का सामना करने के लिए समाज को मिलकर काम करना होगा। वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प तभी साकार होगा, जब नागरिक अपनी जिम्मेदारी समझेंगे और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

# प्यार के नाम पर करीब आने वाले लोग, दिल तोड़कर दूर क्यों चले जाते हैं

आज के दौर में किसी से पहचान होने में कुछ मिनट लगते हैं, दोस्ती होने में कुछ घंटे लगते हैं और प्यार का इज़हार करने में कुछ दिन भी नहीं लगते। मोबाइल पर आने वाले प्यार भरे संदेश, देर रात तक चलने वाली बातें और एक-दूसरे की हर छोटी-बड़ी बात जानने की उत्सुकता–ये सब प्यार जैसा लगता है। लेकिन कभी-कभी जो व्यक्ति कल तक कहता था, 'तुम मेरी ज़िंदगी में सबसे खास हो,' वही व्यक्ति आज अजनबी बनकर दूर चला जाता है। तब मन में एक ही सवाल उठता हैः *अगर भावनाएँ सच्ची थीं, तो रिश्ता इतनी आसानी से कैसे टूट गया?*

आज की युवा पीढ़ी में प्यार की शुरुआत अक्सर सोशल मीडिया पर हुई पहचान से होती है। एक-दूसरे की तस्वीरें अच्छी लगती हैं, बातें अच्छी लगती हैं और धीरे-धीरे एक-दूसरे की आदत पड़ जाती है। लेकिन किसी की आदत पड़ जाना और किसी से सच्चे दिल से प्यार करना–इन दोनों के बीच बहुत बड़ा अंतर है। आकर्षण में व्यक्ति की सुंदरता दिखाई देती है, जबकि प्यार में उसके स्वभाव, विचारों, परेशानियों और कमज़ोरियों को समझने की इच्छा होती है।

रिश्ते की शुरुआत जितनी खूबसूरत होती है, उसका अंत उतना ही कड़वा क्यों हो जाता है?* अक्सर रिश्ते टूटने का कारण प्यार की कमी नहीं, बल्कि समझ की कमी होती है। छोटी-छोटी बातों पर शक करना, बार-बार अपेक्षाएँ रखना, समय न देने की शिकायत करना और एक-दूसरे को बदलने की ज़िद करना रिश्ते में दूरियाँ पैदा कर देता है। जहाँ खुलकर बात होनी चाहिए, वहाँ खामोशी छा जाती है और जहाँ विश्वास होना चाहिए, वहाँ सवाल खड़े होने लगते हैं।

कुछ लोग रिश्ते में तब तक ही रहते हैं, जब तक उन्हें खुशी, समय और अपनापन मिलता रहता है। मुश्किलें आने पर, ज़िम्मेदारियाँ बढ़ने पर या मतभेद होने पर वे बातचीत करके समाधान खोजने के बजाय दूर जाना पसंद करते हैं। किसी को उम्मीद देकर अचानक संपर्क तोड़ देना, जवाब देना बंद कर देना या सामने वाले की भावनाओं को नज़रअंदाज़ करना–ये सब उसके दिल को गहरी चोट पहुँचा सकते हैं।

लेकिन हर टूटे हुए रिश्ते में केवल एक ही व्यक्ति दोषी हो, ऐसा भी नहीं है। कभी परिस्थितियाँ बदल जाती हैं, विचार अलग हो जाते हैं और जीवन की दिशाएँ भी अलग हो जाती हैं। रिश्ते को बनाए रखने के लिए केवल प्यार ही पर्याप्त नहीं है; दोनों की ओर से प्रयास, आपसी सम्मान और ज़िम्मेदारी भी ज़रूरी है।

युवाओं को एक बात समझने की ज़रूरत है कि प्यार करना गलत नहीं है, लेकिन प्यार के नाम पर खुद को खो देना सही नहीं है। किसी व्यक्ति के दूर चले जाने से ज़िंदगी खत्म नहीं हो जाती। पढ़ाई, करियर, परिवार, दोस्त और अपने सपने भी उतने ही महत्त्वपूर्ण हैं। एक सच्चा रिश्ता आपकी तरक्की में बाधा नहीं, बल्कि आपकी प्रेरणा बनना चाहिए।

प्यार में किसी को पाने की इच्छा स्वाभाविक है, लेकिन हर व्यक्ति को अपनी पसंद चुनने का अधिकार है। अगर रिश्ता खत्म हो जाए, तो सामने वाले को अपमानित करने के बजाय उसकी पसंद को स्वीकार करना चाहिए। निजी बातें सार्वजनिक करना, बदनाम करना या बदला लेने की भावना रखना प्यार नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं पर नियंत्रण खो देना है।

आज के युवाओं के लिए असली सवाल यह नहीं है कि कितने लोग प्यार में पड़ते हैं; असली सवाल यह है कि कितने लोग प्यार की ज़िम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं। क्योंकि मीठी बातों से किसी का दिल जीता जा सकता है, लेकिन विश्वास, सम्मान और निष्ठा से ही उस दिल में अपनी जगह बनाए रखी जा सकती है।

प्यार किसी को जीवनभर अपने साथ रखने की



ज़िद नहीं है; प्यार तो साथ रहते हुए सम्मान देने और अलग होने पर भी इंसानियत बनाए रखने की समझ है।

लेखक : रूपेश सोलंकी, भचाऊ, कच्छ

# MP मनसुख वसावा ने PM मोदी को चिट्ठी लिखकर अपनी ही सरकार के खिलाफ जंग छेड़ दी है, जिससे गांधीनगर से दिल्ली तक हलचल मच गई है

## 'गुजरात में BJP सरकार आदिवासियों को परेशान कर रही है!

गांधीनगर/भरूच आज गुजरात की राजनीति में एक धमाका हुआ है, जिसकी गूंज गांधीनगर के कमलम से लेकर दिल्ली तक सुनाई दे रही है। BJP के सीनियर, बेबाक और भरूच लोकसभा MP मनसुख वसावा ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिखकर गुजरात BJP सरकार, प्रशासन और अधिकारियों के खिलाफ बड़ा मोर्चा खोल दिया है। MP वसावा ने चिट्ठी में तीखा और चौंकाने वाला आरोप लगाया है कि, 'गुजरात में BJP सरकार होने के बावजूद आदिवासियों को परेशान किया जा रहा है!' इस चिट्ठी के सामने आने के बाद राज्य की राजनीति गरमा गई है और सत्ताधारी पार्टी में बड़ी बेचैनी है।

चिट्ठी में क्या बड़ा धमाका है? फॉरेस्ट डिपार्टमेंट और अधिकारियों के खिलाफ गुस्सा

MP मनसुख वसावा ने प्रधानमंत्री को लिखे एक लेटर में राज्य सरकार की मशीनरी, खासकर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट और लोकल एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारियों पर उनकी मनमानी पॉलिसी और मनमानी के लिए कड़ा हमला बोला है। उन्होंने लेटर में साफ कहा है कि फॉरेस्ट राइट्स एक्ट का अनादर फॉरेस्ट लैंड राइट्स एक्ट के तहत आदिवासियों के ज़मीन के दावों को मंज़ूरी देने के बजाय, अधिकारी गैर-ज़रूरी टेक्निकल वजहें बताकर एप्लीकेशन रिजेक्ट कर देते हैं।

डेवलपमेंट के नाम पर विस्थापन और परेशान करनाः आदिवासी इलाकों में चल रहे अलग-अलग प्रोजेक्ट और डेवलपमेंट के कामों के नाम पर, लोकल आदिवासियों की ज़मीनें छीनी जा रही हैं और उन्हें सही मुआवज़ा या पुनर्वास दिए बिना परेशान किया जा रहा है।

बुनियादी सुविधाओं की कमीः आदिवासी इलाकों में शिक्षा, स्वास्थ्य और लोकल रोज़गार के मुद्दों को नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। 'कागज़ों पर प्लान, लेकिन ज़मीन पर अधिकारियों की दादागिरी '

MP मनसुख वसावा ने लेटर में लिखा है कि प्रधानमंत्री खुद आदिवासी समुदाय की भलाई के लिए प्लान बनाते हैं, लेकिन गुजरात में बैठे अधिकारी इन प्लान का फ़ायदा आदिवासियों तक नहीं पहुँचने देते। अपनी BJP सरकार होने के बावजूद आदिवासी समुदाय के लोगों को अपने इंसाफ़ और हक़ के लिए सरकारी दफ़्तरों के धक्के खाने पड़ते हैं। MP ने दावा किया है कि प्रशासन के ऐसे रवैये की वजह से आदिवासी समुदाय में BJP सरकार के प्रति बहुत ज़्यादा गुस्सा और नाराज़गी की आग जल रही है, जो आने वाले समय में पार्टी के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है।

विपक्ष को मिला मज़बूत मुद्दा, BJP संगठन बैकफुट पर

जैसे ही यह लेटर सामने आया, BJP का राज्य संगठन और सरकार पूरी तरह से बैकफुट पर आ गई है। एक तरफ़ BJP आदिवासी वोट बैंक पर कब्ज़ा करने के लिए लगातार अलग-अलग प्रोग्राम कर रही है, वहीं दूसरी तरफ़, जब पार्टी के एक सीनियर आदिवासी नेता ने सरकार के भ्रष्टाचार का पर्दाफ़ाश किया है, तो पार्टी के लिए जवाब देना मुश्किल हो गया है। इस मुद्दे पर विपक्षी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने भी BJP सरकार पर तीखे हमले शुरू कर दिए हैं और इसे सिर्फ़ चुनावी दिखावा बताया है।

गांधीनगर से लेकर दिल्ली तक मौड़ी मंडल में चिंता का माहौल

मनसुख वसावा पहले भी कई बार लोकल मुद्दों पर आवाज़ उठा चुके हैं, लेकिन इस बार उन्होंने सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय से संपर्क करके आर-पार की लड़ाई का बिगुल बजा दिया है। अब देखना यह है कि इस चिट्ठी के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय गुजरात प्रशासन के ख़िलाफ़ क्या सख़्त कार्रवाई करता है और BJP हाईकमान इस अंदरूनी नाराज़गी को सुलझाने के लिए क्या रास्ता अपनाता है।

# MLC चुनाव में गड़बड़ी का आरोप लगाकर अखिलेश यादव ने साधा निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के शिक्षक और स्नातक एमएलसी चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल ने चुनाव के दौरान कथित परेशानियों और गड़बड़ियों को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। अब सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उनके समर्थन में भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि डॉ. आकाश अग्रवाल को चुनाव में हराने के लिए भाजपा नेताओं, उनके सहयोगियों और अधिकारियों ने मिलकर कथित तौर पर चुनावी गड़बड़ियां कीं। उन्होंने कहा कि डॉ. आकाश अग्रवाल के साथ हुए व्यवहार से अग्रवाल समाज आहत है और समाजवादी पार्टी उनके साथ खड़ी है। दरअसल, एमएलसी चुनाव के बाद सपा प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल ने एक मीडिया बातचीत में चुनाव के दौरान हुई कथित परेशानियों का जिक्र किया था। उनका आरोप था कि 12 जिलों में शिक्षक साथियों और स्कूल प्रबंधकों को परेशान किया गया। उन्होंने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें ऐसा महसूस होने लगा, जैसे वह कोई आतंकवादी हों। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके खिलाफ झूठे मामले में कार्रवाई कर उन्हें फंसाया जा सकता है। आकाश अग्रवाल ने कहा था कि यदि उन्हें पहले अंदाजा होता कि चुनाव लड़ने के कारण उनके साथियों को इतनी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा, तो शायद वह चुनाव नहीं लड़ते। इसी नाराजगी के बीच उन्होंने धर्म परिवर्तन करने की बात भी कही थी, जिसके बाद यह मामला राजनीतिक चर्चा में आ गया।



# दो मासूम बेटियों के सिर से उठा पिता का साया



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गोरखपुर।** उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के बांसगांव क्षेत्र स्थित किशनपुर बगही गांव निवासी कमलेश पांडेय की सऊदी अरब में ड्रोन हमले की चपेट में आने से मौत हो गई। 21 अक्टूबर की रात हुई इस घटना से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कमलेश की मौत की खबर मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। हरिश्चंद्र पांडेय के पुत्र कमलेश पांडेय सऊदी अरब के दम्माम एयरपोर्ट पर काम करते थे। जानकारी के अनुसार, 21 अक्टूबर की रात हुए ड्रोन हमले के दौरान वह इसकी चपेट में आ गए, जिससे उनकी जान चली गई। परिवार की आजीविका के लिए विदेश में काम कर रहे कमलेश की असामयिक मौत से उनकी पत्नी सुनीता देवी और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

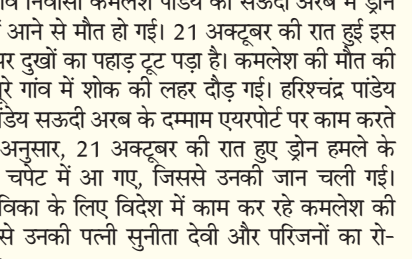
### कम उम्र में बेटियों के सिर से उठा पिता का साया

कमलेश अपने पीछे पत्नी सुनीता देवी और दो बेटियों को छोड़ गए हैं। उनकी बड़ी बेटी 14 वर्ष की है, जबकि छोटी बेटी महज 10 वर्ष की है। इतनी कम उम्र में दोनों बच्चियों के सिर से पिता का साया उठ जाने से परिवार गहरे सदमे में है। जिस पिता के सहारे दोनों बेटियों का भविष्य संवरना था, उनके अचानक चले जाने से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कमलेश की मौत की खबर के बाद किशनपुर बगही गांव में मातम पसरा हुआ है। पत्नी सुनीता देवी का विलाप सुनकर लोगों की आंखें नम हो रही हैं। गांव के लोग पीड़ित परिवार को सांत्वना देने पहुंच रहे हैं और इस कठिन समय में परिजनों के साथ खड़े हैं। उधर, कमलेश पांडेय का पार्थिव शरीर भारत लाने के लिए परिजन आवश्यक प्रक्रियाओं में जुटे हुए हैं। परिवार को उनके शव के जल्द गांव पहुंचने का इंतजार है, ताकि अंतिम दर्शन और अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी की जा सके। इस दुखद घटना ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है।

# सहारनपुर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त, ग्रामीणों में आक्रोश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सहारनपुर।** उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के गंगोह थाना क्षेत्र के गांव लखनौती में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। अंबेडकर पार्क में स्थापित प्रतिमा टूटी हुई मिलने से ग्रामीणों में नाराजगी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और पुलिस को सूचना देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में अंबेडकर पार्क के लिए जगह आवंटित है, जहां बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित की गई थी। प्रतिमा क्षतिग्रस्त कर एक तरफ गिराई हुई मिली। घटना की जानकारी सामने आने के बाद ग्रामीणों ने इसकी कड़ी निंदा की और प्रशासन से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग उठाई। ग्रामीणों ने मांग की है कि पार्क में जल्द से जल्द नई प्रतिमा स्थापित कराई जाए। इसके साथ ही पार्क की सुरक्षा के लिए चारदीवारी का निर्माण भी कराया जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति न हो। घटना को लेकर गांव में नाराजगी का माहौल है एसपी देहात मयंक पाठक ने बताया कि डायल 112 के माध्यम से गंगोह पुलिस को गांव लखनौती में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 3 पुलिस टीमों का गठन किया गया है। पुलिस मामले की जांच करते हुए आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। वहीं, गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।



# महंगवा में भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट की सराहनीय पहल,

## आशा कार्यकर्ताओं का सम्मान एवं विद्यार्थियों को किया जागरूक



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**महंगवा, जबलपुर।** भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट द्वारा ग्राम महंगवा में सामाजिक सेवा, शिक्षा प्रोत्साहन एवं जनजागरूकता से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 1 में आशा कार्यकर्ताओं एवं आंगनवाड़ी सहायिकाओं का सम्मान किया गया तथा छोटे बच्चों को पाठ्य सामग्री एवं बिस्किट वितरित किए गए। इस कार्यक्रम का नेतृत्व ट्रस्ट की जबलपुर संभाग अध्यक्ष श्रीमती नीतू शर्मा ने किया। वहीं, शासकीय माध्यमिक शाला, ग्राम महंगवा में विद्यार्थियों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ने एवं वित्तीय जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निःशुल्क एसबीआई बैंक खाते खुलवाने की पहल की गई। इस कार्यक्रम का नेतृत्व ट्रस्ट की प्रदेश सचिव श्रीमती अनीता दुबे ने किया। विद्यालय में विद्यार्थियों को साइबर फ्रॉड एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताए गए। उन्हें ओटीपी, बैंक खाते की गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करने तथा संदिग्ध लिंक से सावधान रहने की समझाइश दी गई। साथ ही नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में कटनी जिला उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता काछी, जिला अध्यक्ष श्री सुरेंद्र शर्मा, जिला प्रभारी श्री आनंद जायसवाल, जिला संयोजक श्री अनिल हल्दकार, सिहोरा तहसील मीडिया प्रभारी श्री नवल किशोर यादव, सदस्य श्री नितिन सोनी एवं श्री विकास काछी उपस्थित रहे। विद्यालय की ओर से प्रधानाध्यापक श्री ओ.पी. पटवा, श्री सुजीत कुशवाहा, श्री संतोष सिंह लोधी, श्री बालमुकुंद कुशवाहा एवं श्री हीरालाल झारिया सहित छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।



### राष्ट्रीय अध्यक्ष का संदेश

ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुनील सिंह यादव ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्तीय जागरूकता एवं नशामुक्ति समाज के विकास के महत्वपूर्ण आधार हैं। बच्चों को सही दिशा देना, सेवा कार्य करने वाले कर्मियों का सम्मान करना और ग्रामीण क्षेत्रों में जनजागरूकता फैलाना संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कार्यक्रम का नेतृत्व करने वाली श्रीमती अनीता दुबे एवं श्रीमती नीतू शर्मा सहित समस्त सहयोगियों के प्रयासों की सराहना की।

### राष्ट्रीय कार्यकारिणी का संयुक्त संदेश

भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट की संस्थापक श्रीमती मालती सुनील सिंह यादव, राष्ट्रीय सचिव श्री शिवम तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक डॉ. प्रेम कुमार वैद्य , राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती साधना सेठी , राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. हरीश शर्मा, राष्ट्रीय महामंत्री श्री रामवेश सिंह राजावत, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री सुरेन्द्र प्रकाश यादव , राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती मधु शर्मा , युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री कृष्णा यादव , राष्ट्रीय विधिक सलाहकार श्री इंद्रजीत सिंह चौहान, राष्ट्रीय मंत्री श्री मनीष गुप्ता, राष्ट्रीय कोर्डिनेटर श्री सुनील सेठिया,हेल्पलाइन प्रभारी युवराज सिंह राठौर एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री जीवनलाल जैन चायवाले ने संयुक्त संदेश में कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक शिक्षा, जागरूकता एवं सहायता पहुंचाना संगठन का प्रमुख उद्देश्य है। ऐसे सेवा कार्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के साथ-साथ बच्चों को जागरूक, जिम्मेदार एवं सुरक्षित नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यकारिणी ने सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से जनहित के कार्य निरंतर जारी रखने का आह्वान किया।

# भारत विकास परिषद विक्रमादित्य के 8वें पत्रकार सम्मान समारोह में संतों और विशिष्ट अतिथियों का रहा सानिध्य

## नागदा के निलेश मेहता उज्जैन में 'उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान' से अलंकृत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नागदा।** भारत विकास परिषद विक्रमादित्य, उज्जैन द्वारा दशहरा मैदान के समीप स्थित आस्था गार्डन में 8वें पत्रकार सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में पत्रकारिता के क्षेत्र में निष्पक्षता, निष्ठा और समर्पण के साथ सेवाएं देने वाले पत्रकारों का स्वागत पट्टिका एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर नागदा के फ्री प्रेस जर्नल एवं भूमिका भास्कर से जुड़े पत्रकार निलेश मेहता को उनकी उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए 'उत्कृष्ट पत्रकारिता सम्मान' से अलंकृत किया गया। समारोह स्वामी रामस्वरूप ब्रह्मचारी महाराज चारधाम मंदिर एवं पं. महेश पुजारी अध्यक्ष राष्ट्रीय पुजारी संघ एवं मुख्य पुजारी श्री महाकालेश्वर उज्जैन के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में पंजाब नेशनल बैंक, उज्जैन के मंडल प्रमुख बृजलाल गुप्ता, आईएमए उज्जैन अध्यक्ष डॉ. रूपेश खत्री, अवंतिका विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मनेश पाटिल तथा दुर्गा वाहिनी की प्रांत सचिव मानसी उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक भगवान शर्मा ने की।



### वरिष्ठ पत्रकारों का हुआ सम्मान

समारोह में भूपेंद्र भूतड़ा, नीलेश शर्मा, देवेंद्र पुरोहित, शरद पंड्या, महेंद्र सिंह बैस, निलेश मेहता, अभिजीत दुबे, राजेश वर्मा, रवि सेन, ललित सक्सेना, कमल चौहान, अमित कसेरा, शैलेष व्यास, सुभाष जोशी, अनिल पांडे, दीपक भारती, मनोज तिलक, जितेंद्र सिंह ठाकुर, गोविंद प्रजापत, अनिमेष सिंह कुशवाह, अजय पटवा, निलेश खयोरे, निलेश नागर, राहुल राठौर, शादाब अंसारी, राहुल यादव, संदीप गोस्वामी, मुरली मनोहर जोशी, जगदीश परमार, सैयद नियामत अली एवं पंकज जायसवाल सहित अन्य पत्रकारों का सम्मान किया गया। अतिथि परिचय शुभम नागर, ऊषा शर्मा एवं सरिता पाटीदार ने दिया। कार्यक्रम का संचालन तनु-रुद्रेश शर्मा ने किया तथा आभार संजीव आचार्य ने माना। आयोजन को सफल बनाने में आनंद श्रीवास्तव, सुभाष पाठक, मनीष मित्तल, प्रतीक व्यास, माया शर्मा, नीलम पाटीदार एवं रेखा पाटीदार का विशेष योगदान रहा।

### संस्था के प्रति जताया आभार

सम्मानित पत्रकार निलेश मेहता ने सम्मान के लिए भारत विकास परिषद विक्रमादित्य के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के कार्यों की सराहना कर उन्हें सम्मानित करना लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाने की दिशा में सराहनीय पहल है। उन्होंने सांस्कृतिक एवं समारोह के भव्य आयोजन के लिए समिति को बधाई दी।

# घर के बगीचे में घुसा तेंदुआ, सिर पर चोट और खून के निशान दिखने से दहशत; सुबह-सुबह सहम गए लोग

## इंदौर के क्रिसेंट वाटर पार्क के पास रिहायशी मकान में दिखाई दिया तेंदुआ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**इंदौर।** मध्य प्रदेश के इंदौर में देवगुराड़िया इलाके के क्रिसेंट वाटर पार्क के पास एक रिहायशी मकान के बगीचे में तेंदुआ दिखाई देने से इलाके में दहशत फैल गई। सुबह-सुबह घर के बगीचे में जंगली जानवर को देखकर लोग सहम गए। तेंदुए के सिर पर चोट और खून के निशान दिखाई देने की बात भी सामने आई है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद आसपास के लोगों में चिंता बढ़ गई। सूचना मिलने पर वन विभाग की बचाव दल की टीम मौके पर पहुंची और तेंदुए की तलाश शुरू कर दी। राहत की बात यह है कि घटना में किसी व्यक्ति या पालतू पशु के घायल होने की सूचना नहीं मिली है। जानकारी के अनुसार, क्रिसेंट वाटर पार्क के सामने स्थित एक मकान के बगीचे में तेंदुआ बैठा दिखाई दिया। घर के मालिक की नजर जब अचानक इस जंगली जानवर पर पड़ी तो वह हैरान रह गए। उन्होंने सावधानी बरतते हुए अपने मोबाइल से तेंदुए का वीडियो बना लिया। कुछ देर बाद तेंदुआ बगीचे से दूसरी ओर भागता दिखाई दिया। घटना का वीडियो अब सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित हो रहा है, जिसके बाद इलाके में तेंदुए की मौजूदगी को लेकर चर्चा तेज हो गई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग ने



तत्काल कार्रवाई की। इंदौर के वन मंडल अधिकारी लाल सुधाकर सिंह के अनुसार, विभाग को सुबह करीब 9:15 बजे तेंदुए के रिहायशी इलाके में दिखाई देने की सूचना मिली थी। इसके बाद बचाव दल को तुरंत घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। टीम ने मकान के बगीचे और आसपास के क्षेत्रों में तेंदुए की तलाश की। वन विभाग की टीम ने बताए गए स्थान के साथ आसपास के इलाके में भी सघन तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, शुरुआती तलाश के दौरान तेंदुए की मौजूदगी के वीडियो के अलावा कोई अन्य प्रत्यक्ष प्रमाण या उसके पैरों के निशान नहीं मिले। ऐसे में तेंदुआ फिलहाल किस स्थान पर है, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। वन विभाग की टीम आसपास के क्षेत्र पर नजर बनाए हुए है। घटनास्थल के आसपास घनी झाड़ियां और पेड़-पौधे मौजूद हैं। इसके अलावा, घटनास्थल से करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर इंदौर वन परिक्षेत्र की रणभंवर बीट स्थित है। वन विभाग के अनुसार, ऐसी संभावना है कि तेंदुआ इसी वन क्षेत्र से भटककर रिहायशी इलाके तक पहुंच गया हो। हालांकि, उसके वहां से आने की अभी पुष्टि नहीं हुई है। सिर पर चोट और खून के निशान की चर्चा के बीच तेंदुए के स्वास्थ्य को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। वन विभाग का कहना है कि तेंदुए के घायल होने की वास्तविक स्थिति उसके प्रत्यक्ष निरीक्षण या पकड़े जाने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। यदि उसके घायल होने की पुष्टि होती है, तो चिकित्सकीय उपचार की व्यवस्था कर उसे सुरक्षित तरीके से बचाया जाएगा। रिहायशी इलाके में तेंदुए की मौजूदगी को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। ऐसे में लोगों को झाड़ियों और सुनसान स्थानों के पास जाने से बचना चाहिए। तेंदुआ दिखाई देने पर उसके करीब जाने, उसे घेरने या पकड़ने की कोशिश करने के बजाय वन विभाग को सूचना देना सुरक्षित रहेगा। लहाल वन विभाग की टीम तेंदुए की तलाश में जुटी हुई है। उसके घायल होने, वर्तमान ठिकाने और रिहायशी इलाके में आने के कारणों को लेकर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है।

# जिगरी दोस्त ने पहले कार से मारी टक्कर, फिर लोहे की रॉड से हमला कर की हत्या; सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

## महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में दिनदहाड़े हुई घटना से मचा हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**छत्रपति संभाजीनगर।** महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में आपसी रंजिश के चलते हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिम से घर लौट रहे 36 वर्षीय युवक देवेश उर्फ बंटी दीक्षित पर उसके परिचित पवन पराशर ने कथित तौर पर कार से टक्कर मारने के बाद लोहे की रॉड से हमला कर दिया। इस घटना में देवेश की मौके पर ही मौत हो गई। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना से जुड़ा दृश्य सीसीटीवी कैमरे में कैद होने की बात सामने आई है। वारदात के बाद आरोपी खुद गाड़ी चलाकर सिडको पुलिस थाने पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, मृतक देवेश उर्फ बंटी दीक्षित गुरुवार को जिम में व्यायाम करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान वांखड़ेनगर निवासी 22 वर्षीय पवन पराशर कार लेकर उनके पीछे लग गया। दोनों के बीच पहले से परिचय था। पुलिस के



मुताबिक, सिडको के एन-7 क्षेत्र में मंगेश गैस एजेंसी के पास आरोपी ने देवेश के दोपहिया वाहन को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर के कारण देवेश सड़क पर गिर पड़े और उनका वाहन भी दूर जा गिरा। पुलिस की शुरुआती जानकारी के अनुसार, टक्कर मारने के बाद आरोपी मौके से आगे निकल गया, लेकिन कुछ दूरी पर कार को मोड़कर दोबारा घटनास्थल पर लौट आया। इसके बाद वह कार से उतरा और सड़क पर गिरे देवेश पर डंडे तथा लोहे की रॉड से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल देवेश की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के दौरान आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। दिनदहाड़े सड़क पर हुई इस वारदात ने स्थानीय लोगों को स्तब्ध कर दिया। सिडको थाना प्रभारी निरीक्षक अतुल के अनुसार, आरोपी ने पहले कार से टक्कर मारी और फिर वापस आकर घायल युवक पर हमला किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। वारदात से संबंधित सीसीटीवी दृश्य सामने आने की बात भी कही जा रही है, जिनकी मदद से घटनाक्रम की कड़ियों की जांच की जा रही है। घटना को अंजाम देने के बाद पवन पराशर खुद कार चलाकर सिडको पुलिस थाने पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जोन-दो के पुलिस उपायुक्त रत्नाकर नवाले समेत वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले से जुड़े तथ्यों को जुटाना शुरू किया। आरोपी के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

# धर्मांतरण पर भड़के बाबा बागेश्वर, मैहर में किया 'शक्ति मठ' बनाने का ऐलान

महानगर मेट्रो ब्यूर

**मैहर।** बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के मैहर प्रवास के दौरान धार्मिक गतिविधियों, क्रिकेट के मैदान पर उनके अनोखे अंदाज और नई धार्मिक परियोजना की घोषणा ने लोगों का ध्यान खींचा। मां शारदा की नगरी पहुंचे बाबा बागेश्वर ने धर्मांतरण के मुद्दे पर अपनी बात रखी और कहा कि देश में धर्मांतरण नहीं चलने दिया जाना चाहिए। उन्होंने हिंदू समाज से एकजुट रहने की अपील भी की। वहीं, राजनीति में प्रवेश करने की चर्चाओं को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि साधु का काम सनातन परंपरा का विस्तार करना है, राजनीति करना नहीं। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने मैहर में 'बागेश्वर बालाजी शक्ति मठ' बनाने की घोषणा भी की। पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री गुरुवार देर रात मैहर पहुंचे, जहां उनका स्वागत किया गया। इसके बाद केजेएस आवासीय परिसर में उनका अलग अंदाज देखने को मिला। यहां वह मैहर के पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के साथ क्रिकेट खेलते नजर आए। देर रात क्रिकेट के मैदान पर हुए इस खेल के दौरान दोनों ने बल्लेबाजी और गेंदबाजी में हाथ आजमाए। बाबा बागेश्वर के क्रिकेट खेलने का यह प्रसंग उनके मैहर प्रवास की चर्चा का हिस्सा बन गया। धार्मिक कार्यक्रमों के साथ खेल के मैदान पर उनकी मौजूदगी ने श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों का ध्यान आकर्षित किया। इसके बाद शुक्रवार सुबह उनका कार्यक्रम मां शारदा देवी के दर्शन के लिए निर्धारित रहा। शुक्रवार सुबह धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री त्रिकूट पर्वत स्थित मां शारदा देवी के मंदिर पहुंचे। उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया और मां का आशीर्वाद लिया। दर्शन के बाद उन्होंने सांसद गणेश सिंह और प्रधान पुजारी पवन महाराज की मौजूदगी में मंदिर के नीचे स्थित गुफा में नारियल की खोल से बने पात्र में चाय पी। मैहर की धार्मिक महत्ता और मां शारदा के प्रति श्रद्धा का उल्लेख करते हुए बाबा बागेश्वर ने यहां अपनी आगामी गतिविधियों को लेकर भी घोषणा की।



# इंदौर बनेगा मध्य प्रदेश का सेमीकंडक्टर हब, ?5,800 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले

महानगर मेट्रो ब्यूर

**इंदौर।** मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में आयोजित 'मध्य प्रदेश सेमीकंडक्टर समिट-2026' में प्रदेश के औद्योगिक विकास और तकनीकी निवेश को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं हुईं। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 2 दिवसीय समिट के दौरान लगभग 5,800 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। इनसे 10 हजार से अधिक रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद जताई गई है। आयोजन में जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान और स्वीडन सहित देश-विदेश के 1,000 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समिट के शुभारंभ सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने निवेशकों को भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार उद्योगों से जुड़ी प्रक्रियाओं को सरल बनाने और समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की प्राथमिकता निवेशकों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराना है, ताकि प्रदेश में नए उद्योग स्थापित हों और रोजगार के अवसर बढ़ें। मुख्यमंत्री ने इंदौर-उज्जैन आर्थिक गलियारे के विकास में सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और उन्नत पैकेजिंग जैसे उच्च तकनीक वाले उद्योगों को प्राथमिकता देने की घोषणा की। इससे क्षेत्र में धुनिक औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने और तकनीक आधारित निवेश आकर्षित करने की दिशा में काम किया जाएगा। समिट के दौरान मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2025 का जापानी, ताइवानी और कोरियाई भाषाओं में विमोचन किया। इसका उद्देश्य विदेशी निवेशकों को प्रदेश की नीति और निवेश संबंधी प्रावधानों को समझने में आसानी उपलब्ध कराना है। वहीं, आईआईटी इंदौर की दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित 'एमपी सेमीकॉन स्टार्टअप चैलेंज' के विजेताओं को कुल 6 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। इसमें प्रथम पुरस्कार के रूप में 3 लाख, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 2 लाख और तृतीय पुरस्कार के रूप में 1 लाख रुपये प्रदान किए गए। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में कौशल विकास, चिप डिजाइन और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल, सेमी इंडिया, एससीएल मोहाली, इंटरनेशनल सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री ग्रुप और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज सहित विभिन्न संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन किए गए। इन समझौतों के माध्यम से उद्योगों की जरूरत के अनुरूप कुशल कार्यबल तैयार करने, तकनीकी सहयोग बढ़ाने और अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया जाएगा। समिट में ग्वालियर, भोपाल और इंदौर में औद्योगिक परियोजनाएं स्थापित करने के लिए 5 कंपनियों को भूमि आवंटन के आशय पत्र भी दिए गए। इन परियोजनाओं में कुल 9,625 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। इनमें ग्वालियर में हाइपरस्केल डेटा सेंटर और भोपाल में लिथियम सेल विनिर्माण इकाई जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, इंदौर के परदेशीपुरा स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स में एडीटी सेमीकंडक्टर्स और स्पिंट्रॉनिक्स एआई सहित 7 कंपनियों को कार्यालय और औद्योगिक गतिविधियों के लिए स्थान उपलब्ध कराने के आशय पत्र दिए गए। इन कंपनियों से 1,280 से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।



mahangarmetro.com
महानगर मेट्रो
अहमदाबाद, (रविवार)
25 अक्टूबर 2026



## दिल्ली में सरकारी स्कूलों की किताबों की खरीद पर AAP-BJP आमने-सामने

महानगर मेट्रो ब्यूरो



**नई दिल्ली।** दिल्ली के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों को मुफ्त वितरित की जाने वाली किताबों की खरीद और उनकी गुणवत्ता को लेकर आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने किताबों की छपाई और खरीद प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए रेखा गुप्ता सरकार पर आरोप लगाए हैं। वहीं, दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने इन आरोपों को खारिज करते हुए सरकार का पक्ष रखा और पिछली सरकार के कार्यकाल में हुए कथित घोटालों को लेकर भी सवाल उठाए। सौरभ भारद्वाज ने पत्रकार वार्ता में दावा किया कि सरकारी स्कूलों के लिए किताबों की छपाई में लगभग 40 प्रतिशत तक कमीशन होने की आशंका है। उन्होंने बाजार में उपलब्ध राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की किताबों और दिल्ली सरकार की निविदा के तहत छापी गई किताबों की तुलना करते हुए कागज की गुणवत्ता, आकार और छपाई पर सवाल उठाए। उन्होंने किताबों की खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर भी चिंता जताई। इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि वह शिक्षा विभाग पर लगाए गए आरोपों का जवाब देने आए हैं। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन लोगों ने अपने 10 साल के शासन में कथित तौर पर घोटाले किए, उन्हें हर जगह घोटाला ही नजर आता है। मंत्री ने पिछली सरकार के कार्यकाल में 5,400 करोड़ रुपये के कथित घोटाले को जल्द जनता के सामने लाने की बात भी कही। हालांकि, इस मामले में लगाए गए आरोपों की पुष्टि के लिए संबंधित तथ्यों और अभिलेखों की जांच आवश्यक है। किताबों के आकार, कीमत और गुणवत्ता को लेकर उठाए गए सवालों पर सूद ने कहा कि 'मल्हार' किताब की खरीद केवल 20 रुपये 61 पैसे में की गई, जबकि राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद इसे 65 रुपये में बेचती है। उन्होंने यह भी कहा कि परिषद ने इस वर्ष अपनी किताब में बदलाव किया है। इसके अलावा, गृह विज्ञान की जिस किताब को लेकर सवाल उठाए गए हैं, वह वर्ष 2022 में प्रकाशित हुई थी।

## रविवार 25 अक्टूबर को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत, 2.5 लाख मामलों का होगा निपटारा



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** रविवार, 25 अक्टूबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें लगभग 2.5 लाख लंबित मामलों का निपटारा किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इनमें करीब 2 लाख यातायात चालान शामिल हैं। दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने लोक अदालत की तारीख में बदलाव करते हुए इसे 25 अक्टूबर निर्धारित किया था। पहले राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 10 अक्टूबर को होना था, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय की ओर से उस दिन निचली अदालतों के लिए कार्यदिवस घोषित किए जाने के बाद तारीख बदल दी गई। इस संबंध में दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव ने 9 सितंबर को अधिसूचना जारी की थी। लोक अदालत के आयोजन के लिए लगभग 337 से 340 पीठों के गठन की व्यवस्था की गई है। यातायात चालान अपलोड करने के लिए 19 अक्टूबर को विशेष कड़ी जारी की गई थी। इस कड़ी के माध्यम से प्रतिदिन अधिकतम 50 हजार चालान अपलोड किए जा सकते थे। चालानों के निपटारे की प्रक्रिया और समय पहले की तरह ही निर्धारित रहेंगे। राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन तीस हजारी, कड़कड़डूमा, पटियाला हाउस, रोहिणी, साकेत, द्वारका और राउज एवेन्यू सहित दिल्ली के प्रमुख जिला अदालत परिसरों में किया जाएगा। इसके अलावा दिल्ली उच्च न्यायालय, ऋण वसूली न्यायाधिकरण, स्थायी लोक अदालत तथा दिल्ली राज्य और जिला उपभोक्ता आयोगों में भी मामलों का निपटारा किया जाएगा। लोक अदालत में ऐसे दीवानी और आपराधिक मामलों को लिया जाएगा, जिनका कानून के तहत आपसी सहमति से समझौता किया जा सकता है। इसका उद्देश्य पक्षकारों को सरल और शीघ्र न्याय उपलब्ध कराना तथा अदालतों में लंबित मामलों की संख्या कम करना है। हालांकि, तलाक से जुड़े वैवाहिक विवाद इस लोक अदालत में शामिल नहीं होंगे।

## त्रिपुरा के युवक पर नस्लीय टिप्पणी का मामला: आमिर शौकीन को 5 दिन की पुलिस हिरासत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** त्रिपुरा के एक युवक के खिलाफ कथित तौर पर नस्लीय और अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में गिरफ्तार दिल्ली के युवक आमिर शौकीन को अदालत ने 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। आरोपी को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति मामलों की विशेष अदालत में पेश किया गया था। मामले की जांच के बीच त्रिपुरा पुलिस की एक टीम भी उसे अपनी हिरासत में लेने के लिए दिल्ली पहुंची है। पुलिस के अनुसार, आमिर शौकीन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 192, 196, 352 और 353 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह मामला दिल्ली के सदर बाजार थाने में दर्ज हुआ। इसके अलावा त्रिपुरा में भी उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस मामले से जुड़े वीडियो और अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। आरोप है कि आमिर शौकीन ने सामाजिक माध्यम पर साझा किए गए एक वीडियो में त्रिपुरा के एक आदिवासी युवक के खिलाफ नस्लीय और अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। वीडियो सामने आने के बाद विवाद बढ़ गया और कार्रवाई की मांग उठी। आरोपों के अनुसार, वीडियो में युवक की शक्ल की तुलना विदेशी हस्तियों से की गई और त्रिपुरा राज्य के नाम को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की गई थी। मामले में लगाए गए आरोपों की जांच जारी है। आमिर के भाई मोहम्मद वसीम राजा ने भी उस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनके दावे के अनुसार, आमिर कथित तौर पर जबरन वसूली और संपत्तियों पर कब्जा करने जैसी गतिविधियों में शामिल रहा है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है और इन्हें जांच के आधार पर ही देखा जाना चाहिए। आमिर शौकीन सामाजिक माध्यमों पर सड़क किनारे हास्य और मजाक से जुड़े वीडियो बनाता है। उसके इंस्टाग्राम खाते पर करीब 1.42 लाख से अधिक अनुयायी बताए जाते हैं। गिरफ्तारी से पहले उसने दो माफी वाले वीडियो भी साझा किए थे। उनमें उसने दावा किया था कि विवादित वीडियो पहले से लिखी गई पटकथा के आधार पर बनाया गया था। फिलहाल, मामले में पुलिस जांच जारी है। दिल्ली पुलिस के साथ-साथ त्रिपुरा पुलिस भी प्रकरण से जुड़े तथ्यों की पड़ताल कर रही है। आगे की कार्रवाई जांच में सामने आने वाले साक्ष्यों और कानूनी प्रक्रिया के आधार पर होगी।



# दिल्ली विश्वविद्यालय की 56 सदस्यीय युवा संगम टीम तमिलनाडु के लिए रवाना भारत कार्यक्रम के तहत 24 अक्टूबर से 2 नवंबर तक शैक्षणिक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' कार्यक्रम के अंतर्गत युवा संगम फेज-7 के तहत दिल्ली विश्वविद्यालय की 56 सदस्यीय टीम शनिवार को तमिलनाडु के लिए रवाना हुई। दिल्ली विश्वविद्यालय के गांधी भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में दक्षिणी परिसर की निदेशक प्रो. रजनी अब्बी और शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने टीम को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह दल 24 अक्टूबर से 2 नवंबर तक केंद्रीय विश्वविद्यालय तमिलनाडु के नेतृत्व में राज्य के विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व के स्थलों का भ्रमण करेगा। इस अवसर पर शिक्षा मंत्रालय के श्रीयंश मोहन, डॉ. नरेश ग्रोवर, निदेशक (एआईसीटी), विदेश मंत्रालय के निदेशक जय सिंह और दिल्ली विश्वविद्यालय युवा संगम फेज-7 के नोडल अधिकारी एवं गांधी भवन के निदेशक प्रो. के.पी. सिंह सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक सद्भाव का संदेश देने वाले नारे लगाए। करीब आधे घंटे तक चले



इस आयोजन से गांधी भवन परिसर गूंज उठा। विद्यार्थियों ने 'अनेकता में एकता, यही है भारत की विशेषता' और 'अलग-अलग भाषा, अलग वेश, युवा संगम एक संदेश' जैसे नारों के माध्यम से देश की विविधता और एकता का संदेश दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. योगेश सिंह और रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता ने भी विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं सुखद यात्रा के लिए



शुभकामनाएं दीं। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत ऐसे कार्यक्रम युवाओं को देश की संस्कृति, साहित्य और समाज से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल का उद्देश्य विभिन्न राज्यों की भाषाओं, परंपराओं, कला, खान-पान और जीवनशैली के प्रति समझ विकसित करना तथा आपसी सहयोग और राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करना है। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि युवा संगम जैसी पहल से विद्यार्थियों में राष्ट्रीय एकता, भाईचारे, सद्भाव और देशभक्ति की भावना को बढ़ावा मिलता है।



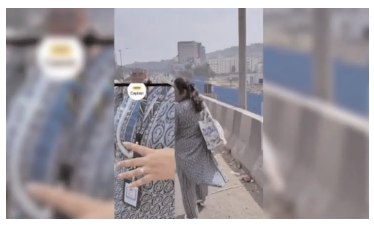
विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों को एक-दूसरे की संस्कृति और परंपराओं को करीब से जानने का अवसर मिलता है। इससे विविधता में एकता के भारतीय आदर्श को मजबूत करने के साथ राष्ट्र की प्रगति में युवाओं की भागीदारी भी बढ़ती है। गांधी भवन के संयुक्त निदेशक प्रो. हंसराज सुमन ने बताया कि इस यात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों को भारत की सांस्कृतिक विविधता और साझा विरासत को समझने का अवसर मिलेगा। कार्यक्रम पांच प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित है, जिनमें पर्यटन, परंपरा, प्रगति, परस्पर संपर्क और प्रौद्योगिकी शामिल हैं।

# बीच रास्ते उतारा, फिर वीडियो बनाकर किया वायरल, पुणे में कैब चालक के खिलाफ शिकायत दर्ज

### महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर पूजा साव की शिकायत पर बावधन पुलिस ने अदखलपात्र मामला दर्ज किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पुणे।** महाराष्ट्र के पुणे में एक महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर और बाइक टैक्सी चालक के बीच रास्ते को लेकर हुआ विवाद अब पुलिस तक पहुंच गया है। महिला ने चालक पर उन्हें उनकी निर्धारित मंजिल तक पहुंचाने के बजाय बीच रास्ते में उतारने की कोशिश करने, बहस के दौरान उनका वीडियो बनाने और उसे सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित करने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि वीडियो प्रसारित होने से उनकी छवि को नुकसान पहुंचा। शिकायत मिलने के बाद बावधन पुलिस ने मामले में अदखलपात्र अपराध दर्ज किया है। शिकायतकर्ता पूजा दीपक साव, 42 वर्ष, एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। शिकायत के अनुसार, उन्होंने दोपहर करीब 1 बजे हिंजवड़ी स्थित अपने कार्यालय जाने के लिए एमएच-12-वाईबी-4831 क्रमांक की बाइक टैक्सी बुक की थी। यात्रा के दौरान रास्ते को लेकर महिला और चालक के बीच असहमति हो गई। महिला ने चालक से सनीज वर्ल्ड, सुस की ओर से वाहन लेने को कहा, लेकिन चालक ने



उनकी बात मानने से इनकार कर दिया। चालक का कहना था कि वह वाहन उसी रास्ते से ले जाएगा, जो कंपनी के आवेदन में दिखाया गया है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। महिला के आरोप के मुताबिक, विवाद बढ़ने पर चालक ने बावधन पुल के पास वाहन रोक दिया और उन्हें नीचे उतरने के लिए कहा। चालक ने उनसे यात्रा का किराया भी मांगा। महिला का कहना है कि जब उन्हें उनकी मंजिल तक पहुंचाए बिना बीच रास्ते में उतरने के लिए कहा गया, तो उन्होंने किराया देने से इनकार कर दिया। इसके बाद दोनों के बीच बहस और तेज हो गई। पूजा साव ने आरोप लगाया कि इसी विवाद के दौरान चालक ने उनका वीडियो बना लिया। बाद में यह वीडियो सामाजिक माध्यमों पर प्रसारित कर दिया गया। महिला के अनुसार, वीडियो सार्वजनिक होने से उनकी बदनामी हुई और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। उन्होंने इस पूरे मामले को लेकर बावधन पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई और चालक के व्यवहार पर आपत्ति जताई। बावधन पुलिस के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अरविंद पवार ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर अदखलपात्र अपराध दर्ज किया गया है। मामले में सामने आए आरोपों और घटनाक्रम की जांच की जाएगी। फिलहाल, वीडियो बनाए जाने और उसे प्रसारित किए जाने से जुड़े आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के निष्कर्षों के आधार पर ही हो सकेगी। इस घटना के बाद एक बार फिर किराये पर चलने वाली बाइक और अन्य यात्री वाहन सेवाओं में यात्रियों के साथ होने वाले व्यवहार को लेकर सवाल उठने लगे हैं। यात्रा के दौरान रास्ते, किराये या अन्य किसी बात पर असहमति होने की स्थिति में विवाद को उचित तरीके से सुलझाना जरूरी है। वहीं, किसी विवाद का वीडियो बनाकर उसे सार्वजनिक करने के आरोप यात्रियों की निजता और सम्मान से जुड़े सवाल भी खड़े करते हैं।

# मॉर्निंग वॉक पर निकले शख्स को मर्सिडीज ने मारी टक्कर, मौत के बाद चालक फरार; सीसीटीवी में कैद हुआ हादसा

### महाराष्ट्र के कल्याण में सुबह की सैर पर निकले सुनील कोली की सड़क हादसे में गई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**कल्याण।** महाराष्ट्र के ठाणे जिले के कल्याण में सुबह की सैर पर निकले एक व्यक्ति की मर्सिडीज कार की टक्कर से मौत हो गई। हादसा निकी नगर इलाके में हुआ, जहां कार की चपेट में आने से सुनील कोली की जान चली गई। घटना के बाद कार चालक घायल व्यक्ति की मदद करने या मौके पर रुकने के बजाय वहां से फरार हो गया। यह पूरा हादसा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गया। घटना का दृश्य सामने आने के बाद मामले में कई अहम जानकारियां सामने आई हैं। खड़कपाड़ा पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना गुरुवार सुबह की है। सुनील कोली रोजमर्रा की तरह सुबह की सैर के लिए निकले थे। इसी दौरान निकी नगर इलाके में एक मर्सिडीज कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुनील उछलकर सड़क किनारे बने सजावटी मेहराब की ओर जा गिरे।



अचानक हुए इस हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हालांकि, कार चालक मौके पर रुकने के बजाय वहां से निकल गया। हादसे के बाद सुनील की मौत से उनके परिवार और परिचितों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। खड़कपाड़ा पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि शुरुआती दौर में सुनील कोली की मौत को लेकर यह आशंका जताई जा रही थी कि कहीं उन्हें अचानक कोई चिकित्सकीय परेशानी तो नहीं हुई थी। उस समय मौत की परिस्थितियों को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं थी। बाद में जब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सामने आई, तो घटनाक्रम की जानकारी मिली। फुटेज में कार की टक्कर और उसके बाद सुनील के सड़क किनारे जा गिरने की घटना कैद होने की बात सामने आई। इससे मामले की जांच को आगे बढ़ाने में मदद मिली। घटना के बाद कार चालक का मौके से फरार होना भी जांच का अहम पहलू बन गया है। सड़क दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति की सहायता करना और पुलिस को सूचना देना बेहद जरूरी होता है, लेकिन इस मामले में चालक के घटनास्थल से चले जाने का आरोप है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि दुर्घटना किन परिस्थितियों में हुई और कार कौन चला रहा था। इसके लिए सीसीटीवी फुटेज सहित उपलब्ध साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और फरार चालक की पहचान कर उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। जांच के दौरान दुर्घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी पड़ताल की जाएगी।

# टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग में इस्तेमाल 2 पिस्टल सूरत से बरामद, मुंबई पुलिस ने फोरेंसिक लैब में जांच के लिए भेजा

### टाइगर श्रॉप के ऊपर फायरिंग में इस्तेमाल की गई 2 बंदूकें बरामद कर ली गई हैं।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** अभिनेता टाइगर श्रॉफ की कार पर हुई फायरिंग के मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच को अहम सफलता मिली है। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल की गई 2 पिस्टल गुजरात के सूरत से बरामद कर जब्त कर ली हैं। अब इन हथियारों को फोरेंसिक जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा, ताकि उनसे जुड़े अहम साक्ष्य जुटाए जा सकें। जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, हमलावरों ने वारदात को अंजाम देने के बाद फरार होते समय इन हथियारों को सूरत में छिपा दिया था। हालांकि, पिस्टल किस स्थान से और किसके कब्जे से बरामद की गई, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। हथियारों की बरामदगी को मामले की जांच में महत्वपूर्ण कड़ी माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार, 18 अक्टूबर को मुंबई के जुहू इलाके में टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग की घटना हुई थी। बताया गया कि अभिनेता फुटबॉल खेलने के बाद पुष्पा नरसी ग्राउंड से अपनी कार में रवाना हो रहे थे। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार हमलावरों ने उनकी



कार को निशाना बनाते हुए गोलियां चलाईं। इस घटना में टाइगर श्रॉफ सुरक्षित बच गए, जबकि उनके चालक फिरदौस गोली लगने से घायल हो गए थे। अचानक हुई फायरिंग से इलाके में हड़कंप मच गया था। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मोटरसाइकिल से मौके से फरार हो गए। पुलिस की जांच में सामने आया कि वारदात के बाद संदिग्धों ने पुलिस से बचने के लिए अलग-अलग रास्तों का सहारा लिया। बताया गया कि वे मोटरसाइकिल से भागने के बाद ट्रेन और टैक्सी के जरिए अलग-अलग स्थानों पर पहुंचे। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुंबई पुलिस और क्राइम ब्रांच ने जांच तेज की। संदिग्धों की पहचान, उनके आवागमन और हथियारों की व्यवस्था से जुड़े पहलुओं की पड़ताल की गई। इसी जांच के दौरान राजस्थान के कोटा से 3 संदिग्ध शूटरों रेहान, फूल सिंह और ऋतिक कुमार को गिरफ्तार किए जाने की जानकारी सामने आई थी। शुरुआती गिरफ्तारियों के बाद पुलिस ने कथित तौर पर हथियार उपलब्ध कराने और उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने में शामिल लोगों की भूमिका की भी जांच शुरू की। इसी सिलसिले में दिल्ली और सोनीपत से भी गिरफ्तारियां हुई। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, इस मामले में अब तक कुल 10 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस की जांच का दायरा केवल फायरिंग करने वाले संदिग्धों तक सीमित नहीं है, बल्कि हथियारों की आपूर्ति, आरोपियों के आपसी संपर्क और वारदात से पहले तथा बाद की गतिविधियों की भी पड़ताल की जा रही है। मुंबई क्राइम ब्रांच के सूत्रों के अनुसार, लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े बताए जा रहे रणदीप मलिक ने कथित तौर पर रेहान की मुलाकात अनिल पंडित से करवाई थी। वहीं, एक अन्य आरोपी कुणाल के भी रणदीप मलिक के माध्यम से अनिल पंडित के संपर्क में आने का संदेह जताया गया है।

## 500 करोड़ रुपये किसकी जेब में गए, प्रियंका चतुर्वेदी ने उठाए सवाल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** महाराष्ट्र की राजनीति में 500 करोड़ रुपये से जुड़े एक कथित ऑडियो क्लिप ने सत्ताधारी महायुति गठबंधन के भीतर विवाद को हवा दे दी है। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल की ओर से जारी इस क्लिप में कथित तौर पर दावा किया गया है कि उन्हें चुनाव के दौरान 'संभालने' के लिए एकनाथ शिंदे के माध्यम से 500 करोड़ रुपये दिए गए थे। इस दावे को लेकर भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेताओं के बीच सवाल-जवाब का दौर शुरू हो गया है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को घोषणा की कि ऑडियो क्लिप की फोरेंसिक जांच कराई जाएगी, ताकि उसकी सत्यता और उससे जुड़े तथ्यों का पता लगाया जा सके। इस विवाद के बीच शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी सवाल उठाते हुए इसे एकनाथ शिंदे को राजनीतिक रूप से कमजोर करने की कोशिश से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि दशहरा रैली में शिंदे खेमे की ओर से उन्हें दोबारा मुख्यमंत्री के रूप में देखने की बात कही गई थी, लेकिन इसके कुछ ही दिनों बाद उनके खिलाफ साजिश रचे जाने से जुड़ा विवाद सामने आ गया। प्रियंका चतुर्वेदी ने सवाल किया कि कथित 500 करोड़ रुपये आखिर किसकी जेब में गए। प्रियंका चतुर्वेदी ने अपने संदेश में महाराष्ट्र के मौजूदा हालात का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य सूखे की समस्या से जूझ रहा है और किसान परेशान हैं, जबकि सत्ताधारी गठबंधन के भीतर आपसी खींचतान सामने आ रही है। उनके अनुसार, इस तरह के विवादों का असर शासन व्यवस्था पर भी पड़ सकता है। हालांकि, 500 करोड़ रुपये के कथित लेनदेन और एकनाथ शिंदे को निशाना बनाए जाने के दावों की अभी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इन आरोपों की वास्तविकता जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। विवाद की एक वजह दशहरा रैली में शिंदे खेमे के एक मंत्री की ओर से दिया गया बयान भी बताया जा रहा है। मंत्री ने कहा था कि वे एकनाथ शिंदे को फिर से मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं और उनके मुख्यमंत्री बनने के रास्ते में आने वालों को हटा दिया जाएगा। प्रियंका चतुर्वेदी ने इसी बयान को कथित ऑडियो क्लिप से जुड़े घटनाक्रम के साथ जोड़कर सवाल उठाए।



## भिवंडी वेयरहाउस का लाइसेंस निलंबित; 33 लाख रुपये के एक्सपायरी और खराब खाद्य पदार्थ मिलने का मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** महाराष्ट्र में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और सुरक्षा को लेकर खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने भिवंडी स्थित क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट के खाद्य व्यवसाय लाइसेंस को निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई वेयरहाउस में बड़ी संख्या में ऐसे खाद्य उत्पादों का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के बाद की गई, जिन्हें समाप्त अवधि वाला, खराब या अस्वीकृत बताया गया है। अधिकारियों के अनुसार, इन उत्पादों की कुल कीमत 32.71 लाख रुपये से अधिक है। मामले में कंपनी के प्रमुख कर्मचारियों सहित कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है। प्रशासन को आशंका है कि ऐसे उत्पादों का उचित निस्तारण नहीं होने पर उनके दोबारा बाजार में पहुंचने और ग्राहकों तक बिकने का जोखिम पैदा हो सकता है। एफडीए की ओर से 21 अक्टूबर को भिवंडी स्थित वेयरहाउस में जांच की गई थी। जांच के दौरान सामने आया कि करीब 18,405 खाद्य उत्पाद समाप्त अवधि वाले, खराब अथवा अस्वीकृत श्रेणी में थे। अधिकारियों के मुताबिक, कंपनी इन उत्पादों की शुरुआत से अंत तक की जानकारी उपलब्ध नहीं करा सकी। साथ ही, ऐसा कोई पर्याप्त रिकॉर्ड भी प्रस्तुत नहीं किया गया, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि इन उत्पादों को नियमानुसार नष्ट कर दिया गया था। खाद्य कारोबार में ऐसे उत्पादों का रिकॉर्ड रखना और उनकी सुरक्षित तरीके से पहचान कर निस्तारण करना महत्वपूर्ण माना जाता है, ताकि अनुपयोगी खाद्य सामग्री किसी भी स्थिति में दोबारा बिक्री के लिए उपलब्ध न हो सके। जांच में रिकॉर्ड से जुड़ी गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद एफडीए ने संबंधित परिसर में लाइसेंस के अंतर्गत संचालित सभी गतिविधियों को तत्काल रोकने का आदेश दिया। लाइसेंस निलंबित किए जाने से भिवंडी स्थित इस परिसर में संबंधित खाद्य कारोबार पर रोक लग गई है। अधिकारियों का कहना है कि समाप्त अवधि वाले या अस्वीकृत उत्पादों के निस्तारण में पारदर्शिता जरूरी है। यदि ऐसे उत्पादों की आवाजाही और अंतिम निस्तारण का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होता, तो यह पता लगाना कठिन हो जाता है कि वे वास्तव में नष्ट किए गए या किसी अन्य माध्यम से बाजार में पहुंच सकते हैं। लाइसेंस निलंबन के बाद एफडीए ने भिवंडी तालुका पुलिस थाने में ब्लिंकिट से जुड़े प्रमुख कर्मचारियों और अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। इनमें कंपनी के एक पूर्णकालिक निदेशक, परिसर के प्रबंधक और सामान के कबाड़ अथवा अपशिष्ट निस्तारण से जुड़े कई विक्रेताओं के नाम शामिल बताए गए हैं। जांच एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि वेयरहाउस में रखे गए अनुपयोगी खाद्य उत्पादों के निस्तारण की जिम्मेदारी किन लोगों के पास थी और रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होने के पीछे क्या कारण रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इनमें धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश से संबंधित आरोप भी शामिल बताए गए हैं। इसके अतिरिक्त, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 59(1) का भी उल्लेख किया गया है।



## क्रांट म्यूच्यूअल फंड ने पेश किया सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स

### निवेशकों को चांदी में निवेश का एक सुलभ और पारदर्शी माध्यम मिलेगा

**नई दिल्ली ।**

क्रांट म्यूच्यूअल फंड ने निवेशकों के लिए अपनी एक नई योजना क्रांट सिल्वर ईटीएफ फंड ऑफ फंड्स शुरू करने की घोषणा की है। यह एक खुली-समाप्त योजना है जो उन निवेशकों को लक्षित करती है जो सीधे कमोडिटी बाजार में उतरे बिना चांदी के मूल्य में होने वाली वृद्धि का लाभ उठाना चाहते हैं। यह फंड मुख्य रूप से चांदी के एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) की यूनिट्स में पूंजी का निवेश करेगा, जिससे निवेशकों को चांदी में निवेश का एक सुलभ और पारदर्शी माध्यम मिलेगा। नए फंड ऑफर (एनएफओ) अवधि के दौरान निवेशक न्यूनतम 5,000 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं, जिसके बाद 1 रुपये के गुणक में कोई भी अतिरिक्त राशि लगाई जा सकती है। इस फंड का 95 से 100 प्रतिशत हिस्सा सिल्वर ईटीएफ में लगाया जाएगा, जबकि शेष 5 प्रतिशत तक नकदी और सरकारी ऋण पत्रों में रखा जाएगा ताकि दैनिक तरलता बनी रहे। फंड का प्रदर्शन घरेलू बाजार में भौतिक चांदी की कीमतों के आधार पर मापा जाएगा। इस योजना में निवेश पर कोई एंट्री शुल्क नहीं लिया जाएगा। हालांकि, यदि कोई निवेशक आवंटन की तारीख से 15 दिनों के भीतर अपनी यूनिट्स को वापस बेचता है, तो उस पर 1 प्रतिशत का एग्जिट लोड लागू होगा। 15 दिनों की अवधि समाप्त होने के पश्चात पैसे निकालने पर कोई शुल्क देय नहीं होगा। फंड का प्रबंधन एक विशेषज्ञ टीम द्वारा किया जाएगा जो बाजार के उतार-चढ़ाव को ध्यान में रखते हुए परिसंपत्तियों का आवंटन करेगी।

## बाजार में भूचाल- 20 महीने का सबसे खराब रहा बीता सप्ताह

### निवेशकों के 20 लाख करोड़ स्वाहा

**नई दिल्ली ।**

भारतीय शेयर बाजार ने हाल ही में समाप्त हुए कारोबारी सप्ताह में पिछले 20 महीनों की सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की। वैश्विक तनाव, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और कंपनियों के उच्च मूल्यांकन के चलते बाजार में चौतरफा बिकवाली हावी रही, जिसका सबसे बुरा असर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों पर पड़ा। चार कारोबारी सत्रों वाले इस हफ्ते में, निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 5.6 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स 7.3 फीसदी लुढ़क गया। सप्ताह के अंतिम दिन शुक्रवार को मुख्य सूचकांक निफ्टी 123 अंक गिरकर 22,600 और सेंसेक्स 125 अंक टूटकर 73,123 के स्तर पर बंद हुआ। इस तेज बिकवाली के कारण भारतीय शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण एक ही सप्ताह में 20.6 लाख करोड़ रुपये घटकर साफ हो गया। इसमें सबसे बड़ा नुकसान छोटी और मध्यम कंपनियों के निवेशकों को हुआ, जिनकी संपत्ति में लगभग 8.9 लाख करोड़ रुपये की कमी आई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, यह गिरावट घरेलू आर्थिक परिस्थितियों के कारण नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों के 115 डॉलर प्रति बैरल के पार जाने और भू-राजनीतिक अनिश्चितता के कारण आई है। ब्रोकिंग और धन प्रबंधन संस्थानों के शेयरों में भी इस दौरान 4 से 5 प्रतिशत तक की बड़ी गिरावट देखी गई। कमजोर रुपये ने डॉलर के मुकाबले विदेशी निवेशकों की बिकवाली को और तेज किया।

## एयरटेल ने एक विशेष एंटरटेनमेंट पैक पेश किया

### यूजर्स को मिलेगा 28 दिनों तक विज्ञापन-मुक्त कंटेंट

**नई दिल्ली।**

दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल ने अपने प्रीपेड ग्राहकों को प्रीमियम डिजिटल मनोरंजन का बेहतर अनुभव देने के लिए वैश्विक वीडियो प्लेटफॉर्म यूट्यूब के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस कदम के तहत, एयरटेल ने एक विशेष एंटरटेनमेंट पैक पेश किया है, जो यूजर्स को यूट्यूब प्रीमियम की सुविधा प्रदान करेगा। यह विशेष सेवा 200 रुपए के डिजिटल टॉप-अप पैक के रूप में उपलब्ध होगी, जिसके साथ ग्राहकों को 30 जीबी अतिरिक्त हाई-स्पीड डेटा भी मिलेगा। यह पैक 28 दिनों की वैधता के साथ आता है। यूट्यूब प्रीमियम के तहत, उपयोगकर्ता बिना किसी विज्ञापन के वीडियो देख सकेंगे, साथ ही बैकग्राउंड प्ले, ऑफलाइन डाउनलोड और यूट्यूब म्यूजिक प्रीमियम का भी निर्बाध आनंद ले पाएंगे। ग्राहक एयरटेल ऐप के रिवॉर्ड्स सेक्शन के माध्यम से आसानी से इस सेवा को सक्रिय कर सकते हैं। यह सुविधा किसी भी सक्रिय प्रीपेड प्लान वाले ग्राहकों के लिए मान्य होगी।

# शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा

### विदेशी निवेशकों की बिकवाली और कमजोर बैंकिंग शेयरों ने बढ़ाया दबाव

**मुंबई ।**

भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता सप्ताह काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। सप्ताह के पहले दिन शुरुआती गिरावट से उबरने की कोशिश करने वाले सेंसेक्स और निफ्टी पर बाद में निजी बैंकिंग शेयरों में कमजोरी, कंपनियों के निराशाजनक नतीजों, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव का दबाव हावी रहा।

सप्ताह के अंत में आई रिकवरी भी बाजार को नुकसान से नहीं बचा सकी। विदेशी निवेशकों की बिकवाली और रुपये में कमजोरी ने निवेशकों की चिंता बढ़ाई। सप्ताह की शुरुआत में सेंसेक्स एक समय 470 अंक से अधिक टूट गया, जबकि निफ्टी भी 23,000 के स्तर से नीचे आ गया।

हालांकि, भारतीय स्टेट बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में खरीदारी से बाजार को कुछ सहारा मिला। इसके बावजूद निजी बैंकिंग शेयरों में कमजोरी और कंपनी आय से जुड़ी चिंताओं के कारण सेंसेक्स 876.37 अंक




गिरकर 73,852.90 पर बंद हुआ। निफ्टी 257.20 अंक टूटकर 22,888.95 पर आ गया। मंगलवार को विजयादशमी के अवसर पर बाजार बंद रहा। बुधवार को कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 650 अंक से अधिक चढ़ा, जबकि निफ्टी ने 23,000 का स्तर पार किया।

## मैकडॉनल्ड्स ऑपरेटर वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड को 2.7 करोड़ का घाटा

### परिचालन राजस्व 642 करोड़ रुपए से बढ़कर 747 करोड़ रुपए पहुंचा

**नई दिल्ली ।**

मैकडॉनल्ड्स के पश्चिमी और दक्षिणी भारत के कारोबार का संचालन करने वाली वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड लिमिटेड को वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही में 2.7 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में दर्ज 37 करोड़ रुपए के लाभ से एक महत्वपूर्ण बदलाव है। हालांकि, कंपनी ने इस दौरान परिचालन राजस्व में 16.4 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए इसे 747 करोड़ रुपए तक पहुंचाया।

यह घाटा मुख्य रूप से अन्य वित्तीय एवं गैर-परिचालन खर्चों के दबाव के कारण हुआ है। कंपनी की स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, परिचालन राजस्व एक साल पहले की समान अवधि के 642 करोड़ रुपए से बढ़कर 747 करोड़ रुपए हो गया। कंपनी का परिचालन प्रदर्शन अपेक्षाकृत मजबूत रहा, जिसमें ए बिटा सालाना आधार पर 39.2 प्रतिशत बढ़कर 94 करोड़ रुपए पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष यह 67.3 करोड़ रुपए था। इसी दौरान ए बिटा मार्जिन 10.5 प्रतिशत से बढ़कर 12.5 प्रतिशत हो गया।

तिमाही के दौरान, वेस्टलाइफ फूडवर्ल्ड ने अपने नेटवर्क का विस्तार करते हुए 11 नए रेस्तरां जोड़े, जिससे उसके कुल आउटलेट्स की संख्या 80 शहरों में 492 हो गई है। मैकडॉनल्ड्स ऐप के कुल डाउनलोड 5.8 करोड़ के पार पहुंच गए और मासिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं की संख्या लगभग 42 लाख हो गई।

## दुनिया पर कब्जे की रणनीति ड्रैगन पर पड़ रही भारी

### - निर्यात बढ़ा फिर भी कंपनियां घाटे में

**बीजिंग।**

चीन के औद्योगिक उत्पादन और निर्यात की ताकत दुनिया भर के देशों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। अमेरिका समेत कई देशों के नीति-निर्माताओं को आशंका है कि चीनी सामान की बाढ़ उनके घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचा सकती है, रोजगार घटा सकती है और महत्वपूर्ण उत्पादों के लिए उन्हें चीन पर निर्भर बना सकती है। लेकिन चीन की औद्योगिक ताकत के पीछे एक विरोधाभास भी उभर रहा है।

देश की कई फैक्ट्रियां बड़े पैमाने पर उत्पादन और निर्यात करने के बावजूद मुनाफा कमाने में नाकाम हो रही हैं। लंदन स्थित शोध संस्था कैपिटल इकोनॉमिक्स के अनुसार, चीन की उन औद्योगिक कंपनियों का अनुपात, जो घाटे में चल रही हैं, 2018 के मुकाबले दोगुना होकर इस साल 30 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यानी औद्योगिक क्षेत्र की करीब हर तीन में से एक कंपनी नुकसान उठा रही है। चीन की कंपनियों के लिए समस्या यह है कि निर्यात बढ़ने के बावजूद उनका घाटा जमा होता जा रहा है।

उत्पादन और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने की होड़ के बीच कई कंपनियां पर्याप्त मुनाफा नहीं कमा पा रही हैं। स्थानीय प्रशासन रोजगार बनाए रखने और आर्थिक विकास के निर्धारित लक्ष्य पूरे करने के लिए घाटे में चल रहे उद्यमों को नियमित रूप से आर्थिक सहारा देता है। इससे ऐसी कंपनियां भी कारोबार जारी रख पाती हैं, जिन्हें सामान्य बाजार परिस्थितियों में बंद होना पड़ सकता था।

# घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

### दिल्ली में घरेलू सिलेंडर का भाव 942, जबकि कोलकाता में 968 रुपए

**नई दिल्ली ।**

घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में श निवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में आखिरी बार 1 अक्टूबर को बढ़ोतरी हुई थी। उस समय अलग-अलग शहरों में इसके दाम करीब 62 रुपये से 72 रुपये तक बढ़ाए गए थे। इसके बाद से कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में आखिरी बार जून 2026 में बढ़ोतरी की गई थी। घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में शहर के हिसाब से अंतर देखने को मिलता है। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू सिलेंडर का भाव 942 रुपये है, जबकि कोलकाता में इसके लिए 968 रुपये चुकाने पड़ रहे हैं। इस तरह दिल्ली में घरेलू सिलेंडर कोलकाता के मुकाबले 26 रुपये सस्ता है। मुंबई में इसकी कीमत 941.50 रुपये और चेन्नई में 957.50 रुपये है। वहीं गुरुग्राम में 950.50 रुपये, नोएडा में 939.50 रुपये और बेंगलुरु में 944.50 रुपये में घरेलू सिलेंडर मिल रहा है। देश के दूसरे शहरों में भी घरेलू एलपीजी की कीमतें अलग-अलग हैं। भुवनेश्वर में सिलेंडर का भाव 968 रुपये और चंडीगढ़ में 951.50 रुपये है। हैदराबाद में घरेलू सिलेंडर के लिए 994 रुपये देने पड़ रहे हैं। जयपुर में इसकी कीमत 945.50 रुपये और लखनऊ में 979.50 रुपये है। वहीं, पटना में घरेलू गैस सिलेंडर सबसे महंगे शहरों में शामिल है, जहां इसका भाव 1,031.50 रुपये है। ये कीमतें बताती हैं कि



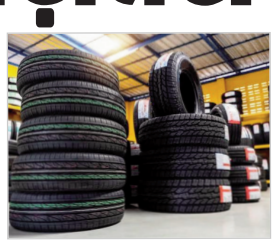
एलपीजी सिलेंडर की लागत शहर के अनुसार बदलती है। कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में 1 अक्टूबर को हुई बढ़ोतरी के बाद अलग-अलग शहरों में इसके दाम इस प्रकार हैं।

दिल्ली और नोएडा में 19 किलोग्राम वाले सिलेंडर की कीमत 2,810 रुपये है। मुंबई में यह 2,764.50 रुपये और कोलकाता में 2,954 रुपये पर है। चेन्नई में कमर्शियल सिलेंडर का भाव 2,983 रुपये है। लखनऊ और जयपुर में इसकी कीमत 2,932.50 रुपये, जबकि पटना में 3,100.50 रुपये है। हैदराबाद में 3,065 रुपये, चंडीगढ़ में 2,833 रुपये, भुवनेश्वर में 2,988 रुपये और बेंगलुरु में 2,898 रुपये का भाव है। बता दें कि होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें बहुत मायने रखती हैं।

# टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक होगी बढ़ोतरी

**नई दिल्ली ।**

देश की प्रमुख टायर निर्माता कंपनी जेके टायर चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक बढ़ोतरी करने की तैयारी कर रही है। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की बढ़ती लागत और कंटेनर ढुलाई महंगी होने के कारण कीमतें बढ़ाना जरूरी हो गया है। कंपनी के अ धिकारी ने बताया कि तीसरी तिमाही में टायरों की कीमतों में 4-5 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करने की योजना है। इससे पहले पहली तिमाही में कंपनी ने कीमतें 5 प्रतिशत और दूसरी तिमाही में 7 प्रतिशत बढ़ाई थीं। कंपनी के मुताबिक, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के चलते कारोबारी माहौल चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कच्चे माल की लागत लगातार ऊंची बनी हुई है, जबकि सप्लाई चेन में बाधाओं और कंटेनर फ्रेट की बढ़ी हुई दरों से भी कंपनी पर लागत का दबाव पड़ रहा है। उनके अनुसार, दूसरी तिमाही में कच्चे माल की लागत पहली तिमाही के मुकाबले करीब 9 प्रतिशत बढ़ गई। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में कच्चे माल की कुल लागत में लगभग 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी को तीसरी तिमाही में भी कच्चे माल की पूरी बास्केट की लागत में



4-5 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि का अनुमान है। लागत बढ़ने के बावजूद कंपनी को बड़े रिम वाले टायरों की मांग में सुधार की

## एआई शेयरों में वैश्विक बिकवाली भारतीय बाजारों के लिए बड़ा अवसर- भंसाली

### भारत एंटी-एआई ट्रेड से सुरक्षित, बैंकिंग और लार्जकैप में निवेश के अवसर

**नई दिल्ली ।**

एम्बिट एसेट मैनेजमेंट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुशांत भंसाली का मानना है कि वैश्विक बाजारों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में जारी बिकवाली भारतीय शेयर बाजार के लिए एक बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि भारत एंटी-एआई ट्रेड के कारण वैश्विक जोखिमों से काफी हद तक सुरक्षित है, और मजबूत भारतीय आधार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों को वापस आकर्षित करेगा, जो वर्तमान में उच्च अमेरिकी बॉन्ड दरों के कारण दूरी बनाए हुए हैं।

भंसाली के अनुसार, लार्जकैप शेयर इस समय सबसे अधिक रियायती मूल्य पर उपलब्ध हैं, जो विदेशी निवेश आकर्षित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि बैंकिंग क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से निचले वैल्यूएशन पर है, जबकि ऋण वृद्धि 18-20त्न पर मजबूत है। इसके अलावा, सूचना प्रौद्योगिकी और कंज्यूमर क्षेत्रों में भी लंबे समय के लिए निवेश के उत्कृष्ट अवसर बन रहे हैं।

# बर्लिन में उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने जर्मन उद्योग जगत के प्रमुखों के साथ की बैठक

### पीयूष गोयल की बर्लिन यात्रा के दौरान भारत-जर्मनी आर्थिक सहयोग पर ध्यान केंद्रित

**नई दिल्ली ।**

केंद्रीय उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 23 अक्टूबर 2026 को बर्लिन में कई तरह की कार्यक्रमों के साथ जर्मनी की अपनी दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा का समापन किया, जिसमें जर्मन सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, उद्योग जगत के प्रमुखों, अनुसंधान संस्थानों और भारतीय प्रवासियों के सदस्यों के साथ मुलाकात की।इन कार्यक्रमों में व्यापार, निवेश, उन्नत विनिर्माण, अनुसंधान और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत-जर्मनी सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया । पीयूष गोयल ने जर्मन फेडरल चांसलरी में आर्थिक और वित्तीय नीति सलाहकार और जी7/जी20 शेरपा लेविन होल के साथ द्विपक्षीय बैठक की। चर्चा में द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग और भारत और जर्मनी के बीच आर्थिक और निवेश संबंधों को और मजबूत करने के अवसरों पर चर्चा हुई। मंत्री पीयूष गोयल ने इन प्रमुखों से की मुलाकात मंत्री पीयूष गोयल ने सीईओ, सीमेंस हेल्थिनर्स एजी के साथ व्यक्तिगत बैठकें कीं, बर्न्ड मोंटैग; कार्स्टन कोसफेल्ड, बर्टेल्समैन के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य और सीईओ, बर्टेल्समैन इन्वेस्टमेंट्स; और, सीएफओ, वोक्सवैगन एजी और सीईओ, स्कोडा ऑटो, होल्गर पीटर्स। बैठकों में दोनों देशों के बीच व्यापार साझेदारी, निवेश और औद्योगिक सहयोग का विस्तार करने के अवसरों का पता लगाया गया।

मंत्री गोयल ने उन्नत औद्योगिक प्रौद्योगिकियों और नवाचार में सहयोग पर चर्चा करने के लिए प्रमुख जर्मन औद्योगिक अनुसंधान संस्थानों के नेताओं के साथ एक गोलमेज सम्मेलन में भी भाग लिया।

# देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच अरब डॉलर घटकर 721 अरब डॉलर पर



**मुंबई ।**

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 16 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 5.01 अरब डॉलर घटकर 721.02 अरब डॉलर रहा। इससे पिछले सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 8.58 अरब डॉलर घटकर 726.03 अरब डॉलर रहा था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। प्रवासी भारतीयों की जमा पर विशेष रियायती अदला-बदली योजना के तहत बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा आने से चार सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के उच्चतम स्तर 785.71 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। इस योजना के जरिए बैंकों ने करीब 133 अरब डॉलर की रिकॉर्ड राशि जुटाई थी। हालांकि, इसके बाद से विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार गिरावट आ रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट की वजह विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) यानी एफसीएनआर (बी) संसाधनों का उपयोग और आर.बी.आई. द्वारा डॉलर की बिक्री के जरिए रुपए का संभालना है। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार 16 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 5.76 अरब डॉलर घटकर 591.85 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। केंद्रीय बैंक ने बताया कि आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 706 करोड़ डॉलर बढ़कर 105.8 अरब डॉलर हो गया।

# सरकार गहरे समुद्र में तेल-गैस खोज का जोखिम घटाएगी

### योजना के संचालन संबंधी दिशानिर्देश जार

**नई दिल्ली ।**

सरकार 84,084 करोड़ रुपए की समुद्र मंथन योजना के तहत गहरे समुद्र में तेल एवं गैस की खोज के जोखिम को कम करने के लिए कंपनियों को वित्तीय सहायता देगी। इसके तहत 56 खोजी कुओं की लागत का ड्ड50 प्रतिशत तक और चार भूवैज्ञानिक अध्ययन वाले कुओं की लागत का पूरा खर्च निर्धारित सीमा के भीतर सरकार उठाएगी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने योजना के संचालन संबंधी दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। इसका उद्देश्य गहरे समुद्र में तेल और गैस की खोज को प्रोत्साहन देना और आयातित हाइड्रोकार्बन पर भारत की निर्भरता को कम करना है। पेट्रोलियम सचिव नीरज मित्तल ने दिशानिर्देशों की प्रस्तावना में समुद्र मंथन योजना को हाल के वर्षों में तेल एवं गैस की खोज और उत्पादन के क्षेत्र में सबसे महत्वाकांक्षी पहल बताया। उन्होंने कहा कि इससे भारत के तेल एवं गैस भंडार में 60 करोड़ टन से अधिक तेल समतुल्य संसाधन जुड़ सकते हैं। दिशानिर्देशों के तहत, 56 खोजी

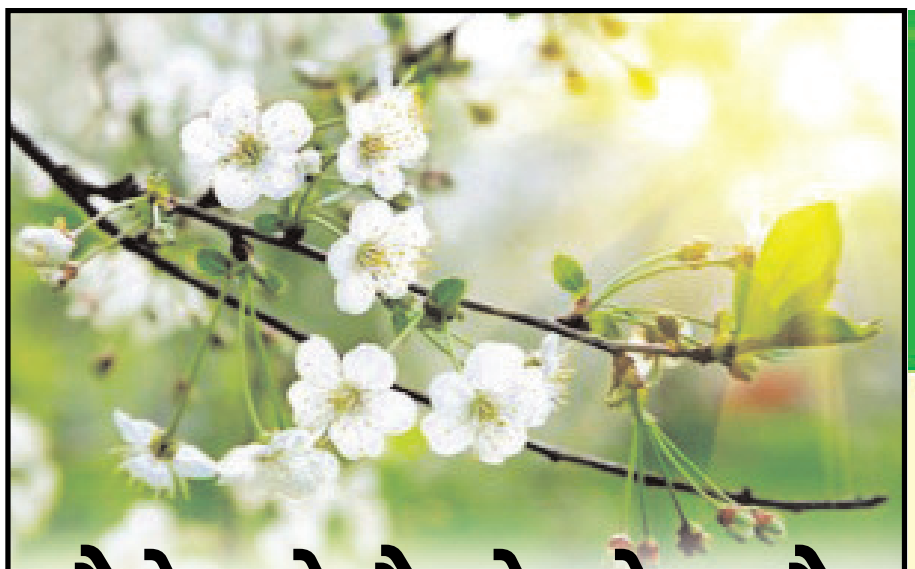


कुओं के लिए सरकार अधिकतम 675 करोड़ रुपए प्रति कुआं और भूवैज्ञानिक अध्ययन वाले चार कुओं के लिए 1,350 करोड़ रुपये प्रति कुआं तक सहायता देगी। इन चार कुओं के लिए सहायता केवल सरकारी कंपनियां या उनके नेतृत्व वाले गठजोड़ हासिल कर सकेंगे। योजना के तहत 400 मीटर से अधिक गहरे पानी वाले क्षेत्रों को गहरे समुद्र और 1,500 मीटर से अधिक गहरे पानी वाले क्षेत्रों को अति गहरे समुद्र की श्रेणी में रखा गया है। वित्तीय सहायता दो चरणों में दी जाएगी। कुएं की स्वीकृत गहराई का 40 प्रतिशत काम पूरा होने पर मंजूर राशि का 40 प्रतिशत और कुएं की खुदाई पूरी होने तथा रिपोर्ट मंजूर होने के बाद शेष 60 प्रतिशत दिया जाएगा।

# मोदी सरकार में 11 करोड़ किसानों की बनी विशिष्ट डिजिटल पहचान, बिचौलियों पर रोक-मंत्री शिवराज

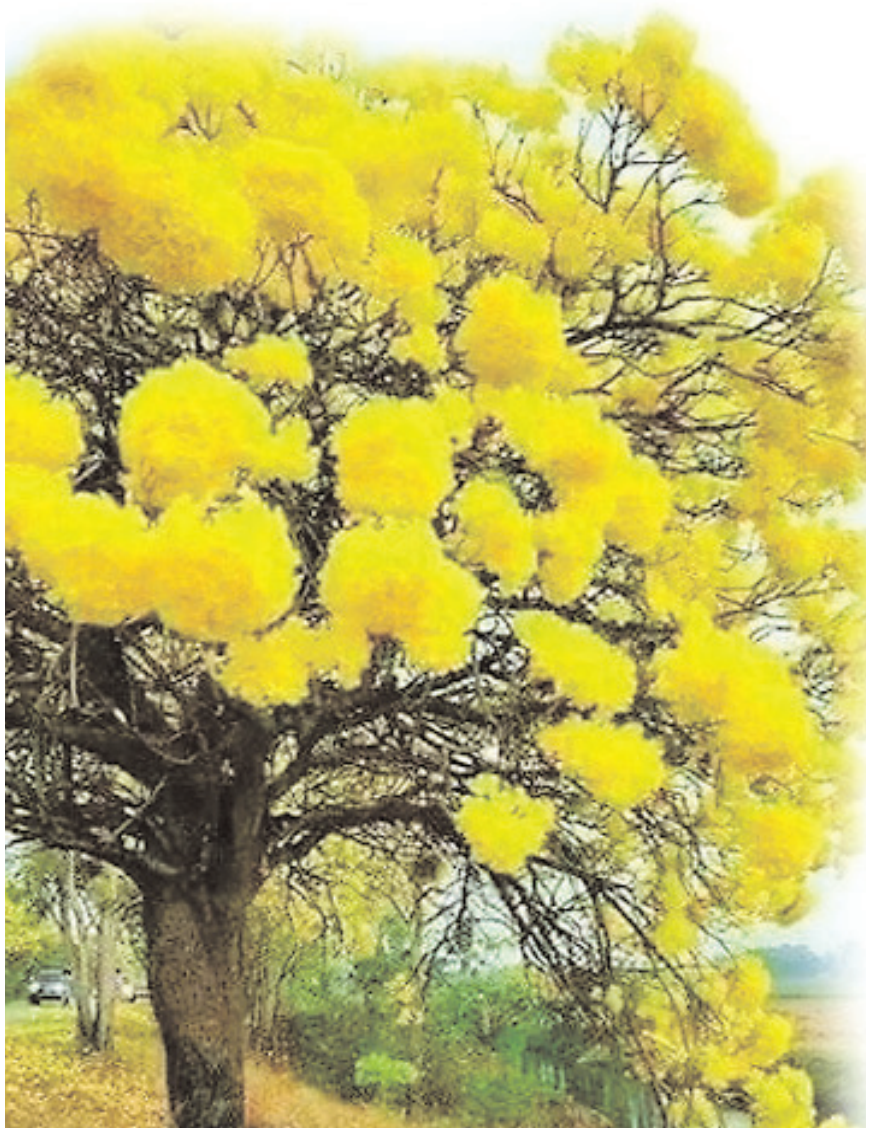
**नई दिल्ली ।**

देश के कृषि क्षेत्र में एक नए डिजिटल युग का सूत्रपात करते हुए केंद्र सरकार ने निर्धारित समय से 5 महीने पहले ही 11 करोड़ 'फार्मर आईडी' (किसान विशिष्ट डिजिटल पहचान) तैयार करने का ऐतिहासिक लक्ष्य हासिल किया गया है। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत-समृद्ध किसान' के विजन की ऐतिहासिक जीत बताया है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा संचालित 'डिजिटल कृषि मिशन' के तहत हासिल की गई यह सफलता देश के अन्नदाताओं को सरकारी योजनाओं, बैंक ऋण, फसल बीमा और आपदा राहत का पारदर्शी एवं त्वरित लाभ बिना किसी कागजी दौड़-धूप के सीधे पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त करती है। तय समय से 5 महीने पहले रचा इतिहास कृषि मंत्री शिवराज ने कहा कि 23 अक्टूबर की रात तक देश में 11 करोड़ फार्मर आईडी बनाने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। पीएम मोदी ने इस कार्य के लिए 31 मार्च 2027 तक का लक्ष्य निर्धारित किया था जिसे कृषि मंत्रालय, राज्य सरकारों और मैदानी स्तर के अधिकारियों के समन्वित प्रयासों से 5 महीने पहले ही हासिल किया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा, ÷आज का दिन भारतीय खेती और किसानों के लिए ऐतिहासिक है। एक सपना साकार हुआ है, एक संकल्प पूरा हुआ है।



# पौधे को कैसे होता है पुष्पित होने का एहसास

वैज्ञानिकों ने अंततः 80 साल पुरानी एक पहेली को हल करने का दावा किया है कि पौधों को यह बात कैसे पता चलती है कि उन्हें कब पुष्पित होना है। वैज्ञानिकों के मुताबिक यह उनके जीन्स में होता है। वाशिंगटन विश्वविद्यालय के एक दल के अनुसार फूल खिलने की प्रक्रिया किसी पौधे के पुष्पित पल्लवित होने के लिए महत्वपूर्ण होती है और इसके उचित समय का पता लगाने में आणविक घटनाक्रमों का सिलसिला होता है। जिसमें पौधे की जैविक घड़ी और धूप शामिल है। दल का नेतृत्व करने वाले प्रोफेसर ताकातो इमाइजुमी ने कहा कि अरबीडोप्सिस नामक अध्ययन में यह समक्षने का प्रयास किया गया कि किसी सामान्य पौधे में फूलों के खिलने का काम कैसे होता है। इससे यह समक्षने में बेहतरी होगी कि धान, गेहूं और जौ जैसी फसलों के तौर पर उगे और जटिल पौधों में ये ही जीन्स किस तरह काम करते हैं। उन्होंने कहा, यदि हम फूल उगने के समय को नियमित कर सकते हैं तो इसे बढ़ाकर या इसमें देरी कर उपज बढ़ाने में सक्षम हो सकते हैं। प्रणाली को समझने से हमें इसमें बदलाव की सहजता होती है। साल में विशेष समयों पर पौधों के पुष्पित होते समय उनकी पत्तियों में फ्लोवरिंग लोकस टी नामक प्रोटीन बनता है जो इस प्रक्रिया को प्रेरित करता है। यह प्रोटीन पत्तियों से शूट एपेक्स में पहुंचता है जो पौधे का वह हिस्सा है जहां कोशिकाएं एक जैसी होती हैं। इसका मतलब है कि ये कोशिकाएं पत्तियां या फूल बन सकती हैं। इस शूट एपेक्स में प्रोटीन में आणविक बदलाव होते हैं जो कोशिकाओं को फूल बनने की दिशा में बढ़ाते हैं।





क्या तुम्हें पता है कि हम इनसानों की तरह ही पेड़-पौधे भी आपस में बातें करते हैं! वो हमारी ब
समझ सकते हैं। पेड़-पौधों को म्यूजिक सुनना भी पसंद है। वैज्ञानिक शोध में भी यह बात सामने
है कि पेड़, फूलों के माध्यम से बातचीत करते हैं। पेड़ों के कम्युनिकेशन से जुड़ी कुछ मजेदार ब

# फूल और पौ
# भी करते हैं बा

हमने भारत के महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस का नाम सुना है न। उन्होंने ही सबसे पहले यह बात बताई थी कि पौधे यानी प्लांट भी संवेदनशील होते हैं और जब कोई उन्हें प्यार करता है, तो वे महसूस करते हैं। उन्हें भी अच्छा संगीत प्रभावित करता है। और पता है? पौधे न सिर्फ किसी चीज को महसूस करते हैं, बल्कि अपनी बात कहते हैं। लेकिन बोल कर नहीं, कुछ दूसरे तरीकों से। वे हमारी तरह ही एक्टिव रहते हैं। वे खतरे को भांप कर अपनी रक्षा के उपाय भी करते हैं। अपने साथी पौधों को इसकी सूचना भी देते हैं। ये कोई कल्पना भर नहीं है, बल्कि इसे लेकर कई रिसर्च हुए हैं और उनसे ये बातें पता चली हैं। आज हम तुम्हें पौधों के बारे में कुछ ऐसी ही दिलचस्प बातें बता रहे हैं।

### अपनी रक्षा के लिए आवाज लगाते हैं पौधे

फूल-पौधे कई बार अपनी सुगंध के जरिये अपनी रक्षा के लिए मदद मांगते हैं। जब कोई कीट पत्तियों, डालियों, फूलों को खा रहा होता है, तो अपनी महक के जरिये पौधे अपने मददगार इन्सेक्ट को आकर्षित करते हैं। ये इन्सेक्ट महक से आकर्षित होकर पौधे के पास आते हैं और उसे नुकसान पहुंचाने वाले कीटों (पेस्ट्स) को खा जाते हैं। जैसे कि तंबाकू का पौधा अपने सलाइवा की मदद से हॉर्नवर्म के कैटरपिलर को पहचान लेता है और फिर एक केमिकल सिग्नल छोड़ता है, जो कैटरपिलर के दुश्मन को आकर्षित करता है। फिर कुछ ही घंटों में कैटरपिलर का दुश्मन इन्सेक्ट यानी कीट पौधे के पास आ जाता है और उसे कैटरपिलर से छुटकारा दिला देता है।

### खतरे को देख अपनी सुरक्षा बढ़ा देते हैं पौधे

पता है, पौधे अपने आसपास के पौधों के केमिकल सिग्नल्स को समझ सकते हैं और कई बार दूसरे पौधों पर कोई खतरा मंडराता है, तब उस सिग्नल को देख अपनी सुरक्षा को बढ़ा देते हैं, क्योंकि उन्हें पता चल जाता है कि कोई भूखा इन्सेक्ट आसपास ही है। करीब पांच-छह साल पहले 48 स्टडी का विश्लेषण किया गया था, जिनमें यह बात पता चली कि पौधे अपनी सुरक्षा बढ़ा देते हैं, जब उनके आसपास के पौधों को नुकसान पहुंचता है। जैसे कि जब सेजब्रश को हॉर्नवर्म नुकसान पहुंचाता है, तो वह अपनी सुरक्षा में ट्रिप्सीन प्रोटीनेज इन्हिबिटर्स (टीपीआईज) प्रोटीन रिलीज करता है। टीपीआईज इन्सेक्ट को प्रोटीन डाइजेस्ट करने से रोक देते हैं और इन्सेक्ट की ग्रोथ को भी रोक देते हैं। जब आसपास के पौधे, यहां तक कि दूसरी प्रजाति के पौधे, सेजब्रश के नुकसान को भांप लेते हैं तो अपनी सुरक्षा की तैयारी कर लेते हैं।

### एक-दूसरे से मुकाबला करते हैं पौधे

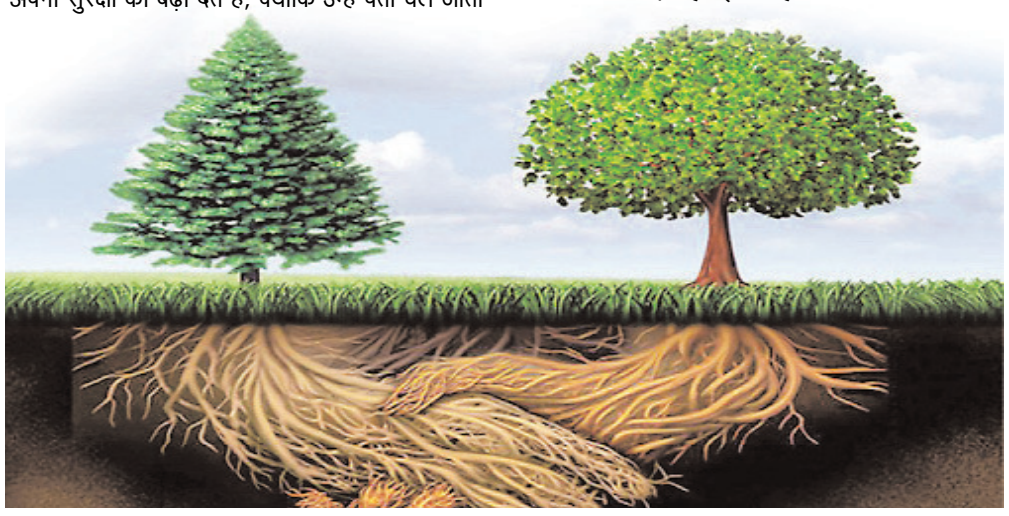
तुम्हें पता है! पौधे सूरज की रोशनी, अपनी पोजीशन के लिए आसपास के पौधों के साथ धक्कामुक्की भी करते हैं। यह बात अलग है कि ऐसा वे अपने तरीके से करते हैं। एक झगड़ालू प्लांट है नैपवीड। नैपवीड की जड़ें एक खास किस्म का केमिकल रिलीज करती हैं, जो उसे मिट्टी से पोषक तत्व प्राप्त करने में मदद करता है। साथ ही वो केमिकल नैपवीड के आसपास की देसी घास को भी खत्म कर देता है। इस तरह नैपवीड अपने आसपास की जगह हथिया लेता है। है न यह स्वार्थी
पौधा! लेकिन कुछ प्लांट स्मार्ट भी होते
केमिकल के खिलाफ सुरक्षा कवच बना लेते
की जड़ें ऑक्जेलिक एसिड निकालती हैं, जो
रिलीज किए जाने वाले नुकसानदायक
खिलाफ एक बैरिकेड बना देती है। यहां तक
आसपास के पौधों की भी नैपवीड जैसे आक्रा
रक्ष

### अपने सहोदर को पहचा

जब किसी पौधे के पास दूसरा कोई पौधा या
होते हैं, तो वह उसे महसूस कर सकता है।
तरह उनमें भी अपने सहोदर को पहचान
करने की प्रवृत्ति होती है। वे सूरज की रोशनी
चीजों को हासिल करने में एक-दूसरे की म
और जब कोई दूसरा पौधा उनके ऊपर छाने
वे भी और बढ़
एक पौधा है 'सी रॉकेट'। उसके साथ एक
गया। जब उसे एक गमले में अपने 'सिबलि
उगाया गया, तो उसकी जड़ें कम फैलीं। जब उसे
पौधों' के साथ दूसरे गमले में उगाया गया, तो
जड़ें ज्यादा फैला लीं, ताकि वह मिट्टी से
पोषक तत्व ज्यादा ले सके, सूरज की रोशन
सके। यानी जब पौधे अपने सिबलिंग के साथ
एक-दूसरे की जरूरतों का ज्यादा ध्यान र
और एक्सपेरिमेंट से यह पता चला कि
सिबलिंग को केमिकल सिगनल के जरिये

### मैमल्स के साथ भी संपर्क कर

पौधे केवल इनसेक्ट को ही आकर्षित
चमगादड़ जैसे मैमल्स को संदेश भेज कर अप
लेते हैं। एक मांसाहारी पिचर प्लांट है- नेपेंथे
उसके पास चमगादड़ (बैट) को आकर्षित क
अनूठा सिस्टम है। इस प्लांट का आकार कटोरे
होता है। एक नई स्टडी के मुताबिक, इ
स्ट्रक्चर ऐसा होता है कि उसके कारण चम
पास खिंचे चले आते हैं और अपने मल-मू
इस पिचर प्लांट को पोषक तत्व प्रदा





## कितने तरह की स्केटिंग

रोलर स्केटिंग, आइस स्केटिंग, इन लेन स्केटिंग। रोलर स्केटिंग का भारत में बहुत चलन है। इसे सीखना आसान है।

# स्केटिंग करो फिट रहो

स्केटिंग उतनी ही आसान और सुरक्षित है जितना कि दूसरे गेम खेलना, जैसे साइकिल चलाना, बास्केटबॉल या अन्य गेम खेलना। आजकल बहुत से स्कूलों में स्केटिंग सिखाई जाती है। स्केटिंग केवल मनोरंजन का ही साधन नहीं है, बल्कि तुम इसे अपना कॅरियर भी बना सकते हो। स्केटिंग के भारत में बहुत से प्रक्षिशण केंद्र हैं, जो बच्चों को चुनकर उन्हें दूसरे देशों में चैम्पियनशिप के लिए भेजते हैं। लेकिन ये सब बातें करने से पहले यह जानो कि स्केटिंग के क्या फायदे हैं - स्केटिंग एक ऐसी व्यायाम की मशीन है, जिसको करने से तुमको मजा भी आता है और चुस्त और स्वस्थ रहते हो। पैरों की ताकत बढ़ती है। शरीर की सभी मसल्स की एक्सरसाइज हो जाती है। रीढ़ की हड्डी भी सही रहती है। हाथों और पैरों का सामंजस्य बनाए रखने में मदद मिलती है। दिमाग और समझने की क्षमता बढ़ती है। चौकन्ना रहकर सीखते हो। स्केटिंग करना भागना और साइकिल चलाने से अधिक फायदेमंद है। तुमको सब बच्चों से मिलने का और बात करने का मौका मिलता है और नई जानकारी मिलती है।





# वृहस्पति का नया चंद्रम

दोस्तों, तुम्हें तो पता ही होगा कि वृहस्पति के पास सबसे अधिक उपग्रह हैं। अब ताजा खबर य
वैज्ञानिकों ने इसका एक और नया उपग्रह खोज निकालने का दावा किया है। इसे वृहस्पति क
उपग्रह माना जा रहा है। दरअसल, पिछले साल अरीजोना यूनिवर्सिटी और मैसाचुसेट्स के वै
ने वृहस्पति के चारों ओर एक आकृति को चक्कर काटते देखा था। फिर स्पेसवॉच कार्यक्रम
धूमकेतुओं और क्षुद्रग्रहों को स्कैन कर दिया गया। जब उन्होंने इस नए उपग्रह को देखा तो उ
कि यह या तो कोई क्षुद्रग्रह है या कोई
(क्षुद्रग्रह बर्फ और धुएं का छोटा सा हिस्सा होता है और सूर्य के चारों तरफ घूमता रहता है। जब
के पास पहुंचता है तो यह धूमकेतु वाष्पीकृत होकर सिर और पूंछ में तब्दील हो जाता है। सौर
क्षुद्रग्रह मंगल और बृहस्पति के बीच बड़े पैमाने पर पाए ज

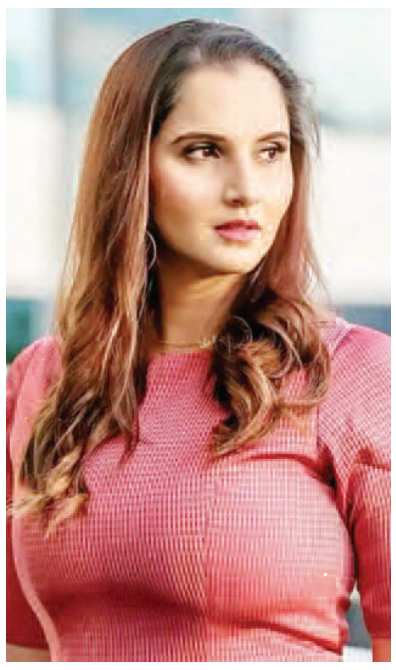
वैज्ञानिकों ने इस बात पर विचार किया कि जो यह नई चीज दिखाई दे रही है, वह अगर क्षुद्रग्रह और धूमकेतु नहीं है तो आखिर क्या है? वैज्ञानिक इस बात को लेकर बड़ी उलझन में थे। वे सोच रहे थे कि हमने जो पिछले महीने ऑर्बिट में देखा था, वह आखिर क्या था? (सौर मंडल में ऑर्बिट एक ऐसा रास्ता है, जिसमें एक वस्तु दूसरी वस्तु के चारों ओर घूमती है। ऑर्बिट में हर चीज अपने आप में खास होती है।) वैज्ञानिकों ने पाया कि वृहस्पति ग्रह के चारों ओर घूमने वाला यह नया उपग्रह है, जो पहले नहीं देखा जा सका था। यही वजह है कि वैज्ञानिकों ने इस उपग्रह के लिए कोई खास नाम नहीं रखा है। फिलहाल इसे एस/1999 जे नाम से पुकारा जा रहा है।

नए पाए गए उपग्रह का व्यास 5 किमी है। इसका मतलब यह है कि इस उपग्रह के एक छोर से दूसरे छोर तक पैदल चलने में केवल 5 किमी का सफर करना होगा। इस तरह देखा जाए तो यह वृहस्पति ग्रह का सबसे छोटा उपग्रह है। केवल वृहस्पति का ही नहीं, बल्कि इस सौर मंडल का यह सबसे छोटा उपग्रह होगा। इस उपग्रह के पाए जाने से पहले वृहस्पति का जो सबसे छोटा उपग्रह था, उसका नाम लेडा था। लेडा का व्यास 8 से 16 किमी तक था। अगर तुम ध्यान से देखोगे तो यह देखोगे कि इससे पहले भी वृहस्पति के उपग्रहों में हलचल दिखाई दी है। कुछ दिनों पहले वृहस्पति का सबसे बड़ा उपग्रह भी खोजा गया था। सबसे बड़े उपग्रह ने बहुत हलचल मचाई। यह उपग्रह हमारे सौर मंडल में पाया जाने वाला अकेला उपग्रह है, जहां धरती की तुलना में ज्वालामुखी गुण कहीं ज्यादा पाए जाते हैं। हम सभी यह जानते हैं कि यह वृहस्पति का आखिरी उपग्रह नहीं है। यह उपग्रह अपने अंदर बहुत से रहस्य समेटे हुए है, जो वक्त के साथ खोजने पर सामने आएंगे।

### हमारा चांद सबसे अनूठा

हमारे पास यानी पृथ्वी के पास एक ही चांद है, जिसे हम चंदा मामा कहते हैं। अपने सौरमंडल का सबसे चमकीला है अपना चंद्रमा। तुम्हें तो मालूम ही है कि हमारे और सूर्य के बीच में दो और ग्रह हैं। सूर्य के सबसे करीब बुध है और दूसरे स्थान पर शुक्र। हम तीसरे स्थान पर हैं। बुध और शुक्र के पास कोई चंद्रमा नहीं है, लेकिन हमारे पास एक चंद्रमा है। उस पर सूर्य की रोशनी पड़ती है और वह चमकता रहता है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि हम कभी भी पूरे चांद को नहीं देख पाते। हमेशा उसका एक ही हिस्सा हम देख पाते हैं। जानते हो ऐसा क्यों होता है? ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि जितने समय में वह हमारी पृथ्वी का एक चक्कर लगाता है, उतने ही समय में अपनी धुरी पर भी एक चक्कर लगा लेता है। इस कारण हमें उसका एक ही हिस्सा दिखता है और दूसरा हिस्सा हमेशा अंधेरे में रहता है। चांद को पृथ्वी का एक चक्कर लगाने में लगभग 27 दिन 7 घंटे और 43 मिनट का समय लग जाता है। यह हमारी पृथ्वी से काफी करीब भी है। पृथ्वी से इसक
लगभग 3 लाख 84 हजार 400 किलोमीटर है। यानी पृथ्वी से
कभी कम और कभी अधिक हो जाती है। जब चंद्रमा पृथ्वी से दू
समय यह दूरी लगभग 4 लाख 5 हजार 500 किलोमीटर हो
चंद्रमा पृथ्वी के करीब आ जाता है तो दोनों के बीच की दूरी 3 ल
300 किलोमीटर हो जाती है। शायद तुम्हें यह मालूम नहीं होग
बड़ी-बड़ी लहरें कब और क्यों उठती हैं। यह अपने चंद्रमा के
है। जब चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी कम होती है तो समुद्र
उठती हैं। इसका कारण है चंद्रमा का गुरुत्वाकर्षण बल। वैसे तो
के गुरुत्वाकर्षण बल के छठे हिस्से के बराबर है, लेकिन समु
उसका असर हो ही जाता है। अगर तुम वहां जाना चाहो तो रॉके
घंटे में पहुंच सकते हैं। प्रकाश को तो इतनी दूरी तय करने में
नहीं लगते हैं। चंद्रमा का व्यास 3476 किलोमीटर है। अगर
चंद्रमाओं को मिला दोगे तो जितना बड़ा चंद्रमा बनेगा, उतनी ही
पृथ्वी। यानी हमारी पृथ्वी का लगभग एक चौथाई आकार है चं
न तो हवा है और न ही मौसम। वैज्ञानिकों ने यह भी पता लग
पृथ्वी की एक बड़ी टक्कर से चंद्रमा बना। यह टक्कर आज से
अरब वर्ष पहले हुई थी।

संक्षिप्त समाचार



## सानिया ने की धमाकेदार वापसी

**मुंबई ।** टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने पॉडकास्ट 'सर्विंग इट अप विद सानिया' के दूसरे सीजन के साथ वापसी की है। खेल, एंटरटेनमेंट और बेबाक बातचीत को एक साथ लाने वाले इस पॉडकास्ट के पहले एपिसोड में एक्टर सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल नजर आएंगे, जो अपने रिश्ते, शादी और साथ काम करने को लेकर खुलकर बात करते दिखेंगे। पॉडकास्टर के तौर पर अपने सफर के बारे में बात करते हुए सानिया मिर्जा ने कहा, 'जब मैंने पहली बार पॉडकास्टिंग में हाथ आजमाया, तो मुझे यकीन नहीं था कि मुझे इसमें कितना मजा आएगा, लेकिन समय के साथ-साथ मुझे एहसास हुआ कि ऐसी बातचीत और लोगों को उनकी इमेज से अलग जानना कितना मनोरंजक होता है। सानिया मिर्जा ने दूसरे सीजन की वापसी पर खुशी जाहिर करते हुए बताया, 'पहले सीजन की सफलता और दर्शकों के रिस्पॉन्स ने मुझे सीजन-2 के साथ वापस आने की और बड़ी वजह दे दी। मैंने सालों तक टेनिस कोर्ट पर धमाल मचाया है और अब एक पॉडकास्टर के तौर पर अपनी इस नई पारी को एन्जॉय कर रही हूं। इस सीजन में हमारे पास शानदार लाइनअप है और मैं दर्शकों के साथ इन बातचीतों को देखने के लिए उत्सुक हूं। ' शो का पहला एपिसोड सानिया के सोनाक्षी और जहीर के साथ पिकलबॉल खेलने से शुरू होगा, जिसमें कपल के सात साल के रिश्ते पर बातचीत होगी। अभिनेत्री सोनाक्षी और उनकी पति जहीर इकबाल साल 2022 में फिल्म 'डबल एक्सल' में साथ नजर आए थे और साइकोलॉजिकल/रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ काम किया है। यह फिल्म सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। अभिनेत्री सोनाक्षी ने जहीर इकबाल के साथ स्क्रीन शेयर करने के बारे में कहा, 'मेरे लिए ऑन स्क्रीन रोमांस करना सबसे मुश्किल काम है।

# ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप: फिर खिताब जीतने उतरेगी टीम इंडिया

**नई दिल्ली ।** भारत ने दूसरे पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। यह टूर्नामेंट 15 से 20 नवंबर तक बांग्लादेश के ढाका में आयोजित होगा। मौजूदा चैंपियन भारत, एक दशक के लंबे अंतराल के बाद हो रहे इस टूर्नामेंट में अपना खिताब का बचाव करने उतरेगा। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) ने 10 दिनों के गहन चयन और कोचिंग कैंप के बाद इस टीम की पुष्टि की, जिसमें 24 संभावित खिलाड़ी शामिल थे।

बांग्लादेश में होने वाले इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए रवाना होने से पहले, चुने गए खिलाड़ी दिल्ली एनसीआर में एक महीने के तैयारी कैंप में हिस्सा लेंगे। इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में बल्लेबाजी, गेंदबाजी, फील्डिंग, फिटनेस, कंडीशनिंग और मैच की रणनीति पर ध्यान दिया जाएगा। चयन प्रक्रिया के दौरान खिलाड़ियों का उनके प्रदर्शन, फिटनेस स्तर, तकनीकी कौशल और समग्र तैयारियों के आधार पर आकलन किया गया। बी1 श्रेणी में नरेश तुमदा, संजय कुमार शाह, देबराज बेहरा, अशोक रेड्डी, प्रवीण कुमार शर्मा और मुकेश कुमार रावत को चुना गया है।

बी2 श्रेणी में दुन्ना वेंकटेश्वर राव, रणबीर सिंह, लोकेशा, मनीष कुमार और नकुला बडनायक शामिल हैं। वहीं, बी3 श्रेणी में दुर्गा राव टोम्पाकी, सुनील रमेश, सुखराम माझी, ए. रवि, दिनेश रथवा और दीपक को टीम में जगह मिली है।

सीएबीआई के चेयरमैन डॉ. महांतेश जी. किवादासनवर ने चुने गए खिलाड़ियों को बधाई दी और उनकी तैयारियों पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा, 'पुरुष ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप 2026 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चुने गए 17 खिलाड़ियों को बधाई। हर खिलाड़ी ने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह बनाने के लिए कड़ी मेहनत की है।



हमें उम्मीद है कि वे भारत की गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाएंगे और अपना खिताब बचाने में सफल रहेंगे। मैं टीम की सफलता की कामना करता हूं। '

भारत ने जनवरी 2016 में कोच्चि में सीएबीआई द्वारा आयोजित पहले ब्लाइंड टी20 एशिया कप को जीता था, जिसमें उन्होंने फाइनल में पाकिस्तान को 44 रनों से हराया था। भारतीय टीम ने 208/5 का स्कोर बनाया और फिर पाकिस्तान को 164 रन पर रोककर अपना पहला खिताब जीता था।

**भारतीय टीम:** नरेश तुमदा, संजय कुमार शाह, देबराज बेहरा, अशोक रेड्डी, प्रवीण कुमार शर्मा, मुकेश कुमार रावत, दुन्ना वेंकटेश्वर राव, रणबीर सिंह, लोकेशा, मनीष कुमार, नकुला बडनायक, दुर्गा राव टोम्पाकी, सुनील रमेश, सुखराम माझी, ए. रवि, दिनेश रथवा और दीपक।

# प्रतिका ने खेली शतकीय पारी श्री चरणी का भी चला जादू



**वडोदरा।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जिम्बाब्वे को पहले वनडे मुकाबले में 9 विकेट से रौंदा। बड़ौदा क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में जिम्बाब्वे से मिले 198 रनों के लक्ष्य को भारतीय टीम ने सिर्फ एक विकेट खोकर 27.1 ओवर में हासिल किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत शानदार रही। पहले विकेट के लिए कप्तान स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने मिलकर 15.3 ओवर में 94 रन जोड़े। मंधाना 34 गेंदों का सामना करने के बाद 32 रन बनाकर आउट हुईं। हालांकि, प्रतिका ने एक छोर को संभाले रखा और उन्होंने शेफाली वर्मा संग मिलकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। शेफाली ने 33 गेंदों का सामना करते हुए 64 रनों की नाबाद पारी खेली।

अपनी इस पारी के दौरान शेफाली ने 5 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं, प्रतिका ने 96 गेंदों में 100 रनों की नाबाद पारी खेली। प्रतिका ने अपनी इस इनिंग में 15 चौके लगाए। शेफाली और प्रतिका ने दूसरे विकेट के लिए मिलकर 70 गेंदों में 106 रनों की अटूट साझेदारी निभाई। इससे पहले, भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के आगे जिम्बाब्वे की बल्लेबाजों ने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम 49.5 ओवर में 197 रन बनाकर ऑलआउट हुई। जिम्बाब्वे की ओर से बिलव्ड बीजा ने सर्वाधिक 62 रन बनाए। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और लोरीन फिरी सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद मोडेस्टर मुफिकवा अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सकीं और 25 रन बनाने के बाद श्री चरणी का शिकार बनीं। चिपो मुगेरी-ट्रिपानो 21 रन बनाकर आउट हुईं। शार्न मेयर्स 8 रन बनाकर दीप्ति शर्मा की गेंद पर पवेलियन लौटीं।

### डब्ल्यूपीएल में सुषमा वर्मा के लिए बड़ी बोली लगानी चाहिए: रीमा

**नई दिल्ली ।** भारत की पूर्व क्रिकेटर रीमा मल्होत्रा का मानना है कि मुंबई इंडियंस को आने वाली विमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2027 के ऑक्शन में विकेटकीपर-बैटर सुषमा वर्मा को टारगेट करना चाहिए ताकि टॉप ऑर्डर में उनकी चिंताओं को दूर किया जा सके। रीमा के मुताबिक, मुंबई को अपना ओपनिंग कॉम्बिनेशन ठीक करना होगा और विकेटकीपर-बैटर जी कमलिनी का रिप्लेसमेंट ढूंढना होगा, साथ ही पांचवें सीजन से पहले अपने स्पिन और तेज गेंदबाजी विकल्पों को भी मजबूत करना होगा। मुंबई इंडियंस, जो डब्ल्यूपीएल 2026 में प्लेऑफ से चूक गई थी, ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की लीडरशिप में 11 खिलाड़ियों के एक कोर ग्रुप को रिटेन किया है।

## बायर्न म्यूनिख के मैनेजर विंसेंट कॉम्पनी हुए बेहोश, अस्पताल में भर्ती

**म्यूनिख।** म्यूनिख में ट्रेनिंग सेशन के दौरान बायर्न म्यूनिख फुटबॉल क्लब के मैनेजर विंसेंट कॉम्पनी बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत एम्बुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। क्लब ने पुष्टि की है कि आगे की जांच के लिए वह अभी मेडिकल देखरेख में रहेंगे।

बायर्न ने एक बयान में कहा, एफसी बायर्न की एमेच्योर टीम की ट्रेनिंग के दौरान विंसेंट कॉम्पनी बेहोश हो गए, जिसके बाद उन्हें मेडिकल इलाज की जरूरत पड़ी। फर्स्ट-टीम के कोच उस समय दूसरी टीम का सेशन देख रहे थे। कॉम्पनी का अस्पताल में पूरा चेकअप होगा और वह मेडिकल देखरेख में रहेंगे। फिलहाल, उनका कोचिंग स्टाफ ट्रेनिंग और मैच से जुड़े कामकाज संभालेगा।

यह घटना बुधवार को आर्सेनल के खिलाफ बायर्न के यूईएफए चैंपियंस लीग मैच से कुछ दिन पहले हुई है, जब कॉम्पनी ने अपने पैर और कूल्हे में दर्द की शिकायत की थी। माना जा रहा है कि यह तकलीफ उन्हें हुए किसी वायरस संक्रमण से जुड़ी है। बायर्न म्यूनिख के सहायक कोच आरोन डैंक्स ने कॉम्पनी की जगह प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया से बात की। उन्होंने बताया कि मैनेजर को ठीक होने के लिए समय चाहिए। डैंक्स ने कहा, यह बस एक वायरस है।

# अनाहत को मिली हार

## सिलिकॉन वैली ओपन: सेमीफाइनल में सफर हुआ समाप्त, मलेशिया की शिवसांगरी ने दी शिकस्त



**रेडवुड सिटी।** सिलिकॉन वैली ओपन के सेमीफाइनल में मलयेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से हारकर भारतीय स्टार अनाहत सिंह का सफर समाप्त हो गया। अनाहत को शिवसांगरी से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। अनाहत सिंह ने मलयेशियाई खिलाड़ी के खिलाफ जोरदार शुरुआत की और पहला गेम 11-5 से जीत लिया। हालांकि, इसके बाद सुब्रमण्यम ने अपने खेल का स्तर बढ़ाया और 37 मिनट तक चले मुकाबले को 11-5, 6-11, 4-11, 7-11 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।यह अनाहत की मलयेशियाई खिलाड़ी से कुल मिलाकर चौथी और प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) टूर पर तीसरी हार थी।

### अनाहत के लिए शानदार रहा साल

अनाहत के लिए साल 2026 बेहद खास रहा है। उन्होंने 2026 वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में गर्ल्स सिंगल्स का टाइटल जीता और यह खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। उन्होंने एशियन गेम्स 2026 में सिल्वर पदक जीतकर इस इवेंट में पहली भारतीय महिला होने का गौरव हासिल किया था। अनाहत ने इससे पहले हांगझोऊ में 2023 एशियन गेम्स में विमेंस टीम और मिक्स्ड डबल्स कॉम्पिटिशन में दो ब्रॉन्ज मेडल जीते थे। 18 साल की अनाहत का नाम स्क्वैश खिलाड़ी के तौर पर वैश्विक स्तर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत को भविष्य में वैश्विक मंचों पर उनसे करिश्माई प्रदर्शन की उम्मीद है। सेमीफाइनल से बाहर होने के बावजूद, सिलिकॉन वैली में अनाहत के प्रदर्शन ने इंटरनेशनल सर्किट पर उनके बढ़ते कद को दिखाया। वर्ल्ड नंबर 15 अनाहत ने इस इवेंट में आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन टॉप सीड एल शेरबिनी को सीधे गेम में हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाते हुए बड़ा उलटफेर किया था। इसके बाद उन्होंने मिस्र की छठी सीड सलमा हैनी को हराया।

# वर्मा जी ने लगाया भारत को जीत का तिलक

## रेड्डी ने दिया साथ, क्राइस्टचर्च में टीम इंडिया की मौज

**नई दिल्ली, एजेंसी।** तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी की दमदार पारी की वजह से भारत ने शनिवार को न्यूजीलैंड के हाथों से जीत छीन ली है। भारत ने दूसरे टी20 में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हरा दिया है। इसी के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है।न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए फिलिप्स और जैकब्स की दमदार पारियों की वजह से भारत के सामने 181 रनों का लक्ष्य रखा था, जवाब में तिलक और नितीश रेड्डी के नाबाद साझेदारी की वजह से भारत ने आखिरी ओवर में लक्ष्य को हासिल कर लिया।

### न्यूजीलैंड की शुरुआत रही खराब

इससे पहले कप्तान श्रेयस अय्यर ने न्यूजीलैंड को पहले बल्लेबाजी करने का न्यौता दिया था। न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही थी। टिम साइफर्ट सिर्फ सात रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इसके बाद फिन एलन को प्रिंस यादव ने बोल्ड कर न्यूजीलैंड को दूसरा झटका दिया। तीन नंबर पर बल्लेबाजी करने आए डेरिल मिचेल भी कुछ खास नहीं कर पाए। वो 6 रन बनाकर भुवनेश्वर कुमार का शिकार हुए। भुवी ने चार साल बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के लिए विकेट निकाला।

### फिलिप्स-जैकब्स की दमदार पारी

पहले मैच की तरह एक बार फिर ग्लेन फिलिप्स और बेवन जैकब्स ने टीम के लिए शानदार पारी खेली। फिलिप्स और जैकब्स के बीच चौथे विकेट के लिए 76 गेंदों में 116 रनों की शानदार साझेदारी हुई। फिलिप्स ने 43 गेंदों में चार चौकों और इतने ही छक्कों की बदौलत 70 रनों की पारी खेली। वहीं जैकब्स ने पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 46 गेंदों में 58 रन बनाए, जिसकी वजह से न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में पांच विकेट खोकर 180 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। भारत की ओर से सबसे ज्यादा दो विकेट अर्शदीप सिंह ने लिए।

### तिलक वर्मा ने जड़ा अर्धशतक

तिलक वर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 26 गेंदों में 51 रन बनाए. उनकी पारी में छह चौके और एक छक्का शामिल रहा। उन्होंने तेजी से रन बनाते हुए न्यूजीलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाया और टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।दूसरी ओर, नीतीश कुमार रेड्डी ने भी आक्रामक अंदाज अपनाया। उन्होंने महज 13 गेंदों पर 26 रन बनाकर तिलक का अच्छा साथ दिया. दोनों बल्लेबाजों ने तेजी से रन जोड़कर भारतीय टीम की जीत सुनिश्चित की।

### सीरीज में भारत की 2-0 से बढ़त

इस जीत के साथ भारत ने पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। मुकाबले में भारतीय टीम की वापसी ने दिखाया कि दबाव की स्थिति में भी साझेदारी के दम पर मैच का परिणाम बदला जा सकता है. अब भारतीय टीम की नजरें सीरीज में अपनी बढ़त को और मजबूत करने पर होंगी।



# मेसी का सम्मान

## स्पेन ने अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान को प्रिंसेस ऑफ ऑस्टुरियस अवॉर्ड दिया, हुआ जोरदार स्वागत



**ओवेएदो।** अर्जेंटीना के फुटबॉल दिग्गज लियोनल मेसी का स्पेन में जोरदार स्वागत हुआ। ऑलिएदी में 2022 फीफा विश्व कप विजेता को देखने सैकड़ों प्रशंसक पहुंचे, जहां उन्हें प्रिंसेस ऑफ ऑस्ट्रेरियस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। ओलंपिक्स डॉट कॉम के अनुसार, इंटर मियामी के फॉरवर्ड मेसी, अपनी पत्नी एंटोनेला रोकुलों के स्वाय पहुंचे। उन्होंने होटल के बाहर प्रशंसकों से बातचीत की और ऑटोग्राफ दिए। यह सम्मान खेल हस्तियों को उनके शानदार करियर और अपने खेल के दायरे से बाहर किए गए योगदान के लिए दिया जाता है।

### मेसी ने हाल ही में लिया था संन्यास

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने की घोषणा कर दी थी। मेसी ने अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को 2022 फुटबॉल विश्व कप का खिताब दिलाया था। इस साल भी अर्जेंटीना उनकी कप्तानी में फीफा विश्व कप में खेलने उतरी थी, लेकिन उसे फाइनल में स्पेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने अर्जेंटीना को एक विश्व कप और दो कोपा अमेरिका का खिताब दिलाया। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 208 मैच खेले हैं और 126 गोल किए हैं। उनके नाम 68 असिस्ट भी हैं। वह अर्जेंटीना के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने और सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। दो दशक से ज्यादा लंबे इस सफर में उन्होंने राष्ट्रीय टीम को चार बड़े अंतरराष्ट्रीय खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई 2021 और 2024 कोपा अमेरिका, 2022 फाइनलिसिमा और सबसे बड़ा 2022 फीफा विश्व कप।



# पुलिस कंपनी से हो रही राम गोपाल वर्मा की वापसी

अपनी नई क्राइम थ्रिलर फिल्म पुलिस कंपनी के साथ फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर निर्देशक ने एक विस्तृत नोट साझा करते हुए अपनी आगामी फिल्म के शीर्षक और उसकी बहुप्रतीक्षित रिलीज़ डेट का खुलासा किया।

यह फिल्म अगले साल 4 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देगी, जिससे उनके प्रशंसकों और फिल्म प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म में प्रतिभाशाली अभिनेता हर्षवर्धन राणे मुंबई के मशहूर एनकाउंटर स्पेशलिस्ट दया नायक की चुनौतीपूर्ण भूमिका में नज़र आएंगे, जो कहानी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होंगे। फिल्म के अनूठे शीर्षक पुलिस कंपनी को लेकर राम गोपाल वर्मा ने अपनी चिर-परिचित शैली में गहराई से समझाया। उन्होंने कहा, पुलिस एक संस्था है और कंपनी एक पैसा कमाने वाला संगठन है, लेकिन जब इसकी शक्तियां हद से ज्यादा बढ़ जाती हैं, तो एक संस्था कंपनी बन जाती है। इसलिए इसका नाम पुलिस कंपनी है।

यह व्याख्या फिल्म के गहरे और यथार्थवादी कथानक की ओर इशारा करती है, जहाँ कानून प्रवर्तन के अंदरूनी कामकाज और शक्ति के दुरुपयोग को खंगाला जाएगा। टी-सीरीज और आरजीवी कंपनी के संयुक्त प्रोडक्शन तले भूषण कुमार और कृष्ण कुमार द्वारा निर्मित यह फिल्म, मुंबई के अंडरवर्ल्ड के सबसे हिंसक दौर (1997 से 2004) की सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। यह फिल्म उस विशेष एनकाउंटर स्क्वाड की कहानी को उजागर करेगी, जिसने इस अवधि के दौरान लगभग 300 गैंगस्टरों का सफाया किया था।

पुलिस कंपनी केवल अपराध की दुनिया ही नहीं, बल्कि पुलिस की दुनिया के दूसरे पहलू को भी सामने लाएगी, जिसे वर्मा एक कंपनी के दूसरे रूप के तौर पर देखते हैं, जहाँ नैतिकता और भ्रष्टाचार के बीच की महीन रेखा धुंधली पड़ जाती है। फिल्म में हर्षवर्धन राणे के साथ फरदीन खान, फातिमा सना शेख, परेश रावल, सौरभ शुक्ला, मकरंद देशपांडे और अश्विनी कालसेकर जैसे दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिकाओं में दिखाई देंगे, जो कहानी में कई परतें जोड़ेंगे। यह माना जा रहा है कि यह फिल्म राम गोपाल वर्मा को उनकी पिछली सफल अंडरवर्ल्ड जॉनर की फिल्मों जैसे कंपनी और सत्या की शैली में वापस लाएगी, जिसके लिए वे विशेष रूप से जाने जाते हैं।

## कनिका ने बयां किया दर्द



अभिनेत्री कनिका मान इन दिनों बिग बॉस-20 में नजर आ रही हैं। शो के एक एपिसोड में आसिफ खान से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि कैसे उनके परिवार वाले उनकी कीमत को मां बनने से जोड़ रहे हैं। अभिनेत्री ने मजेदार अंदाज में बताया कि उनके परिवार वाले उन्हें तब तक जीरो ही समझते हैं, जब तक वो दो-तीन बच्चे पैदा नहीं कर देतीं। परिवार की इस सोच पर उन्होंने हंसते हुए कहा, मेरे घरवाले मुझे जीरो गिनते हैं, जब तक मैं उन्हें दो-तीन बच्चे नहीं दे दूंगी, तब तक मैं जीरो ही हूं। अभिनेत्री की इस बात पर रिएक्ट करते हुए कंटेस्टेंट और अभिनेता आसिफ ने बताया कि उनकी मां भी अक्सर बच्चे की ख्वाहिश जाहिर करती रहती हैं। उन्होंने बताया कि पहले तो उनकी मां सीधे-सीधे अपनी इच्छा जताती थीं लेकिन अब मजेदार तरीके से इशारों में अपनी बात कहती हैं। आसिफ ने कहा कि उनकी मां अक्सर उनकी प्रोफेशनल उपलब्धियों को नजरअंदाज कर देती हैं और सिर्फ इसी बात पर ध्यान देती हैं कि वो कब पिता बनेंगे।



# ऐश्वर्या ने टाइप-1 डायबिटीज को बताया अपनी जिंदगी का हिस्सा

पिछले दस सालों से टीवी अभिनेत्री ऐश्वर्या सखुजा ने टाइप-1 डायबिटीज के साथ अपने सफर को साझा किया है। कई लोकप्रिय टीवी शो में अपनी अदाकारी से दर्शकों का दिल जीतने वाली ऐश्वर्या ने बताया कि यह सफर इंसुलिन लेने, शरीर को समझने और जीवनशैली में लगातार बदलाव करने का रहा है। उन्होंने इस बीमारी को अपनी जिंदगी का एक हिस्सा बताया, लेकिन पूरी पहचान मानने से इनकार किया है, जिससे लाखों लोगों को प्रेरणा मिली है। सास बिना ससुराल, मैं ना भूलूंगी, त्रिदेवियां और रिश्ता डॉट कॉम जैसे टीवी शो में अभिनय करने वाली ऐश्वर्या ने बताया कि शुरुआत में उन्हें अपनी बीमारी का गलत पता चला था। जब तक उन्हें समझ आता कि उनके शरीर के साथ क्या हो रहा है, तब तक उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि उनकी जिंदगी इस तरह बदलने वाली है और उन्हें हर दिन इसके साथ तालमेल बिठाना पड़ेगा। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर अपने अनुभव बताए। उन्होंने लिखा, दस साल से इंसुलिन ले रही हूँ। दस साल से अपनी बॉडी को समझ रही हूँ। इस दौरान कई उतार-चढ़ाव आए, बहुत कुछ सीखा, कई बार निराशा हुई और धीरे-धीरे चीजों को समझना पड़ा। ऐश्वर्या ने जोर देकर कहा कि इन दस सालों में उन्होंने अपना ख्याल रखने की पूरी कोशिश की है, यहाँ तक कि उन दिनों में भी जब खुद की देखभाल करना किसी फुल-टाइम जॉब जैसा लगता है। उन्होंने व्यायाम को अपने जीवन का हिस्सा बनाया और अपने खान-पान पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने सीखा है कि अपना ख्याल रखने का मतलब परफेक्ट होना नहीं है, बल्कि इसका मतलब है बार-बार कोशिश करते रहना। इस सफर में उन्हें अपने शरीर के प्रति थोड़ा और नरम होना भी सीखना पड़ा है, खासकर उस शरीर के प्रति जिसे इंसुलिन की निरंतर आवश्यकता होती है। अभिनेत्री ने अपनी पोस्ट में स्पष्ट किया कि वह डायबिटीज को किसी खूबसूरत चीज़ के रूप में पेश नहीं करेंगी। उन्होंने लिखा, यह थका देने वाली, कई बार नाइंसाफी जैसी लगने वाली और बहुत मेहनत मांगने वाली बीमारी हो सकती है। लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह मेरी जिंदगी का एक हिस्सा है, लेकिन मेरी पूरी पहचान नहीं। अपनी पोस्ट के आखिर में, ऐश्वर्या ने टाइप-1 डायबिटीज के साथ जी रहे अन्य लोगों को भी हिम्मत दी।

# 'सॉरी बोलने में कभी दिक्कत नहीं हुई', अक्षय खन्ना ने साझा किए निजी अनुभव

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना अपनी बेहतरीन अभिनय क्षमता के साथ-साथ बेहद निजी जीवन जीने के लिए भी जाने जाते हैं। वह न तो सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं और न ही अपनी फिल्मों के प्रमोशनल कार्यक्रमों में अक्सर नजर आते हैं।

जब अक्षय खन्ना ने बताया था कि वह अपनी मर्जी से अंतर्मुखी (इंट्रोवर्ट) नहीं हैं। अक्षय सार्वजनिक आयोजनों और मीडिया की चकाचौंध से भी दूरी बनाए रखते हैं। शूटिंग से फुर्सत मिलने पर वह अपना अधिकतर समय अलीबाग स्थित घर में बिताना पसंद करते हैं।

कई साल पहले लोकप्रिय चैट शो 'रेंडेवू विद सिमी गरेवाल' में पहुंचने पर अभिनेत्री और होस्ट सिमी गरेवाल ने अक्षय खन्ना के व्यक्तित्व के इस रहस्यमयी पहलू को समझने की कोशिश की थी।

बातचीत के दौरान सिमी ने कहा था कि अक्षय अपने आसपास एक तरह की दीवार खड़ी कर लेते हैं, जिससे लोग उनसे दूर हो जाते हैं। इस पर अक्षय ने जवाब दिया, 'मैं शायद अब उन दीवारों को थोड़ा पारदर्शी दिखाने लगा हूं, लेकिन वे अब भी मौजूद हैं।'

जब सिमी ने उनसे पूछा कि क्या वह बेहद संवेदनशील और भावुक व्यक्ति हैं तो अक्षय ने इसे स्वीकार करते हुए कहा, 'जो लोग मेरे बेहद करीब होते हैं, उनके प्रति मैं बहुत संवेदनशील हूं। उनकी छोटी-सी बात भी मुझे गहराई से प्रभावित कर देती है।'

अक्षय ने यह भी माना कि वह किसी का दिल दुखाना नहीं चाहते, लेकिन कई बार अनजाने में ऐसा हो जाता है। उन्होंने कहा, 'बाद में मुझे इसका पछतावा होता है और मैं सोचता हूं कि दोबारा ऐसा नहीं करूंगा, लेकिन कभी-कभी गलती हो ही जाती है। क्योंकि मैं खुद बहुत संवेदनशील हूं, इसलिए दूसरों की भावनाओं को लेकर भी काफी सतर्क रहता हूं।'

माफी मांगने को लेकर अपने विचार साझा करते हुए अक्षय ने कहा कि उन्हें कभी भी 'सॉरी' बोलने में परेशानी महसूस नहीं हुई।

उन्होंने कहा, 'माफी मांगना बहुत अच्छी बात है। यह बेहद आसान है और आपको राहत भी देती है।'

इसी बातचीत के दौरान अक्षय खन्ना ने यह भी स्पष्ट किया था कि वह अपनी पसंद से इंट्रोवर्ट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें लोगों से मिलना-जुलना और उन्हें जानना अच्छा लगता है, लेकिन यह उनके लिए स्वाभाविक रूप से आसान नहीं है। अक्षय ने कहा, 'मुझे लोगों से मिलना और उन्हें समझना अच्छा लगता है, बस मेरे पास यह करने की वो क्षमता या कौशल नहीं है। किसी काम को नहीं करना चाहने और उसे न कर पाने में बहुत बड़ा अंतर होता है।'

उनके इस बयान ने यह दिखाया कि लोगों से दूरी बनाकर रखने की उनकी छवि के पीछे कोई अहंकार नहीं, बल्कि उनका स्वभाव और व्यक्तित्व है।





# अक्षय और प्रियदर्शन की फिल्म की शूटिंग नवंबर में होगी शुरू

सुपरस्टार अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की जोड़ी अपनी अगली कॉमेडी फिल्म के लिए हाथ मिलाने जा रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। खास बात यह है कि यह प्रियदर्शन के निर्देशन में बनने वाली 99वीं फिल्म होगी, जो उनके शानदार करियर में एक और मील का पत्थर साबित होगी।

यह फिल्म 1970 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी, जिसमें अक्षय कुमार एक अनोखे और अतरंगी किरदार में नजर आएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की यह अभी तक अनटाइटल फिल्म कॉमेडी से भरपूर होगी। इसमें अक्षय कुमार एक अतरंगी टाइगर हंटर के रोल में दिखेंगे, जो उनके प्रशंसकों के लिए एक नया और दिलचस्प अनुभव होगा। सोर्स ने बताया कि रमेश तौरानी के प्रोडक्शन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग इस साल नवंबर के आखिरी हफ्ते में शुरू होने की पूरी तैयारी है। यह खबर उन दर्शकों के लिए किसी खुशखबरी से कम नहीं है, जो लंबे समय से इस जोड़ी को बड़े पर्दे पर एक साथ देखने का इंतजार कर रहे थे। फिल्म की शूटिंग का शेड्यूल करीब तीन महीने का तय किया गया है, जिसके लिए मेकर्स ने राजस्थान के खूबसूरत वाइल्डलाइफ इलाकों को चुना है। इसके अलावा, मुंबई में भी विशाल सेट बनाकर शूटिंग की जाएगी और भोपाल की आकर्षक लोकेशंस पर भी कुछ महत्वपूर्ण दृश्यों को फिल्माया जाएगा। कॉमेडी के इस तगड़े डोज को और ज्यादा मजेदार बनाने के लिए फिल्म में अन्नू कपूर और राजपाल यादव जैसे दिग्गज सितारों की एंट्री हो चुकी है, जिनकी कॉमिक टाइमिंग दर्शकों को खूब गुदगुदाएगी।

हालांकि, फिल्म के मेकर्स फिलहाल लीड एक्ट्रेस की तलाश कर रहे हैं, जो जल्द ही पूरी होने की उम्मीद है। इस फिल्म की कहानी प्रियदर्शन और रोहन शंकर ने मिलकर लिखी है, जो इससे पहले अक्षय कुमार की भूत बंगला के लिए भी साथ काम कर चुके हैं। इस बारे में निर्देशक प्रियदर्शन से संपर्क किया, तो उन्होंने फिलहाल ज्यादा जानकारी देने से बचते हुए कहा कि प्रोजेक्ट को पूरी तरह लॉक हो जाने दीजिए, फिर मैं इस पर विस्तार से बात करूंगा। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की यह जोड़ी शानदार कॉमेडी फिल्मों के लिए जानी जाती है, जिन्होंने भारतीय सिनेमा को कई कल्ट क्लासिक्स दिए हैं।

# रामायण का हॉलीवुड में वर्ल्ड प्रीमियर



भारतीय सिनेमा के लिए एक खास उपलब्धि के तौर पर नमित मल्होत्रा की फिल्म 'रामायण- राइज ऑफ अ लीजेंड' का वर्ल्ड प्रीमियर लॉस एंजिलिस के प्रतिष्ठित एकेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स में आयोजित किया जाएगा। निर्माताओं के मुताबिक, यह खास कार्यक्रम 27 अक्टूबर को डेविड गेफेन थिएटर में होगा, जिसमें करीब 945 मेहमान शामिल होंगे। भारतीय संस्कृति और दिवाली की भावना को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पेश करने की तैयारी के बीच यह आयोजन फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा रहा है। फिल्म का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है और इसे बड़े स्तर पर तैयार किया जा रहा है। 'रामायण- राइज ऑफ अ लीजेंड' का प्रीमियर सिर्फ फिल्म की स्क्रीनिंग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसके जरिए भारतीय परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को भी सामने लाने की योजना है। आयोजकों ने मेहमानों से पारंपरिक भारतीय उत्सवी परिधान पहनकर आने का अनुरोध किया है, ताकि दिवाली के रंग और रौनक अंतरराष्ट्रीय मंच पर दिखाई दे सकें। कार्यक्रम में हॉलीवुड की हस्तियों, फिल्म निर्माताओं, अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधियों और मनोरंजन जगत से जुड़े लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

# जेलर 2 की बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई, हो रहा विवाद भी

बॉलीवुड की फिल्म जेलर 2 बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई कर रही है। सुपरस्टार रजनीकांत की इस फिल्म ने महज 5-6 दिनों में वर्ल्डवाइड 541 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। हालांकि, मोहनलाल के कैमियो को लेकर एक विवाद खड़ा हो गया है, जिस पर उनके बॉडी डबल जॉबी कोडाकारा ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और पूरे मामले पर स्पष्टीकरण दिया है।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब जेलर 2 की रिलीज के दिन जॉबी कोडाकारा ने मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल के साथ कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा कीं। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद अटकलें लगने लगीं कि फिल्म के कुछ दृश्यों में मोहनलाल की जगह उनके बॉडी डबल का इस्तेमाल किया गया है। कुछ दर्शकों ने तो यह दावा भी कर दिया कि जॉबी ने मोहनलाल के कई दृश्यों, यहां तक कि फिल्म के क्लाइमेक्स के महत्वपूर्ण दृश्यों को भी अंजाम दिया है, जिससे सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। इस विवाद के तूल पकड़ने पर, जॉबी कोडाकारा ने यूट्यूब चैनल जंगो स्पेस को दिए एक विस्तृत इंटरव्यू में अपनी बात रखी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जेलर 2 में उनका रोल केवल सीमित था और फिल्म में उनके केवल एक या दो शॉट्स का ही इस्तेमाल किया गया है। जॉबी ने बताया, सच कहूं तो सिर्फ मेरे हाथ और पैर ही फिल्म में दिख रहे हैं। उन्होंने आगे खुलासा किया कि उनके ये शॉट्स क्लाइमेक्स के दौरान एयरपोर्ट के एक सीन में देखने को मिलते हैं, जहाँ वे गाड़ी चलाते हुए गियर बदल रहे हैं और एक्सीलरेटर दबा रहे हैं।

जॉबी ने यह भी कहा कि उन्हें लगता है कि शूटिंग शेड्यूल या समय की कमी के कारण उन्हें इस छोटे से काम के लिए लिया गया होगा, न कि किसी बड़े दृश्य के लिए। उन्होंने मोहनलाल को दुनिया के बेहतरीन अभिनेताओं में से एक बताते हुए उन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया कि उन्होंने क्लाइमेक्स के बड़े दृश्यों में अभिनय किया या फिल्म में उनका चेहरा दिखाया गया। जॉबी की इस सफाई से मोहनलाल के कैमियो को लेकर फैला भ्रम काफी हद तक दूर हो गया है और यह स्पष्ट हो गया है कि फिल्म में मोहनलाल की उपस्थिति उनकी असली पहचान के साथ ही थी। मालूम हो कि फिल्म में रजनीकांत के अलावा मिथुन चक्रवर्ती और विद्या बालन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं, वहीं ऋतिक रोशन और मोहनलाल जैसे दिग्गजों के कैमियो ने दर्शकों को खूब लुभाया है।



# दिवाली से पहले INDIA ब्लॉक की रैली टालने की मांग, व्यापारियों ने 10 हजार करोड़ रुपये के नुकसान की जताई आशंका

## यापारी संगठन ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर 1 नवंबर की रैली 10 नवंबर के बाद कराने की अपील की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर को प्रस्तावित इंडिया ब्लॉक की रैली टालने की अपील की है। संगठन ने शनिवार को पत्र लिखकर रैली 10 नवंबर के बाद आयोजित करने का आग्रह किया। व्यापारियों का कहना है कि दिवाली के त्योहारी सीजन में रैली के कारण यातायात व्यवस्था प्रभावित होने और बाजारों तक ग्राहकों की पहुंच बाधित होने की आशंका है। इससे कारोबार को भारी नुकसान हो सकता है। संगठन ने त्योहारी सीजन के दौरान करीब 10 हजार करोड़ रुपये के व्यापारिक नुकसान की आशंका जताई है दरअसल, 1 नवंबर को रामलीला मैदान में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरोध में इंडिया ब्लॉक की रैली प्रस्तावित है। सीटीआई का कहना है कि दिवाली व्यापारियों के लिए साल का सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी समय होता है। ऐसे में रैली की तारीख आगे बढ़ाने से बाजारों में सामान्य कारोबार बनाए रखने में मदद मिल सकती है। व्यापारियों के मुताबिक, धनतेरस, दीपावली और भैया दूज के दौरान दिल्ली में लगभग 25 हजार करोड़ रुपये का कारोबार होता है। इस अवधि में बड़ी संख्या में ग्राहक खरीदारी के लिए बाजारों में पहुंचते हैं। व्यापारियों ने दावा किया कि अक्टूबर में रैलियों और रास्ते बंद होने के कारण दिल्ली के कारोबारियों को पहले ही लगभग 3 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। उनका कहना है कि यदि दिवाली के आसपास भी यातायात प्रतिबंध, बैरिकेडिंग और मार्ग परिवर्तन होते हैं, तो बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। रामलीला मैदान के आसपास पुरानी दिल्ली के कई प्रमुख कारोबारी क्षेत्र हैं। इनमें चांदनी चौक, सदर बाजार और चावड़ी बाजार जैसे बाजार शामिल हैं। व्यापारियों के अनुसार, इन इलाकों में बड़ी संख्या में दुकानें हैं और यहां दिल्ली के अलावा दूसरे क्षेत्रों से भी खरीदार आते हैं। रैली के दौरान यातायात व्यवस्था में बदलाव होने से ग्राहकों और माल की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका जताई गई है। व्यापारियों का दावा है कि चांदनी चौक में 75 हजार से अधिक दुकानें हैं, जबकि सदर बाजार में दुकानों की संख्या 15 हजार से 40 हजार के बीच बताई जाती है। सदर बाजार में प्रतिदिन 50 हजार से 70 हजार लोगों के आने का भी दावा किया गया है। चावड़ी बाजार में कागज के कारोबार से एक हजार से अधिक व्यापारी जुड़े हुए हैं। कारोबारियों के मुताबिक, रामलीला मैदान से पुरानी दिल्ली तक के बाजारों में कुल मिलाकर एक लाख से अधिक दुकानें हो सकती हैं। पिछले प्रदर्शनों के दौरान भी यातायात प्रभावित होने का दावा इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 6 से 13 अक्टूबर के बीच कई प्रदर्शन किए थे। इसी मुद्दे पर 10 अक्टूबर को अन्य संगठनों ने भी



प्रदर्शन का आह्वान किया था, लेकिन दिल्ली पुलिस ने इसकी अनुमति नहीं दी थी। उस दौरान शहर में बैरिकेडिंग किए जाने, 45 मेट्रो स्टेशन बंद रहने और सात हजार से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिए जाने का दावा किया गया है।

## अब अचानक सामने आने पर कार खुद लगाएगी ब्रेक, 2030 से नई कारों में सुरक्षा प्रणाली अनिवार्य करने का प्रस्ताव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और वाहनों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए सरकार नई कारों में स्वचालित आपातकालीन ब्रेक प्रणाली अनिवार्य करने की तैयारी कर रही है। प्रस्ताव के अनुसार, 1 अक्टूबर 2030 से बाजार में आने वाली सभी नई कारों में यह प्रणाली देना जरूरी होगा। वहीं, 1 अक्टूबर 2032 से बाजार में बिकने वाली सभी नई और पुरानी कारों पर भी यह व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है। परिवहन मंत्रालय ने इस संबंध में नए सुरक्षा नियमों का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत स्वचालित आपातकालीन ब्रेक प्रणाली के साथ व्यावसायिक वाहनों में चालक को नींद आने या ध्यान भटकने पर चेतावनी देने वाली तकनीक भी अनिवार्य करने का प्रस्ताव है। ये प्रावधान एआईएस-185 मानक के तहत लागू किए जाने हैं। स्वचालित आपातकालीन ब्रेक प्रणाली ऐसी तकनीक है, जो सामने किसी वाहन या बाधा के आने पर टक्कर की आशंका पहचानकर चालक को चेतावनी देती है और जरूरत पड़ने पर अपने आप ब्रेक लगा सकती है। इसका उद्देश्य दुर्घटना की आशंका कम करना और टक्कर होने पर उसके प्रभाव को घटाना है। फिलहाल यह सुविधा मुख्य रूप से उन्नत चालक सहायता प्रणाली वाली महंगी और प्रीमियम कारों में मिलती है। उन्हें आशंका रहती है कि अचानक ब्रेक लगने से पीछे चल रहा वाहन टकरा सकता है। ऐसे में सरकार इस तकनीक को भारतीय सड़कों और यातायात की परिस्थितियों के अनुकूल बनाने का प्रस्ताव लेकर आई है।



## भोपाल नगर निगम परिषद की बैठक में हंगामा, नेता प्रतिपक्ष के बयान पर भिड़े पार्षद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** नगर निगम परिषद की शनिवार को आईएसबीटी स्थित बैठक हॉल में हुई बैठक हंगामे की भेंट चढ़ गई। न्यू मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग के चौथे तल पर स्थित हॉल को किराए पर देने के प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान विवाद खड़ा हो गया। नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी के 'मैं कमीशन नहीं लेती' कहने पर भाजपा पार्षदों ने आपत्ति जताई और अध्यक्ष की आसंदी को घेर लिया। विवाद बढ़ने पर सदन की कार्यवाही 15 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। बाद में सोन चिरैया हॉकर्स कॉर्नर से जुड़ा प्रस्ताव भी वापस ले लिया गया, जिसके बाद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने बैठक अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी। बैठक में न्यू मार्केट मल्टीलेवल पार्किंग के चौथे तल पर बने हॉल को किराए पर देने के प्रस्ताव पर चर्चा चल रही थी। इसी दौरान नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा, 'मैं कमीशन नहीं लेती।' उनके इस बयान पर भाजपा पार्षदों ने आपत्ति जताई और अध्यक्ष की आसंदी को घेर लिया। अध्यक्ष ने जकी से अपने बयान के लिए माफी मांगने और जकी ने माफी मांगने से इनकार कर दिया। स्थित सोन चिरैया हॉकर्स कॉर्नर को किराए पर देने का प्रस्ताव भी चर्चा में रहा।



## वामिका गब्बी को कभी कहा गया था- 'तुम्हें कोई हीरोइन नहीं लेगा', रिजेक्शन के बाद ऐसे बदली किस्मत

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

**दिल्ली।** अभिनेत्री वामिका गब्बी के लिए फिल्मी दुनिया में अपनी पहचान बनाना आसान नहीं रहा। करियर के शुरुआती वर्षों में उन्हें लगातार अस्वीकृति का सामना करना पड़ा और मनचाहे किरदार भी नहीं मिले। मुंबई में करीब छह-सात साल बिताने के बाद भी उनका करियर उस मुकाम तक नहीं पहुंचा था, जिसका उन्होंने सपना देखा था। एक समय ऐसा भी आया, जब उन्हें लगने लगा कि शायद वह अभिनय के लिए नहीं बनी हैं। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार अपने अभिनय को निखारने में जुटी रहीं। एक फिल्म की शूटिंग के दौरान उन्हें अपने अभिनय कौशल पर काम करने की सलाह देते हुए यह तक कह दिया गया कि उन्हें कोई नायिका के रूप में नहीं चुनेगा। शुरुआती दौर में मिली ऐसी टिप्पणियों और लगातार मिले अस्वीकार के बावजूद वामिका ने अभिनय का रास्ता नहीं छोड़ा। आगे चलकर विशाल भारद्वाज की कार्यशाला और विक्रमादित्य मोटवानी की वेब सीरीज 'जुबली' उनके करियर के अहम पड़ाव बने वामिका गब्बी साहित्य और कला के माहौल में पली-बढ़ीं। उन्हें बचपन से ही अभिनय में दिलचस्पी थी। उनके पिता मजाक में उन्हें ड्रामेबाज कहा करते थे। वर्ष 2007 में प्रदर्शित इम्तियाज अली की फिल्म 'जब वी मेट' उनके शुरुआती फिल्मी कामों में शामिल थी। इस फिल्म में शाहिद कपूर और करीना कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। वामिका ने करीना कपूर के किरदार गीत की चचेरी बहन की छोटी-सी भूमिका निभाई थी। 'सिनेमा एक्सप्रेस' को दिए एक साक्षात्कार में वामिका ने बताया था कि 'जब वी मेट' की शूटिंग के समय वह आठवीं कक्षा में पढ़ती थीं। फिल्म के निर्देशक इम्तियाज अली आज भी उन्हें 'छोटी वाली' कहकर बुलाते हैं। वामिका के मुताबिक, जब इम्तियाज ने उनकी वेब सीरीज 'जुबली' देखी और उनके अभिनय की तारीफ की, तो वह उनके लिए बेहद खास पल था।




## टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले पर राम गोपाल वर्मा ने उठाए सवाल, बोले- शूटर्स सिर्फ मोहरे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** अभिनेता टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले में फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने शूटर्स की गिरफ्तारी को बड़ी कामयाबी मानने पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि अंडरवर्ल्ड में गोली चलाने वाले लोग केवल मोहरे होते हैं, जबकि हमले की साजिश रचने वाले असली लोग पर्दे के पीछे रहते हैं। उन्होंने आगाह किया कि शूटर्स की गिरफ्तारी के बावजूद बॉलीवुड में डर का माहौल खत्म हो जाए, यह जरूरी नहीं है। राम गोपाल वर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट साझा कर टाइगर श्रॉफ से जुड़े फायरिंग मामले पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि शूटर्स की गिरफ्तारी को बड़ी उपलब्धि मानने या उसका जश्न मनाने से पहले अंडरवर्ल्ड के काम करने के तरीके को समझना जरूरी है। वर्मा के अनुसार, गोली चलाने वाले लोग केवल आदेश पर काम करने वाले मोहरे हो सकते हैं, जबकि हमले की योजना बनाने और उसे अंजाम दिलाने वाले लोग पर्दे के पीछे रह सकते हैं। ऐसे में केवल शूटर्स की गिरफ्तारी को पूरे मामले का अंत मानना उचित नहीं होगा। उन्होंने यह भी चेताया कि इस तरह की घटनाओं के बाद फिल्म जगत में बना डर केवल आरोपियों की गिरफ्तारी से समाप्त नहीं होता। उनके बयान का मुख्य संदेश यही है कि ऐसे मामलों में गोली चलाने वालों के साथ-साथ कथित साजिश के पीछे मौजूद लोगों तक पहुंचना भी अहम है।



# जामिया यूनिवर्सिटी में दीवार फांदकर पहुंचे कांग्रेस सांसद इमरान मसूद, भूख हड़ताल कर रहे छात्रों से की मुलाकात

## छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर 12 अक्टूबर से जारी है प्रदर्शन, बाहर निकलते समय पुलिस ने हिरासत में लिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद शुक्रवार रात दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया यूनिवर्सिटी में दीवार फांदकर पहुंचे। यहां उन्होंने छात्रसंघ चुनाव की मांग को लेकर 12 दिन से धरने और भूख हड़ताल पर बैठे विद्यार्थियों से मुलाकात की और उनकी मांगों का समर्थन किया। विश्वविद्यालय के मुख्य द्वारों पर भारी पुलिस बल तैनात था। मसूद को आशंका थी कि गेट से प्रवेश करने पर पुलिस उन्हें रोक सकती है। ऐसे में उन्होंने छह से सात फीट ऊंची दीवार फांदकर परिसर में जाने का फैसला किया। हालांकि, बाहर निकलते समय पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर थाने पहुंचा दिया। करीब छह घंटे बाद शनिवार तड़के उन्हें छोड़ दिया गया। इस घटनाक्रम के कई वीडियो भी सामने आए हैं। सामने आए वीडियो में कांग्रेस सांसद इमरान मसूद आधी रात को दीवार फांदते दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान कुछ लोग उन्हें दीवार पर चढ़ने में मदद करते हैं, जबकि दूसरी ओर मौजूद लोग उनका हाथ पकड़कर उन्हें ऊपर खींचते नजर आते हैं। परिसर में पहुंचने के बाद मसूद जमीन पर बैठकर छात्रों से बातचीत करते दिखाई देते हैं। उन्होंने भूख हड़ताल कर रहे विद्यार्थियों का हालचाल पूछा और उनके हाथ पकड़कर समर्थन जताया। छात्रों से मिलने के लिए समाजवादी पार्टी के एमएलसी शहनवाज खान भी विश्वविद्यालय पहुंचे।

### 'छात्रों की जान कीमती, प्रशासन को गंभीरता दिखानी चाहिए'

विद्यार्थियों से बातचीत के दौरान इमरान मसूद ने कहा कि छात्रों की जान कीमती है और वे भूख हड़ताल पर बैठे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन को उनकी स्थिति को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं करना शर्मनाक है और छात्रों के संवैधानिक अधिकारों को कुचला जा रहा है। मसूद ने राहुल गांधी का जिक्र करते हुए कहा कि वे इस लड़ाई को मजबूती से लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'ये हमारे बच्चे हैं, मैं इनके लिए अपनी जान भी दे सकता हूं।' जामिया मिल्लिया इस्लामिया में विद्यार्थी 12 अक्टूबर से छात्रसंघ की बहाली और अपने अधिकारों की मांग को लेकर धरना दे रहे हैं। कुछ छात्र भूख हड़ताल पर भी बैठे हैं। मसूद ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर




सवाल उठाते हुए कहा कि ये विद्यार्थी देश का भविष्य हैं और उनके अधिकारों को दबाने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से पूछा कि छात्रसंघ की बहाली क्यों नहीं की जा रही है। विश्वविद्यालय की दीवारों पर 'फ्री कश्मीर' और 'फ्री शरजील इमाम' जैसे नारों और पोस्टरों को लेकर भी इमरान मसूद ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि वह भारत को तोड़ने वाले किसी भी नारे का समर्थन नहीं करते। उनके मुताबिक, कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और हमेशा रहेगा। मसूद ने आरोप लगाया कि कुछ लोग पोस्टर लगाकर छात्रों के आंदोलन को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह ठीक नहीं है और वे संविधान को मानने वाले लोग हैं।

## फिलीपींस में प्रशिक्षण के दौरान हवा में टकराए वायुसेना के दो विमान, चारों पायलटों की मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**फिलीपींस।** फिलीपींस में शुक्रवार को उड़ान प्रशिक्षण के दौरान वायुसेना के दो विमान हवा में टकरा गए। हादसे में दोनों विमानों में सवार चारों पायलटों की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद फिलीपीन वायुसेना ने एसएफ-260 प्रशिक्षण विमानों की उड़ानों पर रोक लगा दी है। जांच पूरी होने तक इन विमानों को उड़ान भरने की अनुमति नहीं होगी। हादसा दोपहर 3 बजकर 51 मिनट पर मनीला के दक्षिण में लीपा शहर स्थित फर्नांडो वायुसेना अड्डे के पास हुआ। दोनों विमान कम ऊंचाई पर उड़ान भर रहे थे, तभी वे आपस में टकरा गए। टक्कर के बाद एक विमान के टुकड़े सैन्यकर्मियों के बैरक के पास जा गिरे। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। एसएफ-260 इटली में निर्मित प्रशिक्षण विमान हैं। फिलीपींस ने वर्ष 2010-11 के दौरान इटली की एक कंपनी से ऐसे 18 विमान खरीदे थे। इनका इस्तेमाल वायुसेना के पायलटों को उड़ान का प्रशिक्षण देने के लिए किया जाता है। फिलीपींस की सेना लंबे समय से अपने सैन्य उपकरणों और संसाधनों को आधुनिक बनाने की कोशिश कर रही है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक बजट जुटाना चुनौती बना हुआ है। देश को वायुसेना के विमानों के साथ-साथ नौसेना और थलसेना की क्षमताएं भी बढ़ानी हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन के साथ बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच सैन्य क्षमता मजबूत करने की जरूरत और अहम हो गई है।



# ईडब्ल्यूएस को 16.25% और ओबीसी को 25.02% सीटें मिलने पर उठे सवाल

## सपा प्रवक्ता मनोज काका ने आरक्षण में अनदेखी का लगाया आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों और प्रधानाचार्यों की भर्ती के लिए जारी विज्ञापनों में आरक्षण व्यवस्था को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया है कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के आरक्षण में कटौती करते हुए आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए निर्धारित सीमा से अधिक पद आरक्षित किए गए हैं। हालांकि, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण के नियमों की अनदेखी नहीं की गई है। सपा प्रवक्ता मनोज काका ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर दावा किया कि भर्ती में ईडब्ल्यूएस वर्ग को निर्धारित 10 प्रतिशत के बजाय 16.25 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है, जबकि ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत के स्थान पर 25.02 प्रतिशत आरक्षण मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि 69 हजार शिक्षक भर्ती के बाद एक बार फिर ओबीसी वर्ग के हितों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।तीन विज्ञापनों में 20 हजार से अधिक पद दरअसल, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने 23 अक्टूबर को सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षकों और प्रधानाचार्यों की भर्ती के लिए तीन विज्ञापन जारी किए थे। इनके तहत प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक यानी टीजीटी के 17,735 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके अलावा हाईस्कूल स्तर के विद्यालयों में प्रधानाध्यापक के 1,172 पद और इंटरमीडिएट स्तर के विद्यालयों में प्रधानाचार्य के 1,475 पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इनमें टीजीटी भर्ती में आरक्षण के वर्गवार आंकड़ों को लेकर सबसे अधिक सवाल उठ रहे हैं। आयोग ने जारी किए वर्गवार पदों के आंकड़े आयोग के अध्यक्ष प्रशांत




कुमार के अनुसार, टीजीटी के कुल 17,735 पदों में अनारक्षित वर्ग के 6,704 पद हैं, जो कुल पदों का 37.80 प्रतिशत हैं। अनुसूचित जाति के लिए 3,698 पद यानी 20.85 प्रतिशत और अनुसूचित जनजाति के लिए 13 पद यानी 0.07 प्रतिशत निर्धारित किए गए हैं। वहीं, ओबीसी वर्ग के लिए 4,438 पद यानी 25.02 प्रतिशत तथा ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए 2,882 पद यानी 16.25 प्रतिशत पद विज्ञापित किए गए हैं। विद्यालयवार रिक्तियों के आधार पर हुआ आरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रशांत कुमार ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण को लेकर कोई चूक नहीं हुई है। उनके मुताबिक, सोशल मीडिया पर टीजीटी के सभी 17,735 पदों को एक साथ जोड़कर आरक्षण की गणना की जा रही है, जबकि भर्ती विद्यालयवार रिक्त पदों के आधार पर निकाली गई है। प्रत्येक विद्यालय को अलग इकाई मानकर वहां खाली पद की श्रेणी के अनुसार विज्ञापन जारी किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिस विद्यालय में जिस आरक्षित श्रेणी का पद रिक्त है, उसे उसी श्रेणी के तहत विज्ञापित किया गया है। नियुक्ति भी संबंधित विद्यालय में रिक्त पद की श्रेणी के अनुसार ही की जाएगी। आयोग का कहना है कि सभी विद्यालयों के पदों को एक साथ जोड़कर आरक्षण की गणना करने से भर्ती प्रक्रिया को लेकर भ्रम पैदा हो रहा है। वहीं, विज्ञापन में दर्ज आरक्षण के प्रतिशत को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं।

## सोनिया गांधी ने एक्स पर साझा की पहली पोस्ट, राजीव गांधी से पहली मुलाकात और प्रेम की कहानी बताई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** सोनिया गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी पहली पोस्ट साझा कर पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी से पहली मुलाकात और प्रेम की शुरुआत से जुड़ी यादें साझा की हैं। उन्होंने एक वीडियो में बताया कि इंग्लैंड में अपनी पसंद का भोजन मिलने वाली जगह तलाशते हुए वह कैम्ब्रिज के एक यूनानी भोजनालय पहुंची थीं। यहीं एक मित्र ने पहली बार उनका परिचय राजीव गांधी से कराया था। सोनिया गांधी ने शनिवार को अपना एक्स खाता बनाया। पहली पोस्ट में उन्होंने अपनी आगामी पुस्तक 'बेलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' का वीडियो साझा किया। यह पुस्तक 10 नवंबर को जारी होगी। इसमें उनके निजी जीवन, नेहरू-गांधी परिवार में आने, पारिवारिक त्रासदियों और राजनीतिक सफर से जुड़े अनुभवों का वर्णन किया गया है। सोनिया गांधी ने राजीव गांधी से पहली मुलाकात को याद करते हुए कहा कि उन्हें लगभग तुरंत महसूस हो गया था कि वह ऐसे व्यक्ति हैं, जिनके साथ वह अपना जीवन बिताना चाहेंगी। बाद में उन्हें पता चला कि राजीव गांधी भी उनके बारे में ऐसा ही महसूस करते थे। उन्होंने बताया कि पहली मुलाकात के बाद दोनों मित्र बन गए। वे पार्टियों में जाते, घूमते और विद्यार्थियों की बैठकों में साथ समय बिताते थे। राजीव गांधी के व्यक्तित्व के बारे में सोनिया ने कहा कि वह बहुत सौम्य दिखाई देते थे। वह अच्छे दिखते थे, लेकिन उनका सौम्य स्वभाव भी साफ नजर आता था। सोनिया गांधी की पुस्तक की शुरुआत युद्ध के बाद इटली के वेनेटो क्षेत्र में बीते उनके बचपन से होती है। इसके बाद इसमें उनके कैम्ब्रिज जाने और वर्ष 1965 में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के पोते राजीव गांधी से मुलाकात का उल्लेख है। पुस्तक में राजीव गांधी से उनके विवाह और अपनी सास, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से पहली मुलाकात के अनुभव भी शामिल हैं। इसमें भारत आने के बाद यहां के जीवन और संस्कृति के साथ तालमेल बैठाने की यात्रा का वर्णन है।



# एक करोड़ से ज्यादा आवेदन पाने वाला दुनिया का पहला आईपीओ बना, 30,213 करोड़ रुपये का निर्गम भारतीय कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा शेयर निर्गम

## जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ ने बनाए कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड के आईपीओ ने तीन दिन की अभिदान अवधि में कई बड़े रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं। यह तेजी से पूरी तरह अभिदान पाने वाला सबसे बड़ा आईपीओ बनने के साथ ही दुनिया भर में एक करोड़ से अधिक व्यक्तिगत निवेशक आवेदन हासिल करने वाला पहला आईपीओ भी बन गया है। निर्गम के तीसरे दिन राष्ट्रीय शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, आईपीओ कुल 22.19 गुना अभिदान हुआ। निवेशकों ने प्रस्तावित 19.75 करोड़ शेयरों के मुकाबले 438 करोड़ से अधिक शेयरों के लिए बोलियां लगाईं। जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ में बड़े संस्थागत निवेशकों की ओर से सबसे ज्यादा मांग देखने को मिली। योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए आरक्षित हिस्सा 70.55 गुना अभिदान हुआ। इस श्रेणी में आरक्षित 4.9 करोड़ शेयरों के मुकाबले 345.75 करोड़ से अधिक शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। गैर-संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में भी मजबूत मांग रही और उनका हिस्सा 14 गुना भरा। इस श्रेणी में आरक्षित 3.64 करोड़ शेयरों के मुकाबले 51.03 करोड़ शेयरों के लिए बोलियां लगीं। खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों की श्रेणी में आरक्षित 8.5 करोड़ शेयरों के मुकाबले 23.11 करोड़ शेयरों के लिए आवेदन आए, जिससे यह हिस्सा 2.72 गुना अभिदान हुआ। जियो प्लेटफॉर्म्स के आईपीओ के लिए एंकर निवेशकों की बोलियों सहित कुल शेयर मांग लगभग 7.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। सार्वजनिक अभिदान श्रेणी से ही 4.9 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बोलियां मिलीं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, एंकर निवेशकों के बाहर प्राप्त बोलियों के मूल्य के लिहाज से यह भारत का सबसे बड़ा आईपीओ बन गया है। इसने वर्ष 2025 में आए एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के आईपीओ का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। वहीं, एंकर निवेशकों को आवंटित 8,110 करोड़ रुपये के शेयरों के मुकाबले करीब 2.5 लाख करोड़ रुपये की मांग दर्ज की गई। वैश्विक शेयर बाजार के इतिहास में जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ एक करोड़ से अधिक व्यक्तिगत निवेशक आवेदन हासिल करने वाला पहला निर्गम बन गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड वारी एनर्जीज के नाम था, जिसे लगभग 97.3 लाख आवेदन मिले थे। जियो प्लेटफॉर्म्स ने इस आंकड़े को पार कर नया रिकॉर्ड कायम किया। कुल 30,213 करोड़ रुपये के निर्गम आकार के साथ जियो




प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ भारतीय कॉरपोरेट इतिहास का सबसे बड़ा शेयर निर्गम बन गया है। इससे पहले यह रिकॉर्ड हुंडई मोटर इंडिया के नाम था। इस आईपीओ में पूरी राशि नए शेयर जारी करके जुटाई गई है। निर्गम में 27 करोड़ नए शेयर शामिल हैं।

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.